शिवपुरी ■ शुक्रवार 27 फरवरी 2026 ■ वर्ष -26 ■ अंक-268 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

दैनिक

# सत्ता सुधार

जनता के साथ जनता की आवाज

**सुविचार**

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

# देश के दिल से जुड़िए... मध्यप्रदेश में निवेश हर मायने में फायदे का सौदा

## राजस्थान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- मध्यप्रदेश के साथ आगे बढ़िए, मध्यप्रदेश भी बढ़ते हुए राजस्थान के साथ करेगा अपनी भागीदारी

- निवेश, नवाचार और विकास की हमारी साझेदारी होगी दीर्घकालिक
- भीलवाड़ा में इन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटिज इन एमपी
- सीएम ने प्रदेश में निवेश करने के लिए निवेशकों को किया आमंत्रित
- वीरों की धरा राजस्थान के निवेशकों का हीरों की धरती मप्र में अभिनंदन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश आज देश के सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी बनकर उभरा है। मध्यप्रदेश में निवेश हर मायने में फायदे का सौदा है। देश के दिल से जुड़िए, विकास और अवसरों के केंद्र से जुड़िए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के मध्य में स्थित होने से मध्यप्रदेश व्यापार, उद्योग-धंधों की स्थापना और उत्पादों के निर्यात के लिए एक रणनीतिक केंद्र बनता जा रहा है। प्राकृतिक संसाधन, उद्योग-अनुकूल नीतियां, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर शासन-प्रशासन ये सभी कारक निवेशकों के लिए एक आदर्श वातावरण तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश को अनंत संभावनाओं का अनुपम केंद्र बताते हुए कहा कि वीरों की धरती राजस्थान के सभी निवेशकों का हीरों की धरती मध्यप्रदेश में स्वागत है, अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि सदियों से हमारी साझा संस्कृति, व्यापार-व्यवसाय और साझा भविष्य का एक अटूट रिश्ता रहा है।

**हम दूसरा रास्ता निकालेंगे:** राजस्थान के मारवाड़ और मेवाड़ के कारोबारियों में व्यापार-व्यवसाय की कुशलता अद्भुत है। पीएम मोदी के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार उद्योग प्रोत्साहन के लिए संकल्पित है। हमारे उद्योगपति जरूरतमंदों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं। बदलते दौर में राज्यों के परस्पर संबंध सौहार्द्रपूर्ण हुए हैं। हम सभी को उद्योग-व्यापार के विकास और विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण मिला है। दुनिया के देश चुनौतियों का सामना करते हुए हम आगे बढ़ रहे हैं। अगर कोई देश प्रतिबंध लगाएगा, तो हम दूसरा रास्ता निकालेंगे। यूरोप के साथ टैक्सटाइल ट्रेड एण्ड बिजनेस को आगे बढ़ाने की अच्छी संभावनाएं हैं। सीएम ने कहा कि उन्होंने राज्य के उद्योग विभाग की कमान स्वयं ले ली हैं, जिससे प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ाने में कोई कठिनाई न आए और सभी मुद्दे सरलता के साथ समय रहते हल हो जाएं। मध्यप्रदेश सरकार ने औद्योगिक नीतियों को सरल बनाया है। इससे मध्यप्रदेश में निवेश और उद्योगों की स्थापना में तेजी आई है।

### मिलकर नया अध्याय लिखेंगे

सीएम ने कहा-हमारा आपसी संवाद नई संभावनाओं के विकास-विस्तार और देश की औद्योगिक क्षमता को नई दिशा देने का एक साझा मंच है। भीलवाड़ा की समृद्ध वस्त्र विरासत से जुड़कर मप्र भी अनेकानेक संभावनाओं को तलाश कर बढ़ते हुए राजस्थान के साथ अपनी दीर्घकालिक भागीदारी करना चाहता है। हम सब मिलकर अपनी वणिक युक्ति, बुद्धि और क्षमता से औद्योगिक विकास का नया अध्याय लिखेंगे।

### इन्टरैक्टिव सेशन का शुभारंभ

मुख्यमंत्री गुरुवार को राजस्थान की वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में इन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपार्चुनिटिज इन एमपी में स्थानीय निवेशकों, बिजनेस लीडर्स, उद्योगपतियों एवं विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वजित कर इस इन्टरैक्टिव सेशन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा-लंबे समय से मध्यप्रदेश और राजस्थान का सहोदर जैसा रिश्ता रहा है। दोनों राज्यों में सदैव व्यापार की अनुकूलता रही है।

---

सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता कहा- एनसीईआरटी ने गरिमा को पहुंचाई ठेस

# न्यायपालिका लहूलुहान! माफी काफी नहीं, हार्ड कॉपी वापस लो

- सीजेआई ने कहा- इतनी बड़ी गलती इसके पीछे कौन है...
- अदालत ने एनसीईआरटी की किताब पर स्वतः संज्ञान लिया
- करप्शन इन ज्यूडीशियरी वाली किताब पर 'सुप्रीम' बैन

## कोर्ट का आदेश-डिजिटल कॉपी हटाएं, शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा- जो जिम्मेदार, उन पर सख्त कार्रवाई होगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब के विवादित अंश को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रूख अपनाया है। किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले अंश को लेकर उपजे विवाद पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ में सुनवाई हुई।

चीफ जस्टिस ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा-इस मामले में एनसीईआरटी का माफी मांगना पर्याप्त नहीं है। ऐसी किताब बच्चों तक जाने देना गलत होगा। न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखना जरूरी है। शिक्षा सचिव और एनसीईआरटी को नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने कहा-जब तक कोर्ट संतुष्ट नहीं हो जाता, सुनवाई जारी रहेगी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- सबसे पहले, हम बिना शर्त माफी मांगते हैं। स्कूल एजुकेशन के सेक्रेटरी यहां हैं। इस पर सीजेआई ने कहा- उनके नोटिस में माफी का एक भी शब्द नहीं है। किसी ने मुझे भेजा था। जिस तरह से इस डायरेक्टर ने इसे बढ़ाने की कोशिश की है। मैंने सेक्रेटरी जनरल से पूछा कि क्या ऐसा पब्लिकेशन सच में हुआ था। बहुत जिम्मेदार अखबार ने छापा था, फिर भी इसमें गहरी साजिश है।

### कांग्रेस ने कहा- बदलाव आरएसएस से प्रेरित

वहीं, इस विवाद कांग्रेस ने कहा कि पाठ्यपुस्तकों में बदलाव संघ से प्रेरित हैं और सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी सही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पिछले 10 साल में एनसीईआरटी की किताबों को जिस तरह बदला गया है, वह गलत और खतरनाक है। इसकी जांच की जानी चाहिए।

### 57 विशेषज्ञ-शिक्षाविद् के नाम आए सामने

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में बच्चों को सिर्फ न्यायपालिका में भ्रष्टाचार जैसी विवादित विषयवस्तु को पढ़ाने के निर्णय की गाज किस पर गिरती है, यह तो वक्त बताएगा लेकिन सीधे तौर पर 57 विषय विशेषज्ञ और शिक्षाविद इसके लिए जिम्मेदार थे।

**पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति-** मिशेल डैनिनो, अजीज महदी, अल्का सिंह, एमवी श्रीनिवास, आशीर्वाद द्विवेदी, कुमारी रोहणी, संदीपा मदान।

**समीक्षक समिति-** अदिति मिश्रा निदेशक प्रधानाचार्य डीपीएस गुरुग्राम, अर्पणा पांडे, जया सिंह, तनु मलिक।

**शिक्षण अधिगम सामग्री समिति-**अध्यक्ष- एमसी पंत (कुलाधिपति राष्ट्रीय शैक्षिक योजना व प्रशासन संस्थान), मंजुल भार्गव- सह अध्यक्ष (प्रोफेसर प्रिसंटन यूनिवर्सिटी), सुधा मूर्ति, शेखर मांडे, शंकर महादेवन, सुजाता रामदोरई।

### जिम्मेदार के धनुष से निकला बाण...

सीजेआई ने कहा-आपने तो बहुत हल्के में छोड़ दिया। उनके (जिम्मेदार) धनुष से बाण निकला और आज न्यायपालिका खून से लथपथ है। किताब मार्केट में उपलब्ध है, मुझे भी सोर्स से एक कॉपी मिली है। केवल माफी मांगना और किताब से आपत्तिजनक अंशों को हटाना पर्याप्त नहीं है। एनसीईआरटी के निदेशक को कारण बताना होगा। ये सोच-समझकर उठाया गया कदम है। अदालत ने सवाल किया कि इस मामले को अवमानना क्यों न माना जाए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने आनलाइन प्रतियों को भी तत्काल हटाने के निर्देश दिए।

### बाजार पहुंचीं 32 किताब, वापस

सॉलिसिटर जनरल ने कहा- जिम्मेदार लोगों को आगे ऐसे काम में नहीं लाया जाएगा। 32 किताबें मार्केट में आईं, उन्हें वापस लिया जा रहा है। एक टीम पूरे चैप्टर को फिर से देखेगी। पेंडेंसी के बारे में एक और हिस्सा है, टाइटल है जस्टिस डिले इज जस्टिस डिनाइड...हम यह नहीं सिखा सकते कि जस्टिस डिनाइड (न्याय नहीं मिला) है।

### मंत्री बोले- न्यायपालिका के अपमान का इरादा नहीं

**इधर,** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि जो हुआ, उससे मैं बहुत दुखी हूं, न्यायपालिका के अपमान का कोई इरादा नहीं था। जवाबदेही तय की जाएगी। ज्यूडिशियल करप्शन पर चैप्टर का ड्राफ्ट बनाने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हम न्यायपलिका का पूरा सम्मान करते हैं। कोर्ट के निर्देशों का पालन किया जाएगा। सरकार यह पक्का करेगी कि ऐसी स्थिति दोबारा न हो।

---

# सीबीएसई: अब कक्षा छह से दो भारतीय भाषाओं के साथ एक विदेशी लैंग्वेज होगी अनिवार्य

- देशभर में अगले सत्र से लागू होगी न्यू लैंग्वेज पॉलिसी
- भारत में अब अंग्रेजी को माना जाएगा फॉरेन लैंग्वेज
- 2031 तक बोर्ड परीक्षाओं में शामिल करने का लक्ष्य

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देशभर में एनसीईआरटी की किताब को लेकर मच बवाल के बीच अब सीबीएसई ने भी एक बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन-2023) के तहत सीबीएसई अगले सत्र यानी कि 2027-28 से नया सीबीएसई थर्ड लैंग्वेज पॉलिसी- 2026 लागू करने जा रही है। इस नियम के अनुसार अब कक्षा 6 से सभी छात्रों को दो भारतीय भाषाओं के साथ एक फॉरेन यानी विदेशी भाषा पढ़ना अनिवार्य कर दिया गया है। नए नियम के मुताबिक अंग्रेजी भाषा को थर्ड लैंग्वेज माना जाएगा। ऐसे में स्टूडेंट्स दो भारतीय भाषाओं के साथ इंग्लिश को फॉरेन लैंग्वेज के रूप के चुन सकेंगे। अगर कोई छात्र फ्रेंच, जर्मन या अन्य कोई विदेशी भाषा पढ़ता है तो उसके साथ भी दो भारतीय भाषाएं सीखना अनिवार्य होगा। सीबीएसई की ओर से कक्षा 6 से अगले ही सत्र यह नियम लागू हो जाएगा। इसके बाद वर्ष 2031 एक इसे 10वीं क्लास तक लागू करने का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। ऐसे में सीबीएसई 2031 में थर्ड लैंग्वेज को बोर्ड परीक्षा में शामिल करेगा।

### अगले सत्र से नई किताबें की जाएंगी तैयार

अगले सत्र से नया नियम लागू हो जाएगा ऐसे में सीबीएसई की ओर से तीसरी भाषा के लिए पाठ्यक्रम/किताबें तैयार की जाएंगी। पहले सत्र से सीबीएसई तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, गुजराती और बांग्ला सहित 9 भाषाओं के लिए बुक्स तैयार करेगा। बात में अन्य भारतीय भाषाओं एवं विदेशी भाषाओं के लिए भी बुक्स तैयार की जाएंगी।

### उद्देश्य: बहुभाषिकता और सांस्कृतिक जुड़ाव

एनसीएफएसई के अनुसार, कक्षा 6-8 (मिडिल स्टेज) में तीसरी भाषा को पर्याप्त समय दिया जाएगा ताकि छात्र उसमें बुनियादी संवाद कौशल विकसित कर सकें। दस्तावेज में कहा गया है कि तीसरी भाषा को आर-1 और आर-2 की तुलना में अधिक समय दिया जाएगा, क्योंकि यह छात्रों के लिए एक नई भाषा होगी।

---

# ऑपरेशन सिंदूर 2.0 में मचेगी तबाही, पिछली बार तो ट्रेलर था

भारत अब की पाकिस्तान की परमाणु धमकी से नहीं डरेगा

एजेंसी ■ चंडीगढ़

भारतीय सेना की पश्चिमी कमान ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी है कि ऑपरेशन सिन्दूर 2.0 जारी है। किसी भी हिमाकत की सूरत में इस बार की जवाबी कार्रवाई पिछले साल की तुलना में कहीं अधिक कठोर और विनाशकारी होगी। भारतीय सेना ने साफ संदेश दिया है कि अब पाकिस्तान की परमाणु धमकियों का कोई असर नहीं होगा। पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना की रणनीति बदल चुकी है और अगली कार्रवाई पहले से कहीं ज्यादा कड़ी होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत अब सिर्फ जवाब नहीं देगा बल्कि जमीन पर निर्णायक जीत हासिल करने की तैयारी में है। पठानकोट में आयोजित एक सैन्य सम्मान समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाक के सभी बड़े आतंकी ठिकानों पर हमला किया था।

### परमाणु युद्ध की धमकियां 'न्यूक्लियर ब्लफ'

कटियार ने पाकिस्तान की ओर से बार-बार दी जाने वाली परमाणु युद्ध की धमकियों को 'न्यूक्लियर ब्लफ' बताया। यह कमजोरी छिपाने की कोशिश है। पाक नेतृत्व व्यवस्था संघर्ष को जिंदा रखकर अपनी अहमियत बनाए रखना चाहता है।

---

# एक अप्रैल से एथेनॉल ब्लेंड ई-20 पेट्रोल बेचना अनिवार्य

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने पेट्रोल को लेकर एक अहम फैसला लिया है, जिसका सीधा असर आम लोगों और ऑटोमोबाइल सेक्टर पर पड़ेगा। केंद्र ने तेल बेचने वाली कंपनियों को साफ निर्देश दिया है कि 1 अप्रैल से देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एथेनॉल ब्लेंडेड (ई-20) पेट्रोल बेचा जाए। इस पेट्रोल में अधिकतम 20 प्रतिशत इथेनॉल होगा और इसका न्यूनतम रिसर्च ऑक्टेन नंबर यानी आरओएन-95 होना जरूरी होगा। यह आदेश केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी किया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि तेल कंपनियां वही पेट्रोल सप्लाई करें जो ई-20 मानकों पर खरा उतरता हो। यह पेट्रोल ब्यूरो ऑफ इंडिया स्टैंडर्ड के तय मानकों के अनुसार होना चाहिए और पूरे देश में एक समान क्वॉलिटी के साथ मुहैया कराना होगा।

**देश भर की तेल कंपनियों को केंद्र ने जारी किया निर्देश**

---

# रेलवे का नया रेल टेक पोर्टल लॉन्च

## मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान, एआई और टेक स्टार्टअप्स को केंद्र देगा फंड

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल टच पोर्टल और ई-आरसीटी को लॉन्च किया। सरकार का कहना है कि इससे रेलवे में इनोवेशन को तेज किया जाएगा और क्लेम से जुड़ी प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाएगा। यह कदम रेलवे सुधारों के बड़े पैकेज का हिस्सा है, जिसमें सिस्टम को ज्यादा तेज, पारदर्शी और टेक-फ्रेंडली बनाने की बात कही जा रही है। रेल टच पोर्टल का मकसद रेलवे की रोजमर्रा की समस्याओं को सीधे टेक कंपनियों, स्टार्टअप और रिसर्च टीमों से जोड़ना है। अब इनोवेटर अपने सॉल्यूशन सीधे पोर्टल पर डाल सकेंगे। रेलवे उन आइडियाज को चुनकर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर टेस्ट करेगा। अगर नतीजे ठीक रहे तो उन्हें बड़े लेवल पर लागू किया जाएगा। इससे नई टेक को अपनाने में लगने वाला वक्त कम हो सकता है।

### एआई से होगी मॉनिटरिंग

इस पहल में एआई, सेफ्टी, ट्रैक मॉनिटरिंग, कोच में आग से जुड़ी चेतावनी सिस्टम, एनर्जी सेविंग और मेंटेनेंस जैसे क्षेत्रों पर फोकस रखा गया है। सरकार का कहना है कि इससे छोटे स्टार्टअप और नए इनोवेटर्स के लिए रेलवे के साथ काम करना आसान होगा। हालांकि यह पैसा सीधे हाथ में मिलने वाला फंड नहीं है। यह प्रोजेक्ट-आधारित सपोर्ट है, जो चुने गए सॉल्यूशन पर निर्भर करेगा।

---

**करार** पीएम बोले-जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे, इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात

# मोदी-नेतन्याहू के बीच समझौता-इजराइल में चलेगा यूपीआई

एजेंसी ■ तेल अवीव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल दौरे का गुरुवार को आखिरी दिन था। मोदी दौरे के दूसरे दिन सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल याद वाशेम पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया। फिर पीएम मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू ने द्विपक्षीय मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान बताया गया है कि इजराइल में भी अब भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेगा।

**इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता**

### किसानों और गांवों के लिए नई पहल, बढ़ेगा उत्पादन

कृषि क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग पहले से सफल रहा है। भारत में इजराइल की मदद से बने सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस की संख्या 100 तक बढ़ाई जाएगी। गांव-गांव तक नई खेती तकनीक पहुंचाने के लिए विलेज ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे। इससे किसानों की आय और उत्पादन बढ़ेगा।

### मोदी-नेतन्याहू वार्ता में ये हुआ तय

**रक्षा और रणनीतिक साझेदारी:** दोनों देशों ने सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई।

**मुक्त व्यापार समझौता:** दोनों पक्षों ने पारस्परिक लाभ वाले एफटीए को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस:** शिक्षा और उभरती तकनीकों में एआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए अलग समझौता।

**साइबर सुरक्षा:** साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर।

**कृषि और नवाचार:** इंडिया-इस्राइल इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर स्थापित करने का फैसला।

**मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर:** इस क्षेत्र में तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर सहमति।

**भू-भौतिकीय अन्वेषण:** ऊर्जा और संसाधन खोज के क्षेत्र में साझेदारी।

**राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर, लोथल:** विकास में सहयोग का समझौता।

**सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

**व्यापार और सेवाए:** वाणिज्य, मैन्युफैक्चरिंग और रेस्टोरेंट सेक्टर में कार्यान्वयन प्रोटोकॉल तय।

---

# वॉट्सएप एक मार्च से सिम कार्ड के बिना नहीं चलेगा

- सरकार ने डेडलाइन बढ़ाने से किया इंकार
- कंप्यूटर पर हर 6 घंटे में लॉगआउट होगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ कर दिया है कि सिम बाइंडिंग के नियमों को लागू करने की 28 फरवरी की डेडलाइन नहीं बढ़ाई जाएगी। नए नियमों के तहत मोबाइल में सिम कार्ड न होने पर वॉट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल, स्नैपचैट, शेयरचैट, जियोचैट, अराटाई और जोश जैसे मैसेजिंग एप काम नहीं करेंगे। कंप्यूटर पर लॉगिन वॉट्सएप भी 6 घंटे में लॉगआउट हो जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे साइबर धोखेबाजों का पता लगाने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक के बारे में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि कंपनी ने अभी तक सरकारी सुरक्षा एजेंसियों के सामने जरूरी डेमो पूरे नहीं किए हैं। कंपनी को यह दिखाना होगा कि वह भारतीय सीमाओं के बाहर इंटरनेट एक्सेस बंद कर सकती है।

## ब्रीफ न्यूज

### सीएम आज 171.19 करोड़ के विकास कार्यों की देंगे सौगात

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के 95वें शहादत दिवस पर आलीराजपुर के चन्द्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) में शुक्रवार को आजाद स्मृति मंदिर पहुंचकर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। वे 79.92 करोड़ रुपये लागत के 14 कार्यों का लोकार्पण तथा 119.02 करोड़ रुपये लागत के 35 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। जिले में विकास परियोजनाओं से क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। डॉ. यादव उदयगढ़ में आयोजित पारंपरिक भगोरिया उत्सव में सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री उत्सव स्थल पर पहुंचकर जनजातीय के प्रतिनिधियों से संवाद भी करेंगे। उदयगढ़ का भगोरिया अपने रंग, उमंग और परंपराओं के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

### अब मंत्री चेक से बांटेंगे स्वेच्छानुदान

**भोपाल।** प्रदेश सरकार ने मंत्रियों के स्वेच्छानुदान को लेकर बड़ा बदलाव किया है। अब मंत्री के स्वेच्छानुदान मद से किसी भी हितग्राही या संस्था को राशि का आवंटन ई-भुगतान प्रणाली से नहीं होगा। इसकी जगह अब चेक जारी होंगे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार मंत्रियों का स्वेच्छानुदान मद 1 करोड़ रुपए प्रति वर्ष, राज्यमंत्री का मद 60 होता है। जबकि मुख्यमंत्री का स्वेच्छानुदान मद 200 करोड़ होता है। विभाग के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में मुख्यमंत्री के स्वेच्छानुदान से 284 आदेशों में 1 करोड़ 61 लाख से ज्यादा का ई-भुगतान हो चुका है।

### सीएम ने वायुसेना के शौर्य को किया नमन

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाकोट एयर स्ट्राइक की 7वीं वर्षगांठ पर भारतीय वायुसेना के अद्वितीय साहस, शौर्य एवं पराक्रम को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के वीर जवानों ने अपनी बहादुरी से मातृभूमि के स्वाभिमान को अक्षुण्ण बनाए रखा है। हमारे शूरवीर जवानों पर सभी देशवासियों को सदैव गर्व रहेगा।

### केन्द्रीय मंत्री खट्टर महिला लाइनकर्मी को करेंगे सम्मानित

**भोपाल।** केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर 7 मार्च को नई दिल्ली में उत्कृष्ट कार्यों के लिये प्रदेश के 9 लाइन मैन को सम्मानित करेंगे। इसमें मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की एक कर्मठ महिला लाइन कर्मी नेहा चौरासिया भी शामिल है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में चौरसिया के अलावा देवेन्द्र सिंह कुशवाहा और जसरथ रैकवार को भी सम्मानित किया जायेगा। इसी तरह पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र से दशरथ पाण्डेय, सुरेश कुमार पटेल और दउआ सिंह को सम्मानित किया जायेगा। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र से अयूब खान, राजेन्द्र राठौर और भीम नारायण सिंह को सम्मानित किया जाएगा।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव 218वें रहस मेले में हुए शामिल, कहा-

# सागर जिले में बनेगा फूड पार्क

### बीड़ी उद्योग और तेंदूपत्ता संग्रहण व्यापार नहीं, लाखों परिवारों की है जीविका, रहस मेले में मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड के वीरों के शौर्य को किया प्रणाम

### एक लाख करोड़ के बजट से संवरेगा एमपी का किसान

### मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को अंतरित 196.72 करोड़ की राशि

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सागर जिले के रहली क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देते हुए फूड पार्क स्थापित किया जाएगा। इससे क्षेत्र के स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बुंदेलखंड की धरती आल्हा-ऊदल जैसे वीरों की धरती है। सागर जिले का रहस मेला ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सागर जिले के गढ़ाकोटा के ऐतिहासिक रहस मेले के शुभारंभ एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के हितग्राहियों के राशि अंतरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में परमात्मा ने ऋतुओं और मौसम के साथ मेलों का अद्भुत संबंध बनाया है। जब धान और सोयाबीन कटे तो दीवाली और गेहूं की फसल आने पर होली मनाई जाती है। बुंदेलखंड की धरती पर आकर मन आनंदित हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में कृषि आधारित व्यापार गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रयास जारी हैं, जिससे किसानों के जीवन में समृद्धि आएगी। राज्य सरकार पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने को प्राथमिकता दे रही है। बजट 2026-27 में नई यशोदा योजना की शुरुआत की गई है। अब हमारे स्कूलों में 8वीं तक के विद्यार्थियों को ट्रेटा पैक दूध निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश की बहनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपए की राशि मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए संकल्पित है। रहली में सूक्ष्म औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कमेटी गठित की जाए। यहां पारम्परिक बीड़ी उद्योग के साथ हस्त शिल्प कलाओं को भी आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की माह जनवरी पेड इन फरवरी 2026 की राशि हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक से अंतरित की। इस पेंशन योजनाओं में प्रति हितग्राही प्रतिमाह 600 रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 32.78 लाख से अधिक हितग्राहियों के खाते में 196.72 करोड़ की राशि ट्रांसफर की। डॉ. यादव ने रहली विधासभा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती देते हुए खेजरा-शाहपुर-मोकलपुर फ्लाईओवर के निर्माण की स्वीकृति दी। उन्होंने रहली एवं गढ़ाकोटा कृषि उपज मंडी के उन्नयन के लिए 5-5 करोड़ रुपए एवं शाहपुर उपमंडी के विकास हेतु एक करोड़ रुपए की स्वीकृति दी जिससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज का सही दाम और आधुनिक सुविधाएं मिल सकें इसके साथ ही उन्होंने रहली रमखरिया, सिमरिया नायक बहेरिया मढ़ि (लगभग 22 किलोमीटर) मार्ग के उन्नयन और चौड़ीकरण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि बुंदेलखंड में बीड़ी उद्योग और तेंदूपत्ता संग्रहण केवल व्यापार नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की जीविका रहा है। यहां बीड़ी, तेंदूपत्ते और हस्तकला आधारित लघु इकाइयों को मिलेगा प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीड़ी बनाने वाले एवं तेंदूपत्ता का संग्रहण करने वाले व्यक्तियों के उन्नयन के लिए सांसद, विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि एक कमेटी बनाकर लिये गये निर्णय अनुसार कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स एवं स्टेडियम कॉम्प्लेक्स का निर्माण होगा। इसी प्रकार ढाना में शासकीय महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय और इतिहास के नए विषय खोलने को भी मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार सभी के कल्याण के लिए काम कर रही है। किसान कल्याण के लिए इस साल बजट में एक लाख करोड़ रूपये से अधिक राशि प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि रहली क्षेत्र के विद्यार्थियों को भव्य सांदीपनि विद्यालय की सौगात मिली है। अब बच्चों को गणवेश, किताबें, साइकिलें निःशुल्क वितरित की जा रही हैं। स्कूल टॉपर को स्कूटी दी जाती है। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ रहे हैं।

#### क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं को विस्तार देने की जरूरत

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि रहस मेले की शुरुआत 217 साल पहले बुंदेलखंड के तत्कालीन शासक मर्दन सिंह जूदेव के राज्यारोहण के उपलक्ष में हुई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा भी वर्ष 1990 में यहां पधारे थे। मेला परंपरागत रूप से हर वर्ष भव्यता के साथ आयोजित हो रहा है। रहली-गढ़ाकोटा क्षेत्र पहले काफी पिछड़ा था, लेकिन 2003 में राज्य और उसके बाद वर्ष 2014 में केंद्र में हमारी सरकार बनने के बाद यहां विकास की गति तेज हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विशेष आशीर्वाद से रहली क्षेत्र की जरूरी आवश्यकताएं पूर्ण हुई हैं। क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं को विस्तार देने की जरूरत है। पूर्व मंत्री भार्गव ने लव-कुश धाम निर्माण और राज्य के भीतर नदी जोड़ो प्रकल्प के तहत बुंदेलखंड में मां नर्मदा को सोनार नदी से जोड़ने का सुझाव दिया।

# हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचना हमारी सरकार का संकल्प : मंत्री उइके

### परामर्शदात्री समिति की बैठक में विधायकों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

सत्ता सुधार ■ भोपाल

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं, विशेष रूप से जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मिशन की प्रगति, गुणवत्ता नियंत्रण, संचालन-संधारण व्यवस्था तथा ग्रीष्मकालीन तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने समिति के सदस्यों को विभागीय प्रगति की जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रदेश में जल जीवन मिशन का क्रियान्वयन परिणामोन्मुख और पारदर्शी ढंग से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुल 111.34 लाख ग्रामीण परिवारों में से 82.19 लाख परिवारों, अर्थात 73.84 प्रतिशत घरों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इन परिवारों को प्रतिदिन निर्धारित मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीण जीवन स्तर में व्यापक सुधार हो रहा है। प्रदेश के 24,893 ग्रामों को शत-प्रतिशत नल कनेक्शन प्रदान कर 'हर घर जल' ग्राम घोषित किया गया है। इनमें से 17,146 ग्रामों को ग्राम सभाओं द्वारा प्रमाणित किया जा चुका है, जो सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त उदाहरण है। समिति के सदस्यों को अवगत कराया गया कि बुरहानपुर जिला को भारत सरकार द्वारा देश का पहला प्रमाणित 'हर घर जल' जिला घोषित किया गया। इसके बाद निवाड़ी जिला भी 'हर घर जल प्रमाणित' जिला बन चुका है। बैठक में एकल एवं समूह ग्राम नल जल योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए समिति ने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं को मिशन मोड में संचालित करते हुए समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। साथ ही, कार्यों की गुणवत्ता पर सतत निगरानी, फील्ड स्तर पर निरीक्षण तथा तकनीकी मानकों के पालन को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। समिति को यह भी अवगत कराया गया कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा संचालन एवं संधारण नीति का अनुमोदन किया जा चुका है।

#### विधायकों ने रखे महत्वपूर्ण सुझाव

समिति सदस्यों ने विभागीय प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। सदस्यों ने सुझाव दिया कि प्रत्येक तीन माह में अलग-अलग संभागों में बैठक आयोजित की जाए, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर योजनाओं की प्रगति की प्रत्यक्ष समीक्षा की जा सके। ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए हैंडपंपों के रखरखाव एवं संधारण संबंधी निविदाएं समय पर आमंत्रित करने पर बल दिया गया, जिससे संभावित जल संकट की स्थिति से पूर्व तैयारी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, नल जल योजनाओं के अंतर्गत किए गए कार्यों के बाद रोड रेस्टोरेशन के लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने की आवश्यकता रेखांकित की गई।

### देर से वल्लभ भवन आने व जल्द जाने वालों पर होगी कार्रवाई

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को वल्लभ भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विशेष छापामार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग को आदेश दिया कि गुरुवार सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक वल्लभ भवन, विंध्याचल और सतपुड़ा कार्यालयों में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति, आने-जाने का समय और अनधिकृत अनुपस्थिति की जानकारी एकत्रित की जाए। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस कार्रवाई के लिए विशेष टीम का गठन कर सभी कार्यालयों में तैनाती कर दी है, साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस आदेश की सूचना दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले भी अधिकारियों को समय पर कार्यालय आने की हिदायत दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि कई बार पांच दिवसीय कार्यालय होने के बावजूद अधिकारी अपने निर्धारित समय पर नहीं आते, जो प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है। सीएम के निर्देशों के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कार्यालय समय का पालन कड़ाई से हो।

#### मप्र राज्य निर्वाचन आयोग टीम ने जाने बिहार चुनाव आयोग के नवाचार

## मतगणना, जीआईएस मैपिंग, ई-वोटिंग प्रणाली की जानकारी हासिल की

**भोपाल।** स्थानीय निकाय निर्वाचनों में राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार द्वारा किए गए तकनीकी नवाचारों एवं संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के आधुनिकीकरण का अध्ययन करने के लिये राज्य निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश के उप सचिव डॉ. सुतेश शाक्या, अवर सचिव एन के लच्छवानी, विधिक सलाहकार प्रदीप शुक्ला एवं आईटी कंसल्टेंट राकेश शुक्ला ने बिहार का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने बिहार में निर्वाचन प्रक्रिया में किए गए तकनीकी विस्तार और सुधारों का विस्तृत अध्ययन किया। अध्ययन के दौरान संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के पूर्ण डिजिटलीकरण, बायोमेट्रिक/एफआरएस के माध्यम से मतदाता सत्यापन, ईवीएम द्वारा मतदान, मतदान केंद्र एवं मतगणना केंद्रों की वेबकास्टिंग द्वारा लाइव मॉनिटरिंग, वज्रगृह में डिजिटल लॉक की व्यवस्था, ओसीआर (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन) के माध्यम से मतगणना, जीआईएस मैपिंग, ई-वोटिंग प्रणाली तथा व्यापक जन-जागरुकता एवं प्रचार-प्रसार अभियान की जानकारी प्राप्त की गई। राज्य निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने यह समझने का प्रयास किया कि किस प्रकार तकनीक के प्रभावी उपयोग से निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश ने बिहार में लागू विभिन्न चुनावी नवाचारों एवं आधुनिक तकनीकी व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 'हम एआई समिट में राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार द्वारा प्रस्तुत ई-वोटिंग के प्रयासों की प्रशंसा से प्रेरित होकर इसके सफल क्रियान्वयन को देखने बिहार आए थे।

### नई दिल्ली में आयोजित सट्टे-2026 कार्यक्रम में मिला अवॉर्ड

# पर्यटन में बजा एमपी का डंका, दूसरी बार बना बेस्ट स्टेट टूरिज्म

### हेरिटेज, वाइल्डलाइफ और आध्यात्मिक पर्यटन में एमपी सबसे आगे, नवाचारों से मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

सत्ता सुधार ■ भोपाल/नई दिल्ली

देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, घने जंगलों की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक केंद्रों की पवित्रता को संजोए मध्य प्रदेश ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता का परचम लहराया है। दक्षिण एशिया की सबसे प्रतिष्ठित ट्रैवल एवं टूरिज्म प्रदर्शनी सट्टे-2026 में मध्य प्रदेश को बेस्ट स्टेट टूरिज्म के गौरवशाली सम्मान से नवाजा गया है। नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य गरिमामय समारोह में यह अवॉर्ड प्रदान किया गया, जिसे मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने प्राप्त किया। खास बात यह है कि पर्यटन के क्षेत्र में नवाचारों और बेहतर बुनियादी ढांचे के दम पर प्रदेश ने लगातार दूसरे वर्ष इस खिताब पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। विशेषज्ञों और उद्योग जगत के दिग्गजों की जूरी ने प्रदेश की पर्यटन नीतियों और उनके जमीनी क्रियान्वयन को देश में सर्वश्रेष्ठ माना है।

#### कनेक्टिविटी और सुविधाओं में सुधार

बीते कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश ने अपने एडवेंचर सर्किट, ग्रामीण पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं में अभूतपूर्व सुधार किया है। ग्रामीण पर्यटन के जरिए पर्यटकों को स्थानीय जनजातीय संस्कृति और लोक परंपराओं से सीधे जोड़ा जा रहा है। बेहतर रोड कनेक्टिविटी और पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधाओं के प्रति संवेदनशीलता ने भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर मध्य प्रदेश की छवि को निखारा है, जिसके चलते दुनिया भर के यात्री यहां खिंचे चले आ रहे हैं।

#### धरोहर और नवाचार का संगम

पर्यटन विभाग के सचिव एवं प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. ने बताया कि यह अवॉर्ड प्रदेश के मजबूत पर्यटन इको-सिस्टम और हमारी टीम की मेहनत का प्रमाण है। हमारा मुख्य फोकस न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना है, बल्कि राज्य की धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ रिस्पॉन्सिबल और अनुभव-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो, सांची और भीमबेटका के साथ-साथ उज्जैन-ओंकारेश्वर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों और विश्व प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व्स ने एमपी को एक ऑल सीजन डेस्टिनेशन बना दिया है।

### बजट सत्र | सिंगरौली कोल ब्लॉक पर विधानसभा में हंगामा

# जेपीसी जांच की मांग, कांग्रेस का सदन से वॉकआउट

### 8 गांवों के हजारों प्रभावित परिवारों को पूरा मुआवजा नहीं मिला

**भोपाल।** मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन सिंगरौली के धिरौली कोल ब्लॉक का मुद्दा गरमा गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सदन में आरोपों की झड़ी लगाते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। सिंघार ने दावा किया कि 8 गांवों की जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में है और कलेक्टर सूची के अनुसार 12,998 परिवार प्रभावित हैं। उनका आरोप है कि आदिवासी परिवारों को पूरा मुआवजा नहीं मिला, जबकि वितरण में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। उन्होंने सदन में उदाहरण देते हुए कहा कि थाना प्रभारी जितेंद्र भदौरिया की पत्नी को 15 लाख से अधिक और यातायात प्रभारी दीपेंद्र सिंह कुशवाह की पत्नी स्वाति सिंह के नाम पर करीब 14 लाख रुपये मुआवजा दिया गया। सवाल उठाया गया कि जब स्थानीय परिवारों को पूरा हक नहीं मिला तो बाहरी लोगों को भुगतान कैसे हुआ?

नेता प्रतिपक्ष ने पूरे प्रकरण की विधानसभा समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक निष्पक्ष जांच पूरी नहीं होती और सभी प्रभावितों को पूरा मुआवजा नहीं मिलता, तब तक कोल ब्लॉक का काम तत्काल प्रभाव से रोका जाए। सिंघार ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल जब क्षेत्र के दौरे पर गया तो उसे रोका गया और हजारों पुलिसकर्मी तैनात किए गए। उनके मुताबिक इस कार्रवाई के वीडियो साक्ष्य भी मौजूद हैं।

#### सरकार के जवाब से असंतोष

मांग स्वीकार नहीं होने और सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब न मिलने पर कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। सदन में कुछ देर तक तीखी नोकझोंक का माहौल रहा। धिरौली कोल ब्लॉक को लेकर उठे सवालों ने राज्य की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि सरकार जांच की मांग पर क्या रुख अपनाती है और प्रभावित परिवारों को लेकर क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

#### सीएम केयर योजना में बड़ी बीमारियों का होगा इलाज

उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सदन में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने डॉक्टरों की प्रदेश में कमी की बात कही है। बीते दो साल में 1000 एमबीबीएस की सीटें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि सीएम केयर योजना शुरु होगी। किसी को प्रदेश के बाहर जाने की जरूर नहीं पड़ेगी। हार्ट, लीवर, कैंसर जैसे बीमारी का इलाज प्रदेश में ही होगा। अंगदान से जुड़ी हुई बीमारियों पर इस योजना में फोकस किया जाएगा। विपक्षी विधायकों ने कहा कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश से भेजे गए मरीजों का अन्य राज्यों में इलाज नहीं हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि सरकार इस मसले को देख रही है।

# ताप विद्युत गृह खंडवा ने ड्राई ऐश निष्पादन का नया कीर्तिमान रचा

### 210 बल्कर ट्रक से 7793 मीट्रिक टन ड्राई ऐश का हुआ सफल निष्पादन

**भोपाल।** ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के खंडवा जिले में स्थापित श्रीसिंगाजी ताप विद्युत गृह ने कुल 210 बल्कर ट्रक ड्राई निजी कंपनियों को भेजकर ड्राई ऐश निष्पादन का नया रिकार्ड कायम किया। विद्युत गृह की 600 मेगावाट क्षमता की दो एवं 660 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयों से उत्पन्न ड्राई ऐश को प्रभावी प्रबंधन करते हुए कुल 210 बल्कर ट्रक के माध्यम से 7793 मीट्रिक टन ड्राई ऐश निष्पादित की गई। यह मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की फ्लाई ऐश के सदुपयोग,रि-साईकिल व निबटारा करने की प्रतिबद्धता का परिचायक है।पर्यावरण संबंधी बढ़ती चिंता और समस्या की बढ़ती गंभीरता के कारण फ्लाई ड्राई ऐश का प्रबंधन करना अनिवार्य हो गया है। पॉवर प्लांट के फेज-1 से 143 बल्कर ट्रक द्वारा 5229 मीट्रिक टन ड्राई ऐश निष्पादित की गई जो कि पिछले वर्ष में निष्पादित 131 बल्कर ट्रक की तुलना में अधिक है। इसी प्रकार फेज-2 से 67 बल्कर ट्रक द्वारा 2563 मीट्रिक टन ड्राई ऐश सफलतापूर्वक निष्पादित की गई।

## ब्रीफ न्यूज़

### शिवपुरी जिला मुख्यालय पर मेले का आयोजन 27 और 28 फरवरी को

**शिवपुरी।** मप्र ग्रामीण आजीविका समूह की महिलाएं द्वारा होली के त्यौहार पर 27 व 28 फरवरी को दो दिवसीय होली मेले का आयोजन किया जाएगा। मप्र ग्रामीण आजीविका समूह की महिलाओं द्वारा शिवपुरी जिला मुख्यालय पर यह मेला आयोजित किया गया है। जिला न्यायालय परिसर के सामने स्थित मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय प्रांगण में यह मेला आयोजित किया जाएगा। समूह की दीदीयों द्वारा द्वारा इस दो दिवसीय मेले में होली उत्सव के तहत प्राकृतिक रंगों से बने गुलाल, मिठाई, नमकीन, ठंडाई व अन्य उत्पाद, कपड़े, साड़ी, सत्तू, सरसों का तेल, मूंगफली दाना, मिट्टी के बर्तन आदि के स्टॉल लगाए जाएंगे। मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन के डीपीएम डॉ अरविंद भार्गव ने बताया कि महिला समूह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से और दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह दो दिवसीय मेला आयोजित किया जा रहा है जिसमें समूह की दीदीयों द्वारा बनाए गए उत्पाद इन मेलों के स्टॉलों पर रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि होली उत्सव के तहत यह मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में होली के त्यौहार को देखते हुए स्थानीय उत्पादन जो महिला समूहों द्वारा निर्मित किए जाते हैं उनको रखा जाएगा। उन्होंने जिले वासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस मेले में आने की अपील की है और दीदीयों द्वारा बनाए जाने वाली सामग्री को खरीदने की अपील की है।

### नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैठक आयोजित

**शिवपुरी।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च, 2026 (द्वितीय शनिवार) को संपूर्ण प्रदेश के साथ-साथ जिला शिवपुरी में किया जा रहा है। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सोनी के मार्गदर्शन में गतदिवस जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव रंजना चतुर्वेदी की अध्यक्षता में पैरालीगल वालेंटियर्स, लीगल एड डिफेंस काउंसेल, जिला अभियोजन कार्यालय, विद्युत विभाग तथा भारत संचार निगम लिमिटेड व अन्य हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित की गई। बैठक में आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों का निराकरण कराये जाने हेतु चर्चा की गई। पैरालीगल वालेंटियर्स एवं लीगल एड डिफेंस काउंसेल्स को नेशनल लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

### शिवपुरी पुलिस की तत्परताः 12 घंटे के भीतर सुरक्षित मिली लापता नाबालिग

**शिवपुरी।** पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में शिवपुरी पुलिस ने लापता बच्चों की तलाश के लिए चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। थाना कोतवाली पुलिस ने अपहरण के एक मामले में तत्परता दिखाते हुए 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को महज 12 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद कर लिया है। दिनांक 24 फरवरी को बालिका के परिजनों ने उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, पुलिस ने अपराध क्रमांक 137/26 दर्ज कर तलाश शुरू की।

शादी-ब्याह के सीजन के बीच ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया

# आधी रात तेज आवाज में डीजे बजाना पड़ा भारी, 'महाकाल' डीजे संचालक पर केस दर्ज

सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

शहर में शादी-ब्याह के सीजन के बीच ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। देहात थाना पुलिस ने देर रात सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का उल्लंघन कर तेज आवाज में डीजे बजाने वाले एक संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

**गश्त के दौरान हुई कार्रवाईः** यह कार्रवाई 25 फरवरी की रात करीब 11:30 बजे की गई। जब प्रधान आरक्षक दीपचन्द्र और आरक्षक प्रताप सिंह हवाई पट्टी क्षेत्र में गश्त पर थे, तब उन्हें 'महाकाल' नाम के डीजे की कानफोडू आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुँचने पर पुलिस ने पाया कि आवाज निर्धारित मानकों से कहीं अधिक थी, जिससे आसपास के रहवासियों को भारी

परेशानी हो रही थी।

**नहीं मिली कोई वैध अनुमतिः** पूछताछ में डीजे संचालक की पहचान कुशाल सिंह (21), निवासी पुरानी शिवपुरी के रूप में हुई। जब पुलिस ने डीजे संचालन से संबंधित वैध दस्तावेज और अनुमति मांगी, तो संचालक कोई भी परमिशन नहीं दिखा पाया।

**जब्ती और कानूनी कार्रवाईः** पुलिस ने नियमों के उल्लंघन पर कड़ा एक्शन लेते हुए निम्नलिखित कदम उठाएः

धाराः म.प्र. कोलाहल अधिनियम की धारा 15 के तहत मामला दर्ज किया गया।

**जब्तीः** मौके से एक डीजे मिक्सर मशीन और एम्पलीफायर जब्त कर पंचनामा तैयार किया गया।

**नोटिसः** क्योंकि सजा का प्रावधान 7 वर्ष से कम है, इसलिए आरोपी को नोटिस देकर न्यायालय में पेश होने की हिदायत दी गई।

**बोर्ड परीक्षाओं और मरीजों पर संकटः** वर्तमान में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं। देर रात तक बजने वाले डीजे न केवल विद्यार्थियों की पढ़ाई में बाधा डाल रहे हैं, बल्कि अस्पतालों के पास बजने वाले शोर से मरीजों की जान पर भी बन आती है। इसके अलावा, सड़कों पर बारातों के कारण लग रहे जाम में अक्सर एम्बुलेंस भी फंस रही हैं।

**पुलिस की अपीलः** प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति और समय सीमा के बाद डीजे बजाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नागरिक नियमों का पालन करें ताकि शहर की शांति बनी रहे।

# परशुराम कल्याण बोर्ड द्वारा धूमधाम से मनाई गई बीएन राव की 139 वीं जयंती

बीएन राव के चित्र पर उपस्थित लोगों ने बारी -बारी से पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

मध्य प्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड भोपाल की जिला इकाई शिवपुरी के तत्वाधान में सर बेनेगल नरसिंह राव की 139 वीं जयंती वन विहार कॉलोनी में पंडित राजेंद्र प्रसाद शर्मा करसेना वालों के निज निवास पर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई।

जयंती समारोह की शुरुआत भगवान परशुराम एवं बी एन राव के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई इसके बाद बी एन राव के चित्र पर उपस्थित लोगों ने बारी -बारी से पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता परशुराम कल्याण बोर्ड के जिला प्रभारी शिवपुरी के पंडित श्रीनिवास उपाध्याय ने की जबकि संचालन अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिला प्रवक्ता पंडित विश्म्वर दयाल दीक्षित ने किया, प्रमुख वक्ता पंडित कैलाश नारायण मुद्गल स्वभाव ने कहा कि बी एन राव एक प्रख्यात भारतीय सिविल सेवक, न्यायविद और राजनायिक थे ।जिन्हें भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाता है। अध्यक्षता करते हुए जिला प्रभारी पंडित श्रीनिवास उपाध्याय ने सर बेनेगल नरसिंह राव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 26 फरवरी 1887 मंगलौर कर्नाटक में हुआ था और उनका निधन 30 नवंबर 1953 को स्विट्जरलैंड में हुआ । वे भारतीय संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे ,उन्होंने संविधान का पहला मसूदा तैयार किया था, डॉक्टर बी आर अंबेडकर ने भी संविधान निर्माण में उनके मार्गदर्शन और योगदान की सराहना की थी। बी एन राव जी ने 1944 में इंडियन सिविल

सर्विस द्वष्ध्य से सेवा निवृत्ति ली और उन्हें कश्मीर का प्रधानमंत्री बनाया तथा अंतरराष्ट्रीय भूमिका में 1950 से 1952 तक वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के प्रतिनिधि रहे ,बाद में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय आईसीजे में न्यायाधीश के रूप में भी उन्होंने कार्य किया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिला सचिव पंडित गजानंद शर्मा ने कहा कि बी एन राव का जीवन सादगी स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक है। ब्राह्मण समाज के जिला संरक्षक पंडित बालकृष्ण मिश्रा ने कहा कि बी एन राव की जीवनी हमें यह प्रेरणा देती है कि सीमित संसाधनों में भी शिक्षा और संगठन के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। जिला महामंत्री पंडित कैलाश नारायण भार्गव ने कहा कि ऐसे महापुरुषों की जयंती केवल औपचारिकता नहीं बल्कि समाज को नई दिशा देने का अवसर हमें प्रदान करती है। तथा संगठन के जिला उपाध्यक्ष पंडित प्रभु दयाल चतुर्वेदी ने कहा कि भारत सरकार ने 1988 में उनके चित्र वाला एक डाक टिकट जारी किया था, 1947 में संविधान सभा का गठन के बाद बी एन राव ने संविधान का पहला मसौदा तैयार किया जिसमें 243 अनुच्छेद 25 भाग और 13 अनुसूचियां शामिल थी।

श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से पंडित हरगोविंद शर्मा, डॉक्टर सी पी उपाध्याय प्रदेश उपाध्यक्ष राम प्रकाश शर्मा पंडित ओमप्रकाश समाधिया पंडित हरि बल्लभ शर्मा ,महेंद्र शर्मा नलिन अवस्थी सुरेंद्र पाठक राजेंद्र पांडे बालकृष्ण शर्मा विनोद शर्मा एन पी अवस्थी आदि उपस्थित थे अंत में परशुराम कल्याण बोर्ड के जिला संयोजक एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा सनातन के जिला अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम कांत शर्मा ने उपस्थित सभी विप्र बन्धुओं का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

## जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

कम वसूली पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के शाखा प्रबंधकों, समिति प्रबंधकों एवं सहायक समिति प्रबंधकों की मासिक समीक्षा बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में कालातीत ऋणों की शाखावार एवं संस्थावार समीक्षा की गई। कम वसूली वाली शाखाओं पर कलेक्टर श्री चौधरी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए करैरा शाखा के प्रबंधक श्री राजीव कुमार चौहान एवं खतौरा शाखा के प्रबंधक श्री राकेश धाकड़ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने तथा 15 दिवस में वसूली में सुधार न होने की स्थिति में विभागीय/दण्डात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन संस्थाओं की वसूली 20 प्रतिशत से कम है, उन्हें नोटिस जारी किया जाए। 10 प्रतिशत से कम वसूली वाली संस्थाओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जाए तथा 5 प्रतिशत से कम वसूली वाली संस्थाओं के प्रबंधकों को सेवा से पृथक करने की कार्यवाही की जाए। 20 मार्च तक 50 प्रतिशत वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य प्राप्त न करने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। संस्था प्रबंधकों को भी चेतावनी दी गई कि जिनकी वसूली 10 प्रतिशत से कम पाई गई है, उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस एवं दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। सभी शाखाओं को 20 मार्च तक 50 प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में प्रत्येक शाखा प्रबंधक को 1 करोड़ रुपये ऋण वितरण का लक्ष्य प्रदान किया गया। साथ ही कुल 30 करोड़ रुपये वसूली तथा प्रति शाखा 1 करोड़ रुपये अमानत संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

बैराड़ शाखा अंतर्गत संस्थाओं को शासन की योजना के अनुसार किसानों को घर-घर तक खाद पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। जिन समितियों में फर्जी ऋण या गबन की शिकायत प्राप्त होगी, उनकी जांच कर संबंधित संस्था प्रबंधक/सहायक संस्था प्रबंधक के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही एवं एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। सभी शाखा प्रबंधकों को कृषकों को वितरित ऋण की प्रविष्टि भू-अभिलेख पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही राजस्व अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर बड़े बकायादार कृषकों से ऋण वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश भी बैठक में दिए गए। बैठक में बताया गया कि बैंक को रासायनिक खाद शत-प्रतिशत एफओआर माध्यम से प्राप्त होने से परिवहन, लोडिंग एवं अनलोडिंग व्यय में 1.49 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इस उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रमुख सचिव द्वारा जिला कलेक्टर को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किया गया है।

## करैरा तहसील में हाई वोल्टेज ड्रामा, बंटवारे के विवाद में अपने और बच्चों के ऊपर डाल पेट्रोल

सत्ता सुधार ■ करैरा

करैरा के थनारा हल्का क्षेत्र में जमीन बंटवारे को लेकर न्यायालय में सुनवाई चल रही थी इसी दौरान एक घटनाक्रम सामने आया, जब कमल किशोर पाठक ने अपने परिवार सहित नायब तहसीलदार कार्यालय के चेंबर में पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया इस घटना से तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर मौजूद अधिकारियों-कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बन गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमीन बंटवारे से संबंधित प्रकरण नायब तहसीलदार अशोक श्रीवास्तव की अदालत में विचाराधीन है गुरुवार को इस मामले की सुनवाई निर्धारित थी सुनवाई के दौरान ही कमल किशोर पाठक

अपने परिवार के साथ तहसील पहुंचे और अपने और अपने बच्चों के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया हालांकि, मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को संभाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आपको बता दें घटना के बाद संबंधित पक्ष ने प्रशासन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए उनका कहना है कि जमीन बंटवारे के मामले में उनसे कथित रूप से रिश्वत की मांग की जा रही है पीड़ित पक्ष का आरोप है, एक प्लॉट बाबू मांग रहा है, एक प्लॉट पटवारी मांग रहा है, आखिर हम किस-किस को पैसे दें हालांकि, कमल किशोर पाठक ने आगे बताया कि तहसीलदार कल्पना शर्मा ने उन्हें आश्वासन दिया है कि उनके साथ न्याय होगा उन्होंने कहा कि वे तहसीलदार के आश्वासन से संतुष्ट हैं और उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद है। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जब करैरा एसडीएम अनुराग निगवाल से मीडिया ने बातचीत की तो उन्होंने स्पष्ट किया कि जमीन बंटवारे का मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

## शिवपुरी में निरीक्षक से अभद्रताःसड़क हादसे में मदद कर रहे पुलिसकर्मी की कॉलर पकड़ी, युवक गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

जिले के देहात थाना क्षेत्र (ह्वा-46) में गुरुवार दोपहर एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया। सड़क हादसे में घायल ऑटो सवारों की मदद करने के लिए रुके पुलिस इंस्पेक्टर रवि शंकर कौशल के साथ एक युवक ने सरेआम गाली-गलौज करते हुए उनकी कॉलर पकड़ ली। दरअसल, इंस्पेक्टर उग्र भीड़ के चंगुल से इस युवक (ट्रक हेल्पर) की जान बचा रहे थे। फिलहाल, पुलिस ने अभद्रता करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है और हादसे में घायल 5 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर कुछ लोग एक ऑटो में सवार होकर कोलारस की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एनएच-46 स्थित शारदा सॉल्वेंट के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से ऑटो पलट गया और उसमें सवार मुकेश नामदेव

(निवासी कोलारस) सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक तो वाहन सहित मौके से फरार हो गया, लेकिन स्थानीय लोगों ने ट्रक के हेल्पर को पकड़ लिया और उसकी धुनाई शुरू कर दी।

**ड्यूटी पर जा रहे थे इंस्पेक्टर, भीड़ से हेल्पर को बचायाः** इसी दौरान पुलिस लाइन में पदस्थ इंस्पेक्टर रवि शंकर कौशल अपनी कार से कोलारस में चल रही कथा में ड्यूटी के लिए जा रहे थे। रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त ऑटो और भीड़ को देखकर उन्होंने घायलों की मदद के लिए अपनी कार रोक ली। उन्होंने देखा कि आक्रोशित भीड़ एक युवक (हेल्पर) की जमकर पिटाई कर रही है। फर्ज निभाते हुए उन्होंने तुरंत बीच-बचाव किया और युवक को भीड़ के चंगुल से सुरक्षित छुड़ा लिया।

**जान बचाने वाले अधिकारी से ही की गाली-गलौजः** प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इंस्पेक्टर ने जिस युवक को भीड़ के गुस्से से बचाया, उसी ने अचानक पलटकर इंस्पेक्टर के साथ ही गाली-गलौज शुरू कर दी और उनकी वर्दी की कॉलर पकड़ ली। इंस्पेक्टर कौशल ने किसी तरह खुद को छुड़ाया। इस अभद्रता को देख भीड़ भड़क गई और उसने युवक को दोबारा पकड़ लिया।

ग्वालियर-गुना-चंबल क्षेत्र और पूर्वोत्तर की रेल कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने पर हुई विस्तृत चर्चा

# केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की भेंट

सत्ता सुधार ■ शिवपुरी

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैश्नव के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में मध्य प्रदेश के ग्वालियर, गुना और चंबल अंचल सहित देश के विभिन्न हिस्सों से इन क्षेत्रों की सीधी रेल कनेक्टिविटी और पूर्वोत्तर में रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने संबंधी विविध परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

**देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ेगा चंबल क्षेत्रः** बैठक के दौरान चंबल क्षेत्र में

प्रमुख ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव, नई ट्रेनों के संचालन, नई रेल लाइनों के निर्माण तथा लंबित रेल विस्तार योजनाओं को गति देने पर सकारात्मक और विचार-विमर्श हुआ। सिंधिया ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बेहतर रेल संपर्क न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। इसके साथ ही पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, दुर्गम क्षेत्रों में बेहतर संपर्क व्यवस्था तथा अवसंरचना विस्तार को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी को मजबूत करना राष्ट्रीय एकात्मता और संतुलित विकास की दिशा में अत्यंत आवश्यक है। सिंधिया ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'Whole of Government' दृष्टिकोण के साथ केंद्र सरकार देश के हर क्षेत्र को आधुनिक अवसंरचना से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समग्र और संतुलित विकास के माध्यम से ही 'विकसित भारत 2047' का संकल्प साकार होगा, और रेल कनेक्टिविटी इस यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

दैनिक सत्ता सुधार
विज्ञापन, एजेंसी, समाचार के लिए संपर्क करें
दीपक अरोरा, ब्यूरोचीफ शिवपुरी
मो. 8959194646
कपिल उपाध्याय, जिला संवाददाता
मो. 9893099934

# भाकपा द्वारा सम्मेलन में तोडफ़ोड़ और मारपीट के दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ग्वालियर की बैठक सरवटे भवन हजीरा पर संपन्न हुई। जिसमें पार्टी के सदस्य संजीव राजपूत, कौशल शर्मा एडवोकेट एवं अशोक पाठक, अंजली परमार, प्रकाश वर्मा, अनवर खान, जालिम सिंह, रमेश सविता, अब्दुल शहीद, बारेलाल पाल, दुर्गा मौर्य, ज्ञान देवी वर्मा ने भाग लिया। बैठक में विगत 20 फरवरी को सागर में हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन के सम्मेलन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े लोगों द्वारा तोड़फोड़ और मारपीट की वारदात की भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने कड़ी भर्त्सना करते हुए मप्र के पुलिस

महानिदेशक और सागर विश्वविद्यालय के कुलगुरु से दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भाकपा के कौशल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि सागर विश्वविद्यालय के परिसर में ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन के सम्मेलन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े लगभग 50-60 लोगों ने हमला कर तोड़फ़ोड़ की, आयोजक छात्रों को पीटा गया और झण्डे, बैनर फाड़ दिये गए। आयोजन के पूर्व भी आयोजक छात्रों को सम्मेलन नहीं करने की धमकियां दी गई थी। इस हमले के दौरान विश्वविद्यालय का स्टाफ और पुलिस कर्मियों ने आयोजक छात्रों की सुरक्षा की कोई कार्रवाई नहीं की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने इसकी कड़ी भर्त्सना करते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। भाकपा की मांग है कि शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की आज़ादी की सुरक्षा सुनिश्चित होना चाहिए।शैक्षणिक संस्थानों के प्रबंधन और पुलिस, प्रशासन का दायित्व है कि इस तरह की वारदातों को रोका जाए।

## उधारी वापस देने के नाम पर नाबालिग से किया दुष्कर्म,आरोपी फरार

**ग्वालियर।** उधारी के रुपए वापस करने के बहाने युवक ने 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब यह बात अपनी मां को बताई तो वह सीधे पुरानी छावनी थाना पुलिस के पास पहुंची और दुष्कर्म करने की जानकारी दी। मामला चूंकि नाबालिग से दुष्कर्म का था, इसलिए पुलिस ने तुरंत मामला कायम कर आरोपी को पकड़ने के लिए उसके घर पर दबिश दी, लेकिन आरोपी फरार हो चुका था। पुरानी छावनी में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी के घर विगत देर शाम बघेल मोहल्ला पुरानी छावनी में रहने वाला हिमांशु राठौर पहुंचा। हिमांशु को घर पर देखकर नाबालिग किशोरी ने उससे उधार दिए गए 15 सौ रुपए वापस मांगे। हिमांशु ने कहा कि वह रुपए देगा लेकिन उसके साथ बाहर चलना पड़ेगा। किशोरी उसकी बातों में आ गई और हिमांशु के साथ गोला का मंदिर रोड स्थित गुलाब गार्डन तक पहुंच गई। वहां हिमांशु बोला कि यहां भीड़ बहुत है गार्डन के पीछे रुपए देता हूं। नाबालिग किशोरी हिमांशु के नापाक इरादे भांप नहीं सकी और गार्डन के पीछे चली गई। वहां आरोपी हिमांशु ने जबर्दस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया और भाग गया। हिमांशु के भागने के बाद किशोरी अपने घर पहुंची और अपनी मां को पूरी घटना बताई।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

फ्रेंड्स महिला क्लब की संस्थापिका अध्यक्ष सपना गोयल ने बताया कि महिला दिवस एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय त्योहार है, जो हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, उनकी उपलब्धियों और समाज में उनकी भूमिका को सम्मानित करना है। यह दिन महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके अधिकारों और समानता की दिशा में अवेयरनेस बढ़ाने का भी एक खास अवसर है। महिला दिवस का इतिहास 1908 में शुरू हुआ, जब न्यूयॉर्क शहर में महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किया। 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल के कोपेनहेगन सम्मेलन में इसे अंतरराष्ट्रीय दर्जा दिया गया। महिला दिवस की थीम हर साल अलग होती है। 2026 की थीम कार्रवाई में तेजी लाएं है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को समानता दिलाने की प्रक्रिया को तेज करना है। महिला दिवस के अवसर पर, लोग महिलाओं को सम्मानित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जैसे कि सेमिनार, रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम।

### सफलता की कहानी

## पराली प्रबंधन कर रामअवतार ने बढ़ाई अपनी आय

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

ग्वालियर जिले की डबरा तहसील के ग्राम सुल्तानपुर के प्रगतिशील कृषक राम अवतार पालिया जिले के अन्य किसानो के लिये उदाहरण बन गए हैं। उन्होंने पराली प्रबंधन तकनीक और सरकार की योजनाओं के तहत प्राप्त उन्नत बीजों का उपयोग कर अपनी खेती को अधिक लाभकारी बना लिया है। सुपर सीडर के माध्यम से सीधे बुवाई करने से पराली जलाने की समस्या समाप्त हुई। साथ ही समय पर बोवनी भी हो गई और जुताई पर होने वाला लगभग 3500 रुपए का खर्चा भी उन्होंने बचा लिया।

रामअवतार बताते हैं कि जब हम पराली प्रबंधन के लिये आगे आए तो कृषि विभाग द्वारा सरकार की योजना के तहत उन्हें चने की उन्नत किस्म का बीज निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। जिसकी बाजार कीमत लगभग 8700 रुपए है।

साथ ही कीटनाशक एवं दवाओं के लिए मुझे 1660 रुपए की सहायता मिली। रामअवतार का कहना है कि वैज्ञानिक पद्धति और उन्नत बीज के उपयोग से पारंपरिक खेती की तुलना में हमें लगभग 3-4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर अधिक उत्पादन मिला। चने के औसत बाजार मूल्य 5500 रुपए प्रति क्विंटल के आधार पर मुझे अतिरिक्त उत्पादन पर लगभग 19,250 रुपए की अतिरिक्त आय प्रति हैक्टेयर प्राप्त हुई। इस प्रकार बीज लागत में बचत, जुताई खर्च की कमी, विभागीय सहायता और अतिरिक्त उत्पादन को मिलाकर श्री पालिया को एक ही फसल में लगभग 33 हजार रुपए से अधिक का अतिरिक्त प्रत्यक्ष लाभ मिला है। लागत घटने से उनकी खेती का लाभ-लागत अनुपात भी लगभग 1.8 से बढ़कर 2.3 से अधिक हो गया। राम अवतार पालिया की सफलता दर्शाती है कि पराली प्रबंधन तकनीक और उन्नत बीजों का उपयोग न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि कम लागत में अधिक उत्पादन और आय का प्रभावी माध्यम भी है। यह मॉडल क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक साबित हो रहा है। रामअवतार कहते हैं कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मौजूदा साल को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है। इससे हम जैसे किसानों के समृद्धि के द्वार खुलेंगे।

**हितेन्द्र सिंह भदौरिया**

## लायंस क्लब ग्वालियर आराध्या की डिस्को होली पार्टी हुई

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

लायंस क्लब ग्वालियर आराध्या द्वारा डिस्को होली पार्टी होटल मॉलिक्यूल में रखी गई। जिसमें कार्यक्रम संयोजिका लायन नीलम अग्रवाल और लायन रीना अग्रवाल रही। सभी ने हाउसी और खेल खेले। जिसमें पंक्चुअलिटी लायन सोनल अग्रवाल और लायन अंजू गर्ग को मिली। गेम्स में लायन सपना अग्रवाल ने सबसे ज्यादा मोमबत्ती जला कर एक माचिस की तिल्ली से अपने लिए जीत हासिल की। मुख्य अतिथि पूर्व रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन मीनाक्षी गोयल रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायन नीता अग्रवाल ने की। आभार सचिव लायन अंजू गर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष लायन वंदना गुप्ता, सरिता, रेनू, रश्मि, वर्षा,चार्मी, सुरीता, संध्या, सोनाली आदि सदस्य उपस्थित रहे।

## कलेक्टर ने बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाई

### उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अब सार्वजनिक स्थलों पर धरना, प्रदर्शन, रैली, जुलूस या चल समारोह बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के आयोजित नहीं किए जा सकेंगे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रुचिका चौहान ने इस संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अंतर्गत जारी किया गया है। प्रशासन का कहना है कि आगामी धार्मिक त्योहारों, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यक्रमों के मद्देनजर जिले में शांति, सुरक्षा और साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। जारी आदेश के

अनुसार यदि कोई आयोजन एक ही अनुविभाग में प्रस्तावित है, तो संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी (एसडीएम) से आयोजन के पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यदि कार्यक्रम एक से अधिक अनुविभागों में आयोजित किया जाना है, तो अपर जिला दण्डाधिकारी (एडीएम) से अनुमति प्राप्त करनी होगी। बिना अनुमति किसी भी प्रकार का सार्वजनिक आयोजन नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी धर्म, संप्रदाय, जाति या समूह की भावनाओं को आहत करने वाले कृत्य या ऐसे कार्य, जिनसे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 सहित अन्य दण्डात्मक प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि त्योहारों और आयोजनों के दौरान शांति व सद्भाव बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी कार्यक्रम से पूर्व विधिवत अनुमति लेना सुनिश्चित करें।

## बसंत विहार से चेतकपुरी रोड का भूमिपूजन संपन्न

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

वार्ड 58 स्थित बसंत विहार से चेतकपुरी को जोड़ने वाले मुख्यमार्ग के डांबरीकरण कार्य का भूमिपूजन पूर्व कैबिनेट मंत्री जयभान सिंह पवैया द्वारा किया गया। शहर का यह बहुचर्चित व्यस्त मार्ग अत्यधिक जीर्णशीर्ण अवस्था में है। इस सड़क का निर्माण न किए जाने पर क्षेत्रीय पार्षद अपर्णा पाटिल ने निगम मुख्यालय के सामने अपना रक्त बहाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद निगम प्रशासन सक्रिय हुआ और इस सड़क के निर्माण कार्य का प्रस्ताव तैयार किया गया। इस अवसर पर जयभान सिंह पवैया ने कहा कि यह महानगर का एक अति व्यस्त मार्ग है अतः इस बीटी निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि यहां से गुजरने वाले रहवासियों को कोई असुविधा ना हो। पार्षद पाटिल ने कहा कि वार्ड के रहवासियों को सीवर, पानी की कोई समस्या ना हो तथा यहां की सभी सड़कें व पार्क सुंदर हों इस हेतु मेरे प्रयत्न निरंतर रहेंगे। कार्यक्रम में संतोष शर्मा, कनवर मंगलानी, बंटी बघेल, शशिभूषण राय, रमाकांत महते, गौरव त्रिपाठी, रमन पोपली, पवन जैसवानी, राजू सेठ, विनती शर्मा, पारस जैन, राकेश शर्मा, दिनेश शर्मा, रवि पांडे, विनती शर्मा, प्रदीप प्रताप सिंह, प्रिया तोमर, नंदिनी गणपुले, रमेश यादव, अजय महेंद्रू, सुनील पंडित, सतीश यादव, उदयवीर सिंह, धीरसिंह भदौरिया, जेपी जैन, शैलेश मलिक, अभिषेक भार्गव, दीप्ति सांघी, सूरज कुशवाह, उमा कुशवाह, रामेश्वर राव, सरोज मिश्रा, जयंत शर्मा, मनोज शर्मा, राजेंद्र महोबिया, विक्की शर्मा, अर्जुन यादव, अर्चना शर्मा, दिनेश कौशिक, विपिन केशवानी, जीएल भोजवानी, सीमा गुप्ता, हिमांशु अमरपुरी आदि के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

## जिला प्रशासन की टीम ने दो स्थानों से बेशकीमती सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

### सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिये विशेष मुहिम जारी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

ग्वालियर जिले में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिये सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई राजस्व विभाग की टीम ने गुरुवार को शहर से सटे दो स्थानों से लगभग 15 हजार

वर्गफीट बेशकीमती सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटवाए। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन की कीमत लगभग साढ़े 4 करोड़ रुपए अनुमानित की गई है। एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह ने बताया कि ग्राम रमौआ के अंतर्गत शासकीय सर्वे क्रमांक 71 की लगभग 10 हजार वर्गफुट जमीन पर जेतल विहार कंस्ट्रक्शन के डायरेक्टर वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा पार्क की बाउण्ड्री बनाकर अतिक्रमण किया गया था। तहसीलदार सिटी सेंटर द्वारा पूर्व में इस प्रकरण में विधिवत बेदखली आदेश जारी कर 20 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया था। तहसीलदार द्वारा जारी किए गए बेदखली आदेश के आधार पर गुरुवार को राजस्व, पुलिस व नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा मशीनों की मदद से यह अतिक्रमण हटवा दिया गया है।

इसी तरह ग्राम डोंगरपुर के सर्वे क्रमांक-187 की लगभग 5 हजार वर्ग फुट पर कुछ लोगों द्वारा पार्क बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया था। इस प्रकरण में भी तहसीलदार सिटी सेंटर द्वारा बेदखली आदेश जारी कर 10 हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया गया था। तहसीलदार द्वारा जारी किए गए बेदखली आदेश के पालन में 26 फरवरी को संयुक्त टीम ने मौके पर पहुँचकर अतिक्रमण हटवा दिए हैं। दोनों स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई एसडीएम झांसी रोड श्री अतुल सिंह के नेतृत्व में की गई। इस कार्रवाई में तहसीलदार सिटी सेंटर श्री कुलदीप दुबे, राजस्व निरीक्षक श्री रवि करैया सहित नगर निगम व पुलिस की टीम शामिल रही।

## गाय के बछड़े का काटा सिर, मोहल्ले में फेंका

**ग्वालियर।** धार्मिक भावनाएं भड़काने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों ने गाय के बछड़े का सिर काटकर ठाकुर बाबा कलारी के पास जगदंबा कॉलोनी में फेंक दिया। लोगों ने जब बछड़े का कटा हुआ सिर देखा तो पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सिर को वहां से हटवाया। इस मामले में डबरा सिटी पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धार्मिक उन्माद फैलाने का मामला कायम कर लिया है। सीसीटीवी देखे जा रहे हैं जिससे ऐसा कृत्य करने वालों का पता चल सके। इस मामले में ठाकुर बाबा मंदिर के पास बालाजी गार्डन में रहने वाले कौशल सोनी पुत्र छबीले श्याम सोनी ने मामला कायम कराया है। उन्होंने बताया कि रात में किसी ने गाय के निर्दोष बछड़े का सिर काटकर कॉलोनी में फेंक दिया।

## सात दिवसीय शैक्षणिक श्रृंखला का आयोजन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

रोटरैक्ट क्लब ऑफ प्रेस्टिज, आरआईडी 3053 द्वारा संचालित सामाजिक पहल मुकेश विद्या केंद्र के अंतर्गत सात दिवसीय शैक्षणिक श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों के ज्ञान, आत्मविश्वास एवं समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना था। इस शैक्षणिक श्रृंखला के दौरान विद्यार्थियों को भारत एवं विश्व भूगोल (मानचित्र अध्ययन), ब्रह्मांड, समुद्री जीवन, विकास की प्रक्रिया, सपनों एवं आजीविका मार्गदर्शन, आत्मविश्वास निर्माण तथा परीक्षा की तैयारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रोचक एवं संवादात्मक सत्र प्रदान किए गए। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की और अनेक नई जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर प्रेस्टिज प्रबंधन एवं शोध संस्थान के निदेशक ने कहा कि,इस प्रकार की शैक्षणिक पहलें बच्चों के

उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला होती हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास, जागरूकता एवं सही दिशा का विकास करना भी है। रोटरैक्ट क्लब द्वारा किया गया यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। हमें विश्वास है कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे। कार्यक्रम का समापन बच्चों को निरंतर अध्ययन करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा के साथ किया गया। रोटरैक्ट क्लब ऑफ प्रेस्टिज ने भविष्य में भी इस प्रकार की शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन निरंतर करते रहने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के संचालन में क्लब की अध्यक्ष आरटीआर ईशिका शर्मा, उपाध्यक्ष आरटीआर सागर शर्मा, स्वयंसेवक आरटीआर निश्चय एवं स्वयंसेवक आरटीआर प्रिया का विशेष योगदान रहा। सभी सदस्यों ने बच्चों को प्रेरित करते हुए उन्हें सीखने के लिए सकारात्मक एवं सहयोगात्मक वातावरण प्रदान किया।

## प्लाईड कंपनी के कर्मचारी लूट मे

### पुलिस का शक रूपयों के मालिक पर

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

प्लाईवुड कंपनी के कर्मचारी से हुई 5 लाख रुपए की लूट की वारदात को सुलझाने के लिए पुलिस तमाम एंगल पर काम कर रही है। जिस हिसाब से लूट की गई उससे पुलिस का शक अब उसी पर जा टिका है जिसने युवक को रुपए दिए थे। रूपयों के इस लेन-देन के मामले में हर उस शख्स से पूछताछ की जा रही है, जो इस पूरे कारोबार में शामिल है। मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला वासुदेव शर्मा वर्तमान में अपने रिश्ते के भाई संदीप के साथ महलगांव में रह रहा है। संदीप विगत रोज वासुदेव शर्मा को दाल बाजार की दो फर्मो से रुपए लेने की बात कहकर बाहर चला गया। शाम को वासुदेव शर्मा दाल बाजार पहुंचा और वहां एक फर्म से डेढ़ लाख रुपए तथा दूसरी फर्म से 3.50 लाख रुपए लिए और बैग में रखकर अचलेश्वर मंदिर पहुंच गया। वहां से उसने संदीप को फोन किया और पूछा कि यह रुपए किसको देने है। संदीप ने कहा कि वह अभी फोन करके बताएगा कि रुपए किसे देने हैं। इसके बाद वासुदेव शर्मा एमएलबी कॉलेज के ग्राउंड में जाकर बैठ गया। काफी देर तक संदीप का फोन नहीं आया तो वासुदेव वहां से उठकर जाने लगा। उसी समय काली एक्टिवा पर दो युवक आए और उससे बोले कि छेड़खानी करता है। वासुदेव ने कहा कि वह कोई छेड़खानी नहीं कर रहा, किसी काम से आया है। बहस करने की बात कहकर एक्टिवा सवार युवक उससे बैग छीनने की कोशिश करने लगे। कुछ देर बाद बैग छीनकर भाग गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। लूट होने की सूचना मिलते ही टीआई अमर सिंह सिकरवार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। बदमाशों को पकड़ने के लिए नाकाबंदी कराई गई, लेकिन तब तक लूट करने वाले पुलिस पकड़ से दूर निकल चुके थे।

### इस बार लगातार दो दिन लगी एचआरपी क्लीनिक

## 1045 महिलाओं की हुई जांच, 432 महिलाएं निकलीं हाईरिस्क गर्भवती

**ग्वालियर।** ग्वालियर जिले में इस बार दो दिन यानि 25 व 26 फरवरी को 31 सरकारी अस्पतालों में एचआरपी क्लीनिक लगाई गई। इन एचआरपी क्लीनिक में 1045 गर्भवती माताओं की जाँच की गई। इनमें से 432 महिलाओं को हाई रिस्क (अधिक जोखिम) गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया। इन महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत दवाएं व उपचार उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती माताओं का प्रसव होने तक लगातार फोलोअप कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। ज्ञात हो प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत हर माह की 9 व 25 तारीख को चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआरपी क्लीनिक लगाकर हाईरिस्क गर्भवती माताओं की जांच की जाती है। ग्वालियर जिले में कलेक्टर श्रीमती रुचिका

सिंह चौहान के निर्देशन में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से सुव्यवस्थित ढंग से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत हाईरिस्क गर्भवती माताओं के चिन्हांकन व जांच के साथ-साथ उन्हें जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव व जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 व 26 फरवरी को लगाई गई एचआरपी क्लीनिक में 1045 गर्भवती महिलाओं की जाँच की गई। जिसमें आवश्यकता के अनुसार निःशुल्क सोनोग्राफी, हीमोग्लोबिन सहित खून की अन्य जांचे और यूरिन की जांच शामिल हैं।

### इन संस्थाओं में लगाई गईं एचआरपी क्लीनिक

जिला चिकित्सालय मुरार, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हस्तिनापुर, भितरवार, मोहना, डबरा व दीनदयालनगर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उटीला, चीनौर, वीरपुर, आंतरी व कुलैथ, प्रसूति गृह माधौगंज व बिरलानगर, यूपीएचसी लक्ष्मीगंज, हुरावली, पंतनगर, निम्माजी की खो, ठाठीपुर, बहोड़ापुर, सिविल हॉस्पिटल हजीरा, सिविल डिस्पेंसरी जनकगंज, पीएचसी पिछोर, एमएचएससी सागरताल, राजा की मंडी, तृप्तिनगर, मेहरा कॉलोनी व तुरारी इत्यादि शामिल हैं।

## ब्रीफ न्यूज

### पाक में चेकपोस्ट के पास हमलावर ने खुद को उड़ाया, दो पुलिसकर्मियों की मौत

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए एक बार फिर आत्मघाती हमला हुआ है। पंजाब प्रांत के भक्कर जिले में एक पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाकर किए गए इस आत्मघाती धमाके में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना बुधवार शाम करीब सात बजे उस समय हुई जब हमलावर ने डेरा इस्माइल खान को पंजाब से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण पुल के पास स्थित चेकपोस्ट के समीप खुद को विस्फोटक से उड़ा लिया। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास का इलाका दहल उठा और यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। भक्कर जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) शहजाद रफीक के अनुसार, आत्मघाती हमलावर पैदल ही चेकपोस्ट की ओर बढ़ा और सुरक्षा घेरे के पास पहुंचते ही आत्मघाती जैकेट में विस्फोट कर दिया।

### मनचाही पढाई के लिए विदेशों का रुख कर रहे रिटायर्ड चाइनीज

**बीजिंग।** चाइनीज लोगों में रिटायरमेंट के बाद भी पढाई करने का चलन बढता जा रहा है। विदेशों में मनचाही पढाई पूरे करने के सपनों को लेकर चीनी लोग विदेशों का रुख कर रहे है। इस उम्र में उनके पास न सिर्फ पर्याप्त समय है, बल्कि अपनी रुचियों पर खर्च करने के लिए पर्याप्त धन भी मौजूद है। यही कारण है कि वे फैशन डिजाइन, प्रिंटमेकिंग, आभूषण निर्माण, फोटोग्राफी जैसे अपने पुराने शौक और पैशन को फिर से पढ़ाई के जरिए जी रहे हैं। पहले विदेश में पढ़ाई का सपना अधिकांश युवाओं तक सीमित था, लेकिन अब वरिष्ठ नागरिक भी इसमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

जापान में वराबी हडस्का मटसूरी नाम के एक पारंपरिक त्यौहार के अवसर वर मिट्टी में उत्सव मनाते हुए लोग।

### कनाडा ने हिंसक घटनाओं में ...

# भारत के शामिल होने के दावों को पीएम कार्नी ने किया खारिज

**एजेंसी ▪ ओटावा**

कनाडा की केंद्र सरकार ने भारत के साथ जारी कूटनीतिक तनाव के बीच एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान देते हुए अपनी पिछली सभी चिंताओं को दरकिनार कर दिया है। एक वरिष्ठ कनाडाई अधिकारी ने बुधवार को स्पष्ट किया कि कनाडा सरकार का अब यह मानना है कि वहां हो रहे हिंसक अपराधों का भारत से कोई संबंध नहीं है। यह बयान प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत की बहुप्रतीक्षित यात्रा से ठीक पहले आया है, जिसे दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। कनाडाई अधिकारियों ने हाल के दिनों में भारत और कनाडा के बीच सुरक्षा वार्ता और आपसी सहयोग में हुई प्रगति की सराहना की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अब वे पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि पुरानी हिंसक गतिविधियां अब जारी नहीं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि सरकार को सुरक्षा संबंधी कोई भी संदेह होता, तो प्रधानमंत्री की यह यात्रा निर्धारित नहीं की जाती। दरअसल, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी एक व्यावहारिक विदेश नीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक बदलावों और अमेरिका के बदलते रुख के बीच कनाडा अब 1.4 अरब की आबादी वाले भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को नई ऊर्जा देना चाहता है। तेल, गैस निर्यात और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे भविष्य के क्षेत्रों में नई साझेदारी की उम्मीद के साथ प्रधानमंत्री कार्नी गुरुवार को मुंबई और नई दिल्ली के लिए रवाना हो रहे हैं, जहां वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। कनाडा का यह नया और सकारात्मक रुख भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत माना जा रहा है, क्योंकि भारत ने हमेशा से ही कनाडा द्वारा लगाए गए आरोपों को बेतुका और राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज किया है।

# इजरायली पीएम नेतन्याहू ने भारतीय परिधान पहनकर मोदी को चौंकाया

## नेतन्याहू ने एक अनोखा और आत्मीय अंदाज अपनाकर सबको हैरान कर दिया

**एजेंसी ▪ यरुशलम**

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भारतीय समकक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित संयुक्त रात्रिभोज से पहले एक अनोखा और आत्मीय अंदाज अपनाकर सबको हैरान कर दिया। पीएम नेतन्याहू ने पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया, जिसका वीडियो उन्होंने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया है। इस वीडियो में नेतन्याहू भारतीय और पश्चिमी पहनावे के एक आकर्षक मिश्रण में नजर आ रहे हैं। उन्होंने सफेद रंग की फुल-स्लीव शर्ट के ऊपर हल्के ग्रे (स्लेटी) रंग की स्लीवलेस जैकेट पहनी है, जो काफी हद तक

पारंपरिक नेहरू जैकेट या बंडी जैसी दिख रही है। अपने इस देसी लुक के साथ उन्होंने गहरे रंग की फॉर्मल पैंट और काले जूते पहने थे। नेतन्याहू ने हिंदी में पोस्ट लिखकर अपनी खुशी जाहिर की और कहा कि उन्होंने अपने मित्र मोदी को इस भारतीय लिबास के जरिए एक सुखद सरप्राइज दिया है। इस व्यक्तिगत गर्मजोशी से पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने यरुशलम स्थित इजरायली संसद नेसेट के विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित कर एक नया इतिहास रचा। वह इजरायल की संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। नेसेट पहुंचने पर स्पीकर अमीर ओहाना ने उनका औपचारिक स्वागत किया। प्रधानमंत्री के संबोधन से पूर्व पीएम नेतन्याहू, विपक्ष के नेता येर लैपिड और स्पीकर ओहाना ने भी अपने विचार रखे, जो इजरायल की राजनीति में भारत के प्रति मजबूत द्विदलीय समर्थन और एकजुटता को दर्शाता है। इस अवसर पर पीएम मोदी को प्रतिष्ठित स्पीकर ऑफ द नेसेट पदक से सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने दोनों देशों की स्थायी मित्रता और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित किया। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और इजरायल के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत संबंधों और आधुनिक काल की रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज दोनों देश प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं।

### मोदी इजराइली राष्ट्रपति से द्विपक्षीय बातचीत और भारतीय समुदाय से मिलेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी इस वक्त इजरायल के दौरे पर हैं। उनका यहां रेड कार्पेट वेलकम हुआ। नेतन्याहू और पीएम मोदी गले मिले, उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 9 साल बाद इजराइल दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी का इजराइल की संसद में जोरदार स्वागत किया गया और उनके सम्मान में रात्रि भोज भी दिया गया। भारत और इजराइल की दोस्ती कई पहलुओं पर देखी जाती है। वे डिफेंस सेक्टर के बड़े साझेदार हैं तो वहीं भारत का रिश्ता अगर इजराइल से अच्छा है, वहीं इजराइल के दुश्मन ईरान और फिलिस्तीन के साथ भी है।

### पाक पत्रकार ने कहा-

# तुमने पीठ में छुरा घोंपा और भारत ने दरियादिली दिखाकर तुम्हारे 90 हजार सैनिकों की जान बख्शी

**एजेंसी ▪ इस्लामाबाद**

भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से चले आ रहे तनावपूर्ण संबंधों के बीच अब पाकिस्तान के भीतर से ही आत्मनिरीक्षण की आवाजें उठने लगी हैं। पाकिस्तान के जाने-माने पत्रकार मोईद पीरजादा के हालिया दावों ने पाकिस्तानी सैन्य स्थापना और वहां के हुक्मरानों की नीतियों को वैश्विक मंच पर बेनकाब कर दिया है। पीरजादा का मानना है कि वर्ष 1947 में विभाजन के बाद से भारत ने जब भी रिश्ते सामान्य करने की कोशिश की, बदले में उसे केवल धोखा ही मिला। उनके इस साहसी स्वीकारोक्ति ने पाकिस्तान की सेना और वर्तमान सैन्य नेतृत्व की साख पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।पीरजादा ने विशेष रूप से 1971 के युद्ध के बाद की घटनाओं का उल्लेख करते हुए पाकिस्तान द्वारा भारत को दिए गए धोखे का कच्चा चिट्ठा खोला है। उन्होंने दावा किया कि 1971 के युद्ध में करारी हार और ढाका में आत्मसमर्पण के बाद, भारत ने एक बड़ा दिल दिखाते हुए 90,000 पाकिस्तानी युद्धबंदियों के साथ बेहद मानवीय और सम्मानजनक व्यवहार किया था। जिनेवा कन्वेंशन के अनुरूप उन्हें सुरक्षा दी गई और बाद में 1972 के शिमला समझौते के तहत रिहा भी किया गया। इस समझौते की मुख्य शर्त यह थी कि कश्मीर सहित सभी विवादित मुद्दों को केवल द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से हल किया जाएगा। पीरजादा के अनुसार, पाकिस्तान ने इस वादे की पीठ में छुरा घोंपते हुए कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाकर समझौते की धज्जियां उड़ा दीं।

# बंगाल में 'दीदी बनाम मोदी' की सीधी जंग

देश की सियासत एक बार फिर दो बड़े गैर-भाजपा शासित राज्यों,पश्चिम बंगाल और तमिलनाडुकी ओर टिकी है। दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव की आहट तेज हो चुकी है और राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ रहा है। एक ओर बंगाल में 'दीदी बनाम मोदी' की सीधी लड़ाई आकार ले रही है, तो दूसरी ओर तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक द्वंद्व के बीच अभिनेता विजय की एंट्री ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। इन दोनों राज्यों के चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति की दिशा तय करेंगे, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के समीकरणों पर भी गहरा असर डाल सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी डेढ़ दशक से सत्ता में हैं। 34 साल तक चले वाम शासन के 'लाल किले' को भेदकर सत्ता में आईं ममता आज भी आक्रामक तेवर में नजर आती हैं। उनके लिए महिला मतदाता, अल्पसंख्यक समर्थन, सामाजिक योजनाएं और मजबूत बूथ कैडर चुनावी आधार की धुरी हैं। लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं ने ग्रामीण और महिला वोट बैंक में गहरी पैठ बनाई है। इसके साथ ही ममता की सड़क पर उतरकर संघर्ष करने वाली छवि पार्टी कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरती है। हाल के महीनों में भर्ती घोटाले, मंत्रियों की गिरफ्तारी, हजारों नियुक्तियों के रद्द होने और कुछ चर्चित घटनाओं ने सरकार की छवि पर सवाल जरूर खड़े किए हैं, लेकिन ममता इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते हुए सीधे मुकाबले की रणनीति अपना रही हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने बंगाल में पिछले चुनाव में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की थी। 2021 के चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतकर खुद को मुख्य विपक्ष के रूप में स्थापित किया। भाजपा की रणनीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे, 'डबल इंजन' सरकार के वादे और संगठित बूथ प्रबंधन पर टिकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई केंद्रीय नेताओं के दौरे लगातार बढ़ रहे हैं। पार्टी घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ अपराध और कानून-व्यवस्था को मुख्य मुद्दा बना रही है। फिर भी भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य स्तर पर ममता के कद का सर्वमान्य चेहरा खड़ा करना है। स्थानीय नेतृत्व की कमी और बंगाली अस्मिता के सवाल पर टीएमसी की आक्रामक राजनीति भाजपा के लिए कठिन

परीक्षा बन सकती है। बंगाल की राजनीति में 'सड़क की ताकत' को निर्णायक माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जो सड़क पर दिखता है, वही चुनावी धारणा गढ़ता है। फिलहाल ममता की सक्रियता और संगठन की जमीनी मौजूदगी उन्हें बढ़त देती दिखती है, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ा है और पार्टी अपने समर्थकों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश में है कि सत्ता परिवर्तन संभव है। वाम दल और कांग्रेस अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यदि विपक्षी वोटों का बिखराव होता है तो इसका सीधा लाभ टीएमसी को मिल सकता है।

# ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की संकल्पना को साकार करने वाले राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख

▪ सुरेन्द्र शर्मा

नानाजी देशमुख ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट क्षेत्र को अपने ग्राम विकास कार्यों की प्रयोगभूमि बनाया। यह क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़ा, सूखा प्रभावित और संसाधनों की कमी से जूझ रहा था। उन्होंने यहां के लगभग 500 गांवों को विकसित करने का लक्ष्य रखा।

मेरा जीवन अपने लिए नहीं अपनों के लिए है अपने वे हैं जो दुःखी शोषित और पीड़ित हैं।

नानाजी देशमुख के यह वाक्य केवल उनके ही जीवन का ध्येय वाक्य नहीं था बल्कि उनके पदचिन्हों पर चलकर हजारों लोगों ने मानवता की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया जिसका परिणाम आज चित्रकूट गोंडा और अन्य जिलों में देखा जा सकता है।।

नानाजी देशमुख का नाम भारतीय सार्वजनिक जीवन में एक ऐसे कर्मयोगी के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने राजनीति को समाजसेवा का माध्यम बनाया और बाद में सक्रिय राजनीति छोड़कर पूर्णकालिक ग्रामोदय के कार्य में स्वयं को समर्पित कर दिया। उनका जीवन सादगी, राष्ट्रभक्ति, संगठन कौशल और ग्राम विकास की प्रयोगधर्मिता का अद्भुत संगम था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक और चिंतक थे।

नानाजी देशमुख का जन्म 11 अक्टूबर 1916 को महाराष्ट्र के परभणी जिले के कडोली गांव में हुआ। उनका वास्तविक नाम चंडिकादास अमृतराव देशमुख था। बाल्यकाल से ही वे परिश्रमी, आत्मनिर्भर और राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत थे। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने शिक्षा प्राप्त की और युवावस्था में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। संघ के स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने संगठनात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उत्तर प्रदेश में संघ के विस्तार में विशेष योगदान दिया।

नानाजी देशमुख भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए निरंतर परिश्रम किया। वे उत्तर प्रदेश में जनसंघ के प्रमुख रणनीतिकार माने जाते थे। उनकी कुशल रणनीति के कारण 1967 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को कड़ी चुनौती मिली और कई राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें बनीं। 1975 में जब देश में आपातकाल लगाया गया, तब नानाजी देशमुख लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय रहे। उन्होंने भूमिगत रहकर विरोध आंदोलन को संगठित किया। आपातकाल के विरुद्ध जनांदोलन में उनका योगदान महत्वपूर्ण था। बाद में वे जनता पार्टी के गठन में भी सक्रिय रहे और 1977 में लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए।

सक्रिय राजनीति में ऊँचे पदों तक पहुँचने के बावजूद नानाजी देशमुख ने 60 वर्ष की आयु में राजनीति से संन्यास लेने का निर्णय लिया। उनका मानना था कि सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण समाज का पुनर्निर्माण है। उन्होंने स्वयं को ग्रामीण विकास के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया।

नानाजी देशमुख ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को व्यवहार में उतारने का प्रयास किया। उनके अनुसार विकास का केंद्र गांव होना चाहिए, क्योंकि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। इसी उद्देश्य से उन्होंने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट क्षेत्र को अपने कार्यक्षेत्र के रूप में चुना।

### नानाजी देशमुख और भारतीय जनसंघ

नानाजी देशमुख का नाम भारतीय जनसंघ के प्रमुख संगठनकर्ताओं और रणनीतिकारों में अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। वे उन नेताओं में थे जिन्होंने जनसंघ को जमीनी स्तर पर मजबूत किया और उसे एक वैकल्पिक राष्ट्रीय राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय जनसंघ की स्थापना 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में हुई थी। नानाजी देशमुख प्रारंभ से ही इस दल से जुड़े और संगठन विस्तार का दायित्व संभाला। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे थे, इसलिए संगठन निर्माण और कार्यकर्ता तैयार करने में उनकी विशेष दक्षता थी। उत्तर प्रदेश में जनसंघ को मजबूत बनाने का श्रेय मुख्यतः नानाजी देशमुख को जाता है। उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर कार्यकर्ताओं का नेटवर्क खड़ा किया। उनकी रणनीति थी कि पहले मजबूत संगठन बनाया जाए, फिर चुनावी सफलता स्वतः मिलेगी। नानाजी देशमुख का राजनीतिक दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक था। वे मानते थे कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष और राष्ट्र निर्माण का साधन है। 1967 के विधानसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को कड़ी चुनौती देने में उनकी रणनीति महत्वपूर्ण रही। उस समय गैर-कांग्रेसी दलों को एकजुट करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परिणामस्वरूप कई राज्यों में संयुक्त विधायक दल की सरकारें बनीं। वे पर्दे के पीछे रहकर संगठन को मजबूत करने में विश्वास रखते थे। व्यक्तिगत प्रचार से दूर रहकर उन्होंने पार्टी के लिए कार्यकर्ता-आधारित संरचना विकसित की। नानाजी देशमुख पंडित दीनदयाल उपाध्याय के ÷एकात्म मानव दर्शन से अत्यंत प्रभावित थे। जनसंघ की नीतियों में इस विचारधारा को स्थापित करने में उनका योगदान रहा वे मानते थे कि भारतीय राजनीति को पश्चिमी विचारधाराओं की नकल करने के बजाय भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित होना चाहिए। जनसंघ के कार्यक्रमों और नीतियों में राष्ट्रीयता, स्वदेशी और सामाजिक समरसता पर जोर देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। 1975 में जब देश में आपातकाल लागू हुआ, तब जनसंघ के अनेक नेता गिरफ्तार किए गए। नानाजी देशमुख ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। वे भूमिगत रहकर आंदोलन को संगठित करते रहे। आपातकाल के विरोध में जनसंघ और अन्य विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने के प्रयासों में भी उनका योगदान रहा। 1977 में जनता पार्टी के गठन में जनसंघ का विलय हुआ और उस ऐतिहासिक परिवर्तन में नानाजी देशमुख की रणनीतिक भूमिका मानी जाती है। जनसंघ और बाद में जनता पार्टी में महत्वपूर्ण स्थान रखने के बावजूद नानाजी देशमुख ने 60 वर्ष की आयु में सक्रिय राजनीति छोड़ दी। उनका मानना था कि नए नेतृत्व को आगे आना चाहिए और वे स्वयं समाजसेवा के कार्यों में लग गए। यह निर्णय उनकी त्यागमयी प्रवृत्ति और आदर्शवादी सोच का प्रमाण था। उन्होंने सिद्ध किया कि उनके लिए पद या सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्र और समाज की सेवा है। नानाजी देशमुख और भारतीय जनसंघ का संबंध केवल एक नेता और दल का नहीं था, बल्कि वह एक वैचारिक और संगठनात्मक साझेदारी थी। उन्होंने जनसंघ को जमीनी स्तर पर मजबूत किया, कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया और वैकल्पिक राजनीति की नींव को सुदृढ़ बनाया। उनका योगदान भारतीय राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जनसंघ की संगठनात्मक शक्ति और वैचारिक स्पष्टता के पीछे नानाजी देशमुख जैसे समर्पित नेताओं का अथक परिश्रम था। नानाजी देशमुख भारतीय सार्वजनिक जीवन के ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने ग्राम विकास को अपने जीवन का प्रमुख लक्ष्य बना लिया। उनका विश्वास था कि ÷भारत की आत्मा गांवों में बसती हैऔर जब तक गांव आत्मनिर्भर, शिक्षित और समृद्ध नहीं होंगे, तब तक देश का समग्र विकास संभव नहीं है। राजनीति के उच्च शिखर पर पहुँचने के बाद भी उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेकर स्वयं को पूर्णतः ग्रामोदय (गांवों के समग्र विकास) के कार्य में समर्पित कर दिया।

# पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निर्माता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

ललित गर्ग

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷ का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाज़ार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल।

# ज्ञान के स्रोत व सत्य का बोध

संजय गोस्वामी

मनुष्य की पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ आँख, कान, नाक, जीभ और त्वचा उसे क्रमशः देखकर, सुनकर, सूँघकर, स्वाद लेकर तथा स्पर्श करके सांसारिक वस्तुओं के बारे में तरह-तरह का ज्ञान प्रदान करती हैं। ऐसे ज्ञान को प्रत्यक्ष ज्ञान कहा जाता है। ज्ञान के साधन-रूप में इन्द्रियानुभव या प्रत्यक्ष सर्वप्रथम हमारे ध्यान में आता है चूँकि इसी. के द्वारा आमतौर पर हमें सांसारिक वस्तुओं से संबंधित प्रतिज्ञप्तियों की सत्यता का ज्ञान. होता है। ज्ञान के स्रोत- ज्ञान प्राप्त करने के मुख्य स्रोत बोध , चेतना , तर्क और स्मृति हैं । ज्ञान के प्रकार- इंद्रिय ज्ञान- जो इंद्रियों से प्राप्त होता है। तार्किक या बौद्धिक ज्ञान- जो बुद्धि से प्राप्त होता है। अनुभवजन्य ज्ञान- जो अनुभव से आता है। प्रक्रियात्मक और घोषणात्मक ज्ञान- कैसे करें (ह्यद्मद्बद्यद्यह्य) और क्या है (द्बड्डष्ह्लह्य) की समझ। असीम क्षमता- ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। जैसे-जैसे हम नई चीजें सीखते हैं, वैसे-वैसे हमारा ज्ञान का दायरा बढ़ता जाता है। योगवासिष्ठ के अनुसार ज्ञान की 7 भूमियाँ हैं- शुभेच्छा, विचारणा, तनुमानसी, सत्यापत्ति, असंसक्ति, पदार्थभावनी और तुरीया, जो ज्ञान की गहराई को दर्शाती हैं। मस्तिष्क की क्षमता- मानव स्मृति, विशेषकर दीर्घकालिक स्मृति, वस्तुतः असीमित जानकारी और समय तक चलने वाली यादों को संग्रहित कर सकती है । ज्ञान मानव विकास का एक ऐसा साधन है जिसकी कोई अंतिम सीमा नहीं है, और यह व्यक्ति की सीखने की इच्छा और क्षमता पर निर्भर करता है, ज्ञान के प्रमुख स्रोत निम्न हैं: इंद्रिय अनुभवः हमारी पांचों इंद्रियां (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) ज्ञान का प्राथमिक स्रोत हैं, जिसके माध्यम से हम बाहरी दुनिया को अनुभव करते हैं। तर्कः बुद्धि और तार्किक विश्लेषण व आगमनात्मक/निगमनात्मक के माध्यम से प्राप्त ज्ञान है । अनुभववादः इंद्रियों द्वारा प्राप्त अनुभव ही ज्ञान का आधार है। तर्कवादः तर्क और बुद्धि पर आधारित ज्ञान होता है । प्राधिकरण/विशेषज्ञः विशेषज्ञों, किताबों, शिक्षकों और विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त ज्ञान है । स्मृतिः अतीत के अनुभवों और सीख को याद रखना। अंतर्ज्ञानः सीधे और तुरंत समझ में आने वाला ज्ञान है । आत्मनिरीक्षणः अपने ही विचारों और भावनाओं को समझना है । शारीरिक कसरत योग नहीं है, व्यायाम है। चित्त की वृत्तियों का निरोध कर, ईश्वर से एकाकारिता ही योग का अन्तिम लक्ष्य है। *सभी प्रकार की शारीरिक और मानसिक व्याधियों से मुक्त हो कर आंतरिक शांति और चिरस्थायी आनंद से भरपूर, जीवन जीने की कला है यह योग। जीवन के दुखों, पीड़ाओं और दुःखों का अंत करना। मनुष्य के संपूर्ण रूप से सर्वांगीण विकास कर, मानव शरीर को दिव्य रूप में रूपांतरित करके, उसे सुपरमैन बनाना। यह एक कल्पना की तरह लगता है, लेकिन यह कल्पना बिल्कुल नहीं, कल्पना तो शेखचिल्लिओं का काम था। दुनिया भर से लाखों अभ्यासी हैं, जो इसे व्यावहारिक रूप से प्रयोग कर रहे हैं। यह ध्यान/भक्ति/योग/आत्मजागृति/आत्म अध्ययन की विद्या हैं, जो हमारे संतों/ऋषियों ने गृहस्थियों के लिए भी सर्व सुलभ करा दी है। यह एक सहज, सरल, सभी प्रकार के कर्मकांडो से मुक्त ध्यान की विधि है, इसमें मात्र एक-एक घंटा सुबह-शाम ही खर्च होते हैं, बाकी समय हम अपनें समाज/संसार में व्यतीत करते हैं। इसके लिए अपने कर्म-कर्तव्य छोड़ने की भी आवश्यकता नहीं है। धीरे धीरे यही अभ्यास हमें गहरे ध्यान की अवस्था में ले जाता है। इसके अभ्यास का अर्थ है, धैर्य, सम्भाव, कृतज्ञता और आनंद के राज्य में स्थित हो जाना है।

फीचर

# ब्रांड के प्रति जागरूकता फैलाते हैं एक्सपर्ट

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है।

साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

**संभावनाएं:** फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

**योग्यात:** इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

**आमदनी:** इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

**क्या होता है काम:** एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है।

## प्रेरणा

# ईश्वर से प्रेम करना है वास्तविक प्रेम

बहुत से ऐसे लोग मिलेंगे जो कहेंगे कि उन्हें किसी से प्यार हो गया है। अपने प्रेम को पाने के लिए वह दुनिया छोड़ने की बात करेंगे। लेकिन वास्तव में प्रेम को पाने के लिए दुनिया छोड़ने जरूरत ही नहीं है। प्रेम तो दुनिया में रहकर ही किया जाता है। जो दुनिया छोड़ने की बात करते हैं वह तो प्रेमी हो ही नहीं सकते है। दुनिया छोड़ने की बात करने वाले लोग वास्तव में रूप के आकर्षण में बंधे हुए लोग होते हैं। वह प्रेम के वास्तविक स्वरूप से अनजान होते हैं। ऐसी स्थिति कभी रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी की भी थी, लेकिन जब उन्हें प्रेम का सही बोध हुआ तब वह परम पद को पाने में सफल हुए। तुलसीदास जी के युवावस्था के समय की बात है इनका विवाह एक अति रूपवती कन्या से हुआ जिसका नाम रत्नावली था। रत्नवती के रूप में तुलसीदास ऐसे खो गये कि उनके बिना एक क्षण जीना उनके लिए कठिन प्रतीत होने लगा। एक बार रत्नावली अपने मायके चली आयी तो तुलसीदास बचैन हो गये।

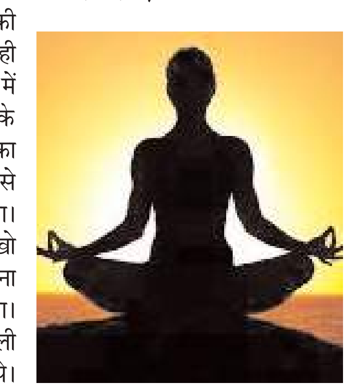

आधी रात को आंधी तूफान की परवाह किये बिना रत्नावती से मिलने चल पड़े। नदी उफन रही थी जिसे पार करने के लिए वह एक आश्रय का सहारा लेकर तैरने लगे। रत्नावली के ख्यालों में तुलसीदास जी ऐसे खोये हुए थे कि उन्हें यह पता भी नहीं चला कि वह जिस चीज का आश्रय लेकर नदी पार कर रहे हैं वह किसी व्यक्ति का शव है। रत्नावली के कमरे में प्रवेश के लिए तुलसीदास जी ने एक सांप का पूंछ रस्सी समझकर पकड़ लिया जो उस समय रत्नावली के कमरे की दीवार पर चढ़ रहा था।

## अपनी बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियाँ एकता की शक्ति का सजीव उदाहरण है। बहनों द्वारा एकजुटता से किए जा रहे प्रयास 'बंद मुट्ठी लाख की' के भाव को चरितार्थ करते हुए देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। बहनें आज ट्रैक्टर से लेकर ड्रोन तक चलाने के साथ गैस और पेट्रोल रिफिलिंग जैसे कार्य भी कर रही हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि वे खुद इस प्रकरण की जांच करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान कहा कि संस्था का मुखिया होने के नाते मैंने इस मामले पर संज्ञान लिया है। यह एक सोचा-समझा कदम प्रतीत होता है। बार और बेंच से लेकर हाई कोर्ट के न्यायाधीश तक इस सामग्री से परेशान हैं। मैं किसी को भी इस संवैधानिक संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा।

## ब्रीफ न्यूज

### जिला परियोजना समन्वयक शर्मा ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

**गुना।** वार्षिक परीक्षा कक्षा 05वीं एवं 08 वीं का आयोजन आज जिले के 186 परीक्षा पर किया गया। आज कक्षा 05वीं में अतिरिक्त तृतीय भाषा संस्कृत एवं ऊर्दू के 215 छात्रों में से 182 परीक्षार्थी सम्मलित हुये तथा कक्षा 08वीं में तृतीय भाषा ऊर्दू में 68 छात्रों में से 59 छात्र परीक्षा में सम्मलित हुये, कक्षा 08 वीं में तृतीय भाषा संस्कृत में कुल दर्ज 21730 छात्रों में से 20244 बच्चें परीक्षा में सम्मिलित हुये, जिला स्तरीय मॉनिटरिंग दल में जिला परियोजना समन्वयक ऋषि कुमार शर्मा ने दिल्ली ग्लोवल स्कूल का निरीक्षण किया तथा एपीसी एस.के. शिवहरे, एपीसी परिहार, बीआरसीसी गुना अशोक जोशी द्वारा मॉर्डन चिल्ड्रन स्कूल, स्मृति पब्लिक स्कूल, एवरेस्ट एकेडमी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया, सभी जगह परीक्षा सुचिता एवं शांति पूर्वक सम्पन्न पाई ।

### आईपीएल मैच पर सट्टा खिलाते एक युवक गिरफ्तार, मोबाइल और आईडी जब्त

**गुना।** शहर की कैंट थाना पुलिस ने बिलोनिया ओवरब्रिज के पास आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. मुखबिर की सूचना पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने शनि धाकड़ (29) निवासी म्याना को घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी के मोबाइल में सट्टे की ऑनलाइन आईडी खुली पाई गई। पूछताछ में उसने बताया कि वह शिवपुरी के संजीव धाकड़ से आईडी लेकर सट्टा खिला रहा था। पुलिस ने मौके से वीवो कंपनी का मोबाइल जब्त कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट और बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

### खेड़ापति मंदिर में चोरी का आरोपी गिरफ्तार और शत-प्रतिशत माल बरामद

**गुना।** शहर के कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत प्रसिद्ध खेड़ापति मंदिर में हुई चोरी की वारदात को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गई पीतल की परांत और दानपेटी से चोरी किए गए 4,400 रुपये नकद बरामद कर लिए हैं। इस त्वरित कार्रवाई ने पुलिस की सतर्कता और प्रभावी तकनीक को एक बार फिर साबित कर दिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, 23 फरवरी 26 को खेड़ापति कॉलोनी निवासी फरियादी निरंजन शर्मा ने कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 19 फरवरी की रात किसी अज्ञात चोर ने मंदिर का ताला तोड़कर पीतल की परांत और नकदी पार कर दी है। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने मंदिर में हुई चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल खुलासे के निर्देश दिए। कैंट थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव के नेतृत्व में गठित टीम ने मंदिर परिसर और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। तकनीकी विश्लेषण के दौरान संदेही धारत लोधा निवासी ग्राम जमनिया की पहचान की गई। पुलिस ने जब आरोपी धारत पुत्र रामलाल लोधा को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की, तो उसने पहले तो गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन बाद में जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गया संपूर्ण मशरूका बरामद कर लिया है।

### आईजी ग्वालियर ने गुना में कसी पुलिसिंग की नकेल

# बैठक में अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की हिदायत

सत्ता सुधार ■ गुना

ग्वालियर जोन के पुलिस महानिरीक्षक अरविंद कुमार सक्सेना ने को गुना जिला पुलिस कंट्रोल रूम में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने जिले की कानून व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। बैठक के दौरान गुना पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी, एएसपी मान सिंह ठाकुर सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी और थाना प्रभारी मौजूद रहे। आईजी ने स्पष्ट किया कि पुलिसिंग में संवेदनशीलता और निष्पक्षता सर्वोपरि होनी चाहिए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

बैठक का मुख्य केंद्र एससी-एसटी एक्ट से संबंधित लंबित मामले रहे। आईजी श्री सक्सेना ने थानावार लंबित अपराधों, चालान और राहत प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मामलों में अधिक संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाए। उन्होंने जोर दिया कि वरिष्ठ अधिकारी इन प्रकरणों की सतत निगरानी करें और थानों में प्राथमिकता के आधार पर इनकी समीक्षा की जाए। साथ ही, एससी-एसटी बाहुल्य क्षेत्रों में जनचेतना शिविर लगाकर ग्रामीणों को उनके विधिक अधिकारों और शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।

गंभीर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए आईजी ने जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि जुआ, सट्टा, अवैध शराब, मादक पदार्थ, अवैध हथियार और पशु तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही की जाए। संपत्ति संबंधी अपराधों में सक्रियता दिखाने और शत-प्रतिशत रिकवरी सुनिश्चित करने के प्रयास करने को कहा गया। इसके अलावा, नाबालिगों के अपहरण के मामलों में तत्परता दिखाते हुए अपहृतों को जल्द से जल्द

दस्तयाब करने की हिदायत दी गई। सीएम हेल्पलाइन और अन्य वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त शिकायतों का समयावधि में संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने पर भी विशेष बल दिया गया।

आगामी त्यौहारों जैसे होली, ईद-उल-फितर, रामनवमी और अंबेडकर जयंती को दृष्टिगत रखते हुए जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। आईजी ने कहा कि त्यौहारों के दौरान समुचित पुलिस व्यवस्था लगाई जाए ताकि सभी आयोजन शांतिपूर्वक संपन्न हो सकें। इसके साथ ही, असामाजिक तत्वों की सूची तैयार कर उन पर अधिक से अधिक प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई अपराधी जमानत पर होने के बाद भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसकी जमानत निरस्तीकरण की प्रभावी कार्यवाही की जाए। अंत में, साइबर अपराधों के प्रति जन जागरूकता हेतु समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित करने और थानों के रजिस्टरों को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश देकर बैठक का समापन किया गया।

### कुंभराज में भीषण हादसा, सरिया से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, किसान और बटियादार सहित तीन की दर्दनाक

# सरिया से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, किसान और बटियादार सहित तीन की दर्दनाक मौत

### जेसीबी से निकाले शव, घंटों तक लगा रहा जाम

सुमित जैन ■ गुना

जिले के कुंभराज थाना अंतर्गत गुरुवार शाम एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है। कृषि उपज मंडी में धनिया बेचकर घर लौट रहे एक किसान की ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में ट्रैक्टर मालिक और उनके दो बटियादारों की मलबे और भारी भरकम सरियों के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गई।

**धनिया बेचकर लौटते समय हुआ हादसा :** जानकारी के अनुसार, कुंभराज के बकोन्या गांव निवासी बाबूलाल मीणा (60) अपने बेटे लाखन मीना और बटियादारों के साथ कुंभराज मंडी में धनिया बेचने आए थे। धनिया बेचने के बाद उन्होंने घर के निर्माण कार्य के लिए करीब 10 क्विंटल से अधिक लोहे का सरिया खरीदा और उसे ट्रैक्टर-ट्रॉली में लादकर वापस गांव जा रहे थे। ट्रैक्टर बाबूलाल का बेटा लाखन चला रहा था। जैसे ही ट्रैक्टर मृगवास मार्ग पर सिंगपुरा के गणेशपुरा मंदिर के पास घाटीनुमा रास्ते पर पहुँचा, ओवरलोड सरियों के दबाव और ढलान के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया।

**सरियों के नीचे दबी लाशें, जेसीबी से हुई मशक्कत :** हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर की ट्रॉली पूरी तरह पलट गई और उसमें बैठे बाबूलाल मीणा, बटियादार जगदीश अहिरवार (45) और रमन अहिरवार (22) भारी सरियों और ट्रॉली के नीचे दब गए। घटना शाम करीब 5 बजे की है। चीख-पुकार सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ट्रॉली और लोहे के सरियों का वजन इतना अधिक था कि दबे हुए लोगों को निकालना असंभव हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुँचा और आनन-फानन में जेसीबी मशीन बुलाई गई। इसमें जगदीश और रमन आपस में परिजन बताए जाते हैं।

**देर शाम तक चला बचाव कार्य :** जेसीबी की मदद से भारी भरकम ट्रॉली और सरियों को हटाया गया, जिसके बाद तीनों के शव बाहर निकाले जा सके। पुलिस के अनुसार, अत्यधिक वजन और लोहे के सरियों की चोट के कारण तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। इस हादसे के कारण मार्ग पर काफी समय तक यातायात बाधित रहा। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक ही गांव के तीन लोगों की मौत से बकोन्या क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

### साईं नाथ मंदिर के पास अनियंत्रित पार्सल ट्रक का तांडव, कार को टक्कर मार खंभों और डीपी में जा घुसा

शहर के साईं नाथ मंदिर के पास एक तेज रफ्तार पार्सल ट्रक ने जबरदस्त उत्पात मचाया। ट्रक ने ओवरटेक करने के प्रयास में बैंक जा रहे दंपत्ति की कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में कार सवार राजेंद्र सिंह सिकरवार गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनकी पत्नी ममता देवी बाल-बाल बच गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कार को टक्कर मारने के बाद भी वह नहीं रुका। अनियंत्रित

ट्रक डिवाइडर पार कर दूसरी ओर जा पहुँचा और बीच सड़क पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभे को उखाड़ दिया। इसके बाद भी ट्रक की गति कम नहीं हुई और वह सड़क के दूसरी तरफ बिजली की डीपी (ट्रांसफार्मर) के खंभों में जा घुसा। गनीमत रही कि उस समय वहां कोई पैदल राहगीर नहीं था, वरना बडा हादसा हो सकता था। घायल राजेंद्र सिंह को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

## गैर इरादतन हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त इनोवा कार जब्त

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के बजरंगगढ़ थाना पुलिस ने ग्राम सेमरी के पास हुई सनसनीखेज वारदात में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त की गई इनोवा कार भी बरामद कर ली है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था।

घटनाक्रम के अनुसार, फरियादी सूर्यभान सोलंकी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 24 फरवरी को प्लॉट में गाड़ी रखने के विवाद को लेकर पड़ोसी धर्मेंद्र सोनी, कल्ला जैन, मल्ला जैन और मनोज जैन से उनकी रंजिश हो गई थी। इसी रंजिश के चलते जब फरियादी अपने पिता शिवभान सोलंकी और भाई कुणाल के साथ बाइक से आरोन जा रहे थे, तभी ग्राम सेमरी के पास आरोपियों ने इनोवा कार से उन्हें जानलेवा टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में शिवभान सोलंकी की गंभीर चोटें आने के कारण मृत्यु हो गई, जबकि बाइक सवार अन्य लोग और पास में खड़ा एक युवक घायल हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बजरंगगढ़ थाना प्रभारी कृपाल सिंह परिहार ने टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने दबिश देते हुए मुख्य आरोपी धर्मेंद्र सोनी (27) निवासी प्रताप मार्ग, आरोन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया, जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल कार जीजे 01-4517 जब्त कर ली है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब प्रकरण के शेष फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

# संगठन की मजबूती के लिए गुना पहुंचीं सह : प्रभारी संजना जाटव

### कार्यकर्ताओं को दिया एकता और संघर्ष का मंत्र

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्यप्रदेश कांग्रेस की नवनियुक्त सह-प्रभारी और भरतपुर सांसद संजना जाटव अपने प्रथम प्रवास पर बुधवार को गुना पहुंचीं। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने जिला कांग्रेस समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में सांसद जाटव ने संगठन की मजबूती के लिए एकजुटता को सबसे बड़ा हथियार बताया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सफलता के लिए नेताओं को आपसी मतभेद भुलाकर समन्वय के साथ काम करना होगा।

सामूहिक चर्चा के उपरांत संजना जाटव ने जिले के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व विधायकों और पदाधिकारियों के साथ वन-टू-वन संवाद किया। बंद कमरे में हुई इस चर्चा के दौरान उन्होंने जिले में व्याप्त गुटबाजी, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय राजनीतिक चुनौतियों का फीडबैक लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केवल सोशल मीडिया तक सीमित न रहें, बल्कि बूथ स्तर पर जाकर जनता से सीधा संवाद करें और सरकार की विफलताओं को उजागर करें। इस दौरान जिला कांग्रेस के तमाम बड़े पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे। -

### ट्रेन में सफर के दौरान यात्री का जेवरात से भरा बैग पार, ग्वालियर से गुना के बीच हुई चोरी

**गुना।** भिंड से इंदौर की यात्रा कर रहे एक परिवार के साथ ट्रेन में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। ग्वालियर से शिवपुरी के बीच अज्ञात बदमाशों ने चलती ट्रेन में यात्री के ट्रॉली बैग का ताला और चैन चालाकी से खोलकर उसके भीतर रखा लेडिज हैंड बैग पार कर दिया, जिसमें करीब 3 तोले सोने के जेवरात रखे हुए थे। फरियादी श्रीकृष्ण शिवहरे ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह गत दिवस अपनी पत्नी और बेटी के साथ भिंड-रतलाम एक्सप्रेस के कोच बी/3 में सफर कर रहे थे। ग्वालियर से शिवपुरी के बीच खाना खाने के बाद पूरा परिवार सो गया था। जब गुना स्टेशन पर उनकी नींद खुली, तो उन्होंने देखा कि बर्थ के नीचे रखे आसमानी रंग के सफारी ट्रॉली बैग की चैन हल्की खुली हुई थी और ताला भी अपनी जगह से खिसका हुआ था। बैग चेक करने पर पता चला कि उसके अंदर रखा कथई रंग का लेडिज हैंड बैग गायब था, जिसमें सोने का मंगलसूत्र, एक चैन, दो अंगूठी और एक जोड़ी झुमकी रखी हुई थी। चोरी गए करीब 15 साल पुराने इन जेवरातों का कुल वजन लगभग 3 तोला बताया गया है।

# विजयपुर के डोंगर में सनसनी, घर लौटे परिवार की महिला ने जैसे ही पिया पानी बिगड़ी हालत

### पड़ोसी पर राशन में जहर मिलाने का गंभीर आरोप

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगर में एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक महिला की पानी पीने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई। महिला को आनन-फानन में शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका उपचार जारी है। पीड़ित परिवार ने अपने पड़ोसी पर पुरानी रंजिश के चलते घर के खाने-पीने के सामान और पानी में जहरीला पदार्थ मिलाने का संगीन आरोप लगाया है।

घटना के संबंध में पीड़ित महिला के पति कैलाश धाकड़ ने बताया कि बुधवार को उनका पूरा परिवार रूठियाई में आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में गया हुआ था। रात करीब 1 बजे जब परिवार वापस लौटा, तो घर के अन्य सदस्य सो गए, लेकिन पत्नी ममता बाई ने प्यास लगने पर घर में रखा पानी पी लिया। पानी पीते ही ममता को तेज उल्टियां होने लगीं और उसकी स्थिति नाजुक हो गई। कैलाश का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति से उनका पुराना विवाद चल रहा है और उसी ने मौका पाकर घर के आटे, शक्कर और मवेशियों के पानी तक में कोई संदिग्ध जहरीला पदार्थ मिला दिया है।

पीड़ित पक्ष का दावा है कि गांव के ही एक युवक ने संदिग्ध पड़ोसी को उनके घर के आसपास चक्कर काटते देखा था, जिसका वीडियो भी मौजूद है। हालांकि, इस मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कैलाश धाकड़ के अनुसार, वे इस गंभीर वारदात की शिकायत लेकर विजयपुर थाने पहुँचे थे, लेकिन पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझने के बजाय सिर्फ आवेदन लेकर उन्हें वापस भेज दिया। अब पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच कराई जाए और दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

## परेशानी | सामूहिक बीमारी फैलने का डर

# वार्ड 4 में गंदगी का अंबार, नालियों की सफाई के बाद सड़कों पर छोड़ा कचरा

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के वार्ड क्रमांक 4 के निचले हिस्से में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आलम यह है कि गलियों में गंदगी के ढेर लगे हुए हैं और पूर्व में नगर पालिका द्वारा साफ की गई नालियों का कचरा भी सड़कों पर ही छोड़ दिया गया है। इस समस्या को लेकर स्थानीय निवासी और सेवानिवृत्त शिक्षक नसीम कुरेशी ने नगर पालिका अध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और वार्ड पार्षद को पत्र लिखकर तत्काल निराकरण की मांग की है।

**सफाई के नाम पर खानापूर्ति, नालियां फिर हुई चोक :** शिकायती पत्र के अनुसार, कुछ दिन पूर्व नगर पालिका के सफाई कर्मियों ने रहीम चौक और नसीम शिक्षक के निवास के पास की गलियों की नालियों की सफाई की थी। उस समय कचरा गीला होने के कारण उसे वहीं सड़कों पर छोड़ दिया गया था। अब वह कचरा पूरी तरह सूख चुका है, लेकिन नगर पालिका ने उसे वहां से नहीं उठाया। परिणाम स्वरूप, वह सूखा कचरा वापस नालियों में गिर रहा है, जिससे नालियों का पानी फिर से अवरुद्ध हो गया है और क्षेत्र में भारी बदबू फैल रही है।

**बीमारी का खतरा और रास्ते की बदहाली :** वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में गंदगी के कारण इंदौर की तर्ज पर कोई सामूहिक जानलेवा बीमारी फैल सकती है। इसके अलावा, निचली बस्ती की एक महत्वपूर्ण गली, जो लगभग 22 मीटर लंबी और 1.5 मीटर चौड़ी है, वह रखरखाव के अभाव और अत्यधिक नीची होने के कारण गंदे पानी से लबालब भरी रहती है। इस जलजमाव के कारण बस्ती के लोगों का वहां से निकलना दूभर हो गया है।

**नपा प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग :** स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि कचरे के ढेरों को तुरंत उठवाया जाए, क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सफाई कराई जाए और जलजमाव वाली गली का कंक्रीट निर्माण कराया जाए। इस आवेदन की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर को भी भेजी गई है ताकि प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित हो सके। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सफाई और सड़क निर्माण के आदेश प्रसारित नहीं किए गए, तो वार्डवासी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

## सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत हाईवे पर बने 14 अवैध कट हटाए गए

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी राघौगढ़ अमित सोनी द्वारा राघौगढ़ क्षेत्रांतर्गत स्थित हाईवे पर सड़क सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं एनएचएआई के अधिकारी/कर्मचारी को हाईवे पर बने अवैध कट को लेकर दिशा निर्देश दिए गए। निर्देशानुसार आज नायब तहसीलदार राघौगढ़ रेणु कांसलीवाल, राजस्व अमला, पुलिस अमला एवं एनएचएआई के अधिकारी/कर्मचारी द्वारा गौरा की पुलिया रूठियाई से लेकर दौराना तक राष्टीय राजमार्ग का निरीक्षण किया जाकर कुल 14 अवैध कट चिन्हित किए गए। अवैध कट होटल, ढाबे, ईंट भट्टे संचालकों द्वारा बनाए गए हैं। सभी अवैध कट जेसीबी के माध्यम से हटाए गए हैं। अगर आगे किन्ही के भी द्वारा भी अवैध रूप से रास्ते बनाए जाएंगे तो उनके विरुद्ध चालानी एवं दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

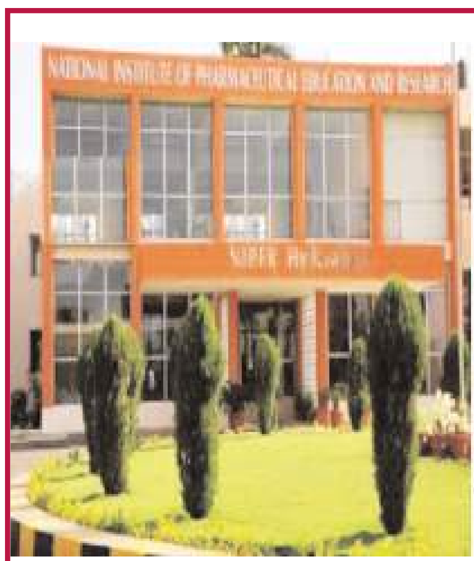

# देश की टॉप टेन फार्मेसी संस्थान

**फार्मेसी की दुनिया भी मेडिकल वर्ल्ड से ही संबंधित है, और आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इसमें कॅरियर के ऑप्शन सामान्य मेडिकल पढ़ाई से कहीं अधिक चमकदार हैं। परंतु मुख्य बात यही है कि आप ठीक से बेहतरीन कोर्सेज को करें। दुनिया में जिस प्रकार से मेडिकल इंडस्ट्री की इंपोर्टेंस बढ़ती जा रही है, उसे देखकर तमाम स्टूडेंट्स मेडिकल की दुनिया में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं।**

अगर सामान्य ढंग से देखा जाए, तो मेडिकल में सिर्फ एमबीबीएस, बीडीएस या बीएएमएस जैसे दूसरे डायरेक्ट मेडिकल कोर्सेज दिखलाई देते हैं, किंतु मेडिकल की दुनिया इतनी छोटी तो है नहीं! ऐसे में यह जानना उचित रहेगा कि फार्मेसी की दुनिया भी मेडिकल वर्ल्ड से ही संबंधित है, और आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इसमें कॅरियर के ऑप्शन सामान्य मेडिकल पढ़ाई से कहीं अधिक चमकदार हैं। परंतु मुख्य बात यही है कि आप ठीक से बेहतरीन कोर्सेज को करें, और इसके लिए आपको बेहतरीन यूनिवर्सिटीज और कॉलेजेज का चुनाव करना भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आइए जानते हैं टॉप टेन फार्मेसी यूनिवर्सिटीज के बारे में.

एनआईआरएफ यानी नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के आंकड़े के अनुसार दसवें नंबर पर जेएसएस कॉलेज आफ फार्मेसी, मैसूर का स्थान है। इसे एक प्रीमियम संस्थान के तौर पर जाना जाता है, और अगर यहां से आप फार्मेसी कोर्स करते हैं, तो आपके सामने कॅरियर के बेहतरीन ऑप्शन आसानी से खुल जाते हैं। इसी प्रकार से नौवें नंबर पर जेएसएस कॉलेज आफ फार्मेसी, ऊटी का स्थान है, तो आठवें नंबर पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, अहमदाबाद का स्थान है। जाहिर तौर पर अगर टॉप टेन में यह कॉलेजेज अपना स्थान बना पाए हैं, तो इनकी सफलता की कहानी अपने आप काफी कुछ कहती है, और बगैर किसी शक के आप इनको बेहतरीन संस्थानों में काउंट कर सकते हैं। इसी प्रकार से सातवें नंबर पर मणिपाल कॉलेज आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, उडुपी कर्नाटक है, तो बिरला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी का नंबर छठे स्थान पर है। वैसे बिरला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, इंजीनियरिंग के लिए भी सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक माना जाता है। इसी क्रम में पांचवें नंबर पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, हैदराबाद का स्थान है, तो चौथे नंबर पर रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई का स्थान है। बता दें कि फार्मा स्यूटिकल बेहद चमकते हुए कॅरियर आप्शन के रूप में तमाम स्टूडेंट्स द्वारा चुना जा रहा है, और इस क्षेत्र में स्टूडेंट्स भी बेहतरीन कॅरियर को संवारने में लगे हुए हैं। तीसरे नंबर पर नेशनल फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च का स्थान है, तो दूसरे नंबर पर पंजाब यूनिवर्सिटी है, जो फार्मेसी के लिए बेहतरीन विश्वविद्यालय में से एक माना जाता है। फिर नंबर एक पर स्थान आता है, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली का! जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, फार्मास्युटिकल्स कोर्सेज के लिए नंबर वन संस्थान माना जाता है, और यहां से निकले स्टूडेंट्स बेहतरीन पैकेज के साथ तमाम मेडिकल कंपनियों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हैं। साथ ही उनको मिलता है किसी अन्य कोर्स करने वाले के बराबर वेटेज और सैलरी पैकेज! इसके अलावा दवाइयों के क्षेत्र में उनकी समझ उनको काफी सकारात्मक ढंग से आगे बढाने में मदद करती है।

# न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर अपने साथ दूसरों का भी संवारे भविष्य

बहुत से लोग सोचते हैं कि न्यूमरोलॉजी पूरी तरह से कन्फयूजिंग मैथ्स, फार्मूला और कई तरह के विभिन्न सिद्धांतों से भरी हुई है। जबकि ऐसा नहीं है। अंक विज्ञान वास्तव में संख्याओं की मदद से दूसरों की समस्याओं से सुलझाने की एक कला है। न्यूमरोलॉजी एक बेहद पुरानी प्रैक्टिस है, जिसका सालों से पूरी दुनिया में अभ्यास किया जाता रहा है। अपनी जन्मतिथि और पूरे नाम के आधार पर एक सरल चार्ट बनाकर, आप अपने और दूसरों के लिए संतोषजनक अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा। भले ही फिर बात बच्चों की पढ़ाई की हो या फिर कॅरियर की, अंक शास्त्र के जरिए भविष्य की परतों को खोलने की कोशिश की जाती है। अगर आप भी चाहें तो बतौर न्यूमरोलॉजिस्ट या अंक शास्त्री बनकर ना सिर्फ खुद का बल्कि दूसरों का भी भविष्य संवारा जा सकता है। तो चलिए जानते हैं इस कॅरियर क्षेत्र में बारे में विस्तारपूर्वक–

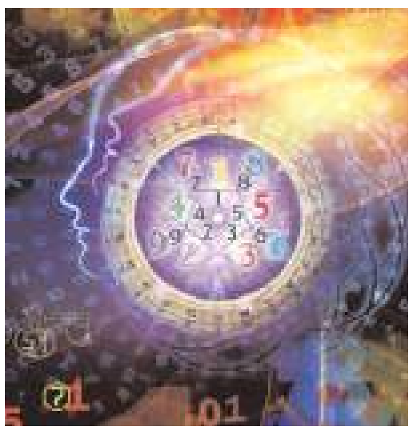

### क्या है न्यूमरोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि बहुत से लोग सोचते हैं कि न्यूमरोलॉजी पूरी तरह से कन्फयूजिंग मैथ्स, फार्मूला और कई तरह के विभिन्न सिद्धांतों से भरी हुई है। जबकि ऐसा नहीं है। अंक विज्ञान वास्तव में संख्याओं की मदद से दूसरों की समस्याओं से सुलझाने की एक कला है। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि संख्याएं भविष्य कैसे बता सकती हैं। संख्याओं में गहरे अर्थ और प्रासंगिक जानकारी के साथ आपके भविष्य को समझने की शक्ति है। यदि आप ज्योतिष से अवगत हैं, तो निश्चित रूप से आप जानते हैं कि ज्योतिष व्यक्ति के जन्म की तारीख, समय और जन्म के समय के माध्यम से भविष्य की भविष्यवाणी करने का एक तरीका है। कुंडली के माध्यम से ज्योतिषी व्यक्ति के भविष्य और जीवन से जुड़ी जानकारी बताते हैं। ठीक उसी तरह, न्यूमरोलॉजी भी काम करती है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, न्यूमरोलॉजिस्ट व्यक्ति के जन्म की तारीख का उपयोग उसके व्यक्तित्व लक्षण, भाग्य, घटनाओं और परिस्थितियों का अनुमान लगाने के लिए करते हैं। ज्योतिष की तरह, न्यूमरोलॉजी व्यक्ति के जीवन का एक खाका प्रदान करती है जो काफी सटीक है।

### कैसे बनें न्यूमरोलॉजिस्ट

न्यूमेरोलॉजिस्ट बनने के कई तरीके हैं। लेकिन किसी चीज में विशेषज्ञ बनने के लिए, आपको कला को पूरी तरह से सीखना होगा। ऐसे कई विकल्प हैं जिनके माध्यम से आप न्यूमेरोलॉजी सीख सकते हैं और न्यूमरोलॉजी विशेषज्ञ बन सकते हैं। इसके लिए कोई शैक्षणिक योग्यता का होना आवश्यक नहीं है। आज कई न्यूमरोलॉजी एक्सपर्ट खुद ही सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स प्रदान करते हैं। इन कोर्स को करने से आपको अंक शास्त्र और नंबरों के पीछे की गहराई को समझने में मदद मिलती है। इसके बाद आप बतौर एक प्रोफेशनल न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। वैसे इन दिनों न्यूमरोलॉजी के क्षेत्र में ऑनलाइन कोर्स का चलन भी काफी बढ़ गया है।

### व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जहां तक प्रश्न व्यक्तिगत योग्यता का है तो इसके लिए सबसे जरूरी है कि आपके भीतर अंकों व उसकी गहराई को जानने की इच्छा हो। इस क्षेत्र में चीजों को सीखने व समझने के लिए बेहद धैर्य की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, दूसरों की परेशानी को सुनकर सटीक अनुमान लगाना भी आपको आना चाहिए। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को आसान बनाते हैं।

### संभावनाएं

आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा और इसलिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट हमेशा डिमांड में रहते हैं। आप चाहें तो स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं या फिर शुरूआत में किसी अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम करना अच्छा रहेगा। इसके अलावा, कई मीडिया हाउस भी न्यूमरोलॉजी शो प्रसारित करते हैं, जिनके लिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है।

# विदेश में पढ़ने के लिए कुछ यूं हासिल करें आर्थिक सहायता

**अगर विदेश में पढ़ाई करने के लिए अगर आप भी इन पैसों की कमी के संकट से जूझ रहे हैं, और अपने सपने को पूरा करने में खुद को दिशा नहीं दे पा रहे हैं, तो यहां हम आपको बताएंगे कुछ टिप्स, जो आपके बड़े काम आ सकती है। बेशक भारत 21वीं सदी में महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, किंतु आज भी इसे शिक्षा में पश्चिम जगत के सामने, कई स्टैंडर्ड मानकों पर पीछे ही माना जाता है। यह एक वास्तविकता है, जो बदल जरूर रहा है, किन्तु इसे अपेक्षित रूप से बदलने में अभी काफी समय लगने वाला है।**

ऐसी स्थिति में विदेशों में पढ़ाई का आकर्षण समाज के कई वर्गों में लगातार ही बढ़ता गया है। विश्व भर से कई देश भी भारतीय छात्रों को आकर्षित करने के लिए अलग–अलग योजनायें पेश करते हैं, जिसमें कभी स्कॉलरशिप प्रोग्राम जारी करते हैं, तो अलग–अलग स्तर पर स्टूडेंट्स को सुविधाएं देने में भी कोताही नहीं करते हैं। विदेश में बहुत सारे छात्र, जिन्हें अपनी स्किल पर, अपनी लगन पर भरोसा होता है, वह पढ़ाई के लिए बाहर जाना तो चाहते हैं, किंतु इच्छा होने के बावजूद भी अगर कोई बड़ी रूकावट सामने आती है, तो वह पैसों की कमी ही होती है।

अगर विदेश में पढ़ाई करने के लिए अगर आप भी इन पैसों की कमी के संकट से जूझ रहे हैं, और अपने सपने को पूरा करने में खुद को दिशा नहीं दे पा रहे हैं, तो यहां हम आपको बताएंगे कुछ टिप्स, जो आपके बड़े काम आ सकती है।

## स्कॉलरशिप बन सकती है बड़ा सहारा

जी हाँ! बहुत सारे ऐसे स्टूडेंट्स की दास्तान मौजूद है, जिनके पास पैसे कम होने के बावजूद भी स्कॉलरशिप, यानी छात्रवृत्ति लेकर उन्होंने बड़े मुकाम हासिल किये हैं। ऐसी स्थिति में अगर आपको किसी भी विदेशी यूनिवर्सिटी में जाना है, तो उस यूनिवर्सिटी के वेबसाइट पर, या फिर उपलब्ध ऐप पर देखिए कि वह स्कॉलरशिप देती है, या नहीं! स्टूडेंट को सपोर्ट करने का उसके पास क्या प्रोग्राम है!

ऐसे में अगर आप पढ़ने में मेधावी हैं तो आपकी स्किल, आपको स्कॉलरशिप दिलाने में काफी मदद कर सकती है। ना केवल पढ़ाई के लिए, बल्कि स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप भी आपको मिल सकती है, अगर आपकी एजुकेशनल मेरिट के साथ–साथ खेल एवं एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज बेहतरीन हैं तो!

## एजुकेशन लोन है ना

अगर आपको वाकई लगता है कि विदेश जाने से आपकी प्रतिभा का उत्तम विकास होगा और आप अपने जीवन में बेहतरीन कर पाएंगे, तो एजुकेशन लोन भी एक बेहतर विकल्प है। जी हां! एजुकेशन लोन में इंटरेस्ट रेट भी काफी कम होता है। यह केवल विदेश में पढ़ाई करने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने देश में पढ़ाई करने के लिए भी आपको उपलब्ध होगा। किंतु आप बैंक को यह विश्वास जरूर दिलाएं कि पढ़ाई होने के बाद आप बैंक के कर्ज चुकाने में सक्षम हो सकेंगे। अगर बैंक को यह विश्वास मिल गया, तो फिर एजुकेशन लोन आपको आसानी से मिल सकता है।

## पार्ट टाइम जॉब भी एक बेहतर विकल्प है!

ऐसी कई कहानियां आई हैं कि लोगों ने तिनका तिनका जोड़ कर, छोटे से छोटा काम करके अपनी पढ़ाई पूरी की, और बाद में उन्हें दुनिया ने सलाम भी किया। ऐसे में अगर आप पढ़ाई कर रहे हैं, तो बिना अपनी पढ़ाई डिस्टर्ब किए जॉब करके भी शिक्षा के लिए फंडिंग इकट्ठा कर सकते हैं। वैसे तो विदेश में यह कल्चर काफी स्ट्रांग है और इसके अनुसार जब आप पढ़ाई के साथ–साथ, कुछ घंटे पार्ट टाइम जॉब करते हैं, तो आपके लिए ठीक ठाक फंड का जुगाड़ हो सकता है। किंतु ध्यान दीजिए, पार्ट टाइम जॉब करने के, कई देशों में स्पेशल नियम बनाए गए हैं और उन्हें आपको ध्यान रखना चाहिए। अमेरिका की ही बात करें तो 1 सप्ताह में मात्र 20 घंटे पार्ट टाइम जॉब करने की इजाजत है, और अगर आप इसका उल्लंघन करते पाए जाते हैं तो आपको फाइन भरना पड़ सकता है, जो माली हालत में आपके लिए और दुखदाई साबित होगा।

## देश चुनने में समझदारी करें

जी हां! कई सारे ऐसे देश हैं, जहां पर हायर एजुकेशन फ्री है। इनमें आयरलैंड, ग्रीस, जैसे देशों के साथ ब्राजील जैसे देश भी शामिल हैं। यहां पर पब्लिक ट्यूशन भी फ्री दिए जाते हैं। ऐसे में अगर आपकी खास पढ़ाई यहाँ बेहतर हो जाती है, तो सिर्फ रहने के खर्चे के लिए आप दूसरे उपाय भी कर सकते हैं, और अगर आप पढ़ाई पर फोकस कर पाते हैं, तो आप न केवल अपनी आजीविका चला पाएंगे, अपने परिवार को अच्छे खासे पैसे भी भेज पाएंगे।

# न्यूट्रिशन और डाइटेटिक्स के क्षेत्र में हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

**आज के समय में मेडिकल की दुनिया सिर्फ दवाई और डायग्नोसिस तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि आहार-सेहत इसके महत्वपूर्ण फैक्टर हो गए हैं। हॉस्पिटलिटी इंडस्ट्री में पोषण और आहार के क्षेत्र में बतौर डाइटिशियन कॅरियर बनाना अब लोगों को काफी फायदेमंद लगने लगा है। आज के समय में विभिन्न प्रकार के कॅरियर ऑप्शन उभर रहे हैं, और इन पर तमाम युवा विश्वास भी जता रहे हैं। इन्हीं में से एक है न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स!**

क्योंकि हेल्थ को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है, और हेल्थ की जब भी बात आती है, तो खानपान और पोषण से संबंधित जानकारियों की अहमियत बढ़ जाती है। चूंकि आज के समय में कोरोना चल रहा है, और कोरोना पीरियड में वर्क फ्रॉम होम कल्चर जबरदस्त ढंग से बढ़ा है। ऐसी स्थिति में घर बैठे लोगों को आहार और पोषण संबंधित जानकारियां सटीकता से दे पाए, इस प्रकार के कॅरियर ऑप्शन का उभरना स्वाभाविक ही है। आज के समय में मेडिकल की दुनिया सिर्फ दवाई और डायग्नोसिस तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि आहार–सेहत इसके महत्वपूर्ण फैक्टर हो गए हैं। हॉस्पिटलिटी इंडस्ट्री में पोषण और आहार के क्षेत्र में बतौर डाइटिशियन कॅरियर बनाना अब लोगों को काफी फायदेमंद लगने लगा है।

बता दें कि अगर आप भी इस फील्ड में कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो खाद्य पदार्थों की बारीक जानकारी, उसकी एनालिसिस कर पाना, उसके स्केल को समझना और मेडिकल रिसर्च जानना जरूरी हो जाता है। इससे खुद को अपडेट रखना उतना ही जरूरी है, जितना किसी अन्य पेशे में लोग उसकी बारीकियों को ध्यान रखते हैं। कोविड–19 में पोषण विशेषज्ञ और आहार विशेषज्ञों की मांग जबरदस्त ढंग से बढ़ी है। हर कोई अपनी इम्युनिटी ठीक रखना चाहता है, फिट रहना चाहता है, और ऐसे में डाइटिशियन की डिमांड निश्चित रूप से बढ़ जाती है। डाइटिशियन न्यूट्रिशनिस्ट की मांग इन दिनों सबसे ज्यादा है। पहले के समय में न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स एक्सपर्ट, कंज्यूमर प्रोडक्ट कंपनियों में ही रहते थे, किंतु अब रोजमर्रा की सेहत से संबंधित प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियां भी इनका उपयोग कर रही हैं। एफएमसीजी की कोलगेट, बोर्नविटा, हेल्थ ड्रिंक्स इत्यादि कंपनियां भी इस तरह के विशेषज्ञों को अपने पास रख रही हैं। होटल इंडस्ट्री में भी बड़े–बड़े होटल इस फील्ड के एक्सपर्ट को काम पर रखती ही हैं। यहां तक कि गवर्नमेंट स्तर पर भी डाइटिशियन सरकारी हॉस्पिटल में भी नजर आने लगे हैं। बल्कि स्कूल, कैफेटेरिया और अन्य कंपनियां भी इस तरह की नियुक्तियों पर काम करने लगी हैं।

इसके अलावा एथलीट, स्पोर्ट में तो यह बिल्कुल जुड़ा हुआ क्षेत्र है। मतलब कि अगर आप कोई खिलाड़ी हैं, या खिलाड़ियों से जुड़े संस्थानों से संबंध रखते हैं, तो आपको इस तरह के न्यूट्रिशन और डाइटेटिक्स सर्विसेज लेनी ही होगी। इसके अलावा कैरियर ऑप्शन की बात करें तो स्पीकिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट में अपार संभावनाओं से जुड़ा हुआ यह क्षेत्र काफी महत्त्व का हो गया है।

अगर योग्यता की बात करें तो होम साइंस या फिर साइंस से अगर आपने प्लस टू किया हुआ है, तो उसके बाद बैचलर डिग्री, फिर मास्टर डिग्री अथवा डिप्लोमा कोर्स करके इस क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकते हैं। 1 साल का डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको फूड साइंस में या फिर बायोटेक्नोलॉजी अथवा होम साइंस में बैचलर डिग्री रखना जरूरी है।

डाइटेटिक्स को एक साइंस माना जाता है, और इसमें खानपान इंडस्ट्री को बारीकी से समझना होता है। इसके लिए आपको पीजी डिप्लोमा इन क्लिनिकल न्यूट्रिशन, पीजी डिप्लोमा इन डाइटेटिक्स एंड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन, बीएससी इन न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स, एमएससी फूड एंड न्यूट्रिशन साइंस इत्यादि कोर्स कर सकते हैं। कई लोग तो एमएससी फूड एंड न्यूट्रिशन साइंस अथवा न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स में ग्रेजुएशन की डिग्री लेकर एमबीए इत्यादि भी करते हैं और इस फील्ड में चूंकि हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री हमेशा ही इस तरह के कॅरियर ऑप्शन अपने साथ जोड़े रखती हैं और उसका वेलकम करती है, तो आपके सामने अवसरों की कमी नहीं होने वाली है। अगर पद की बात की जाए तो क्लीनिकल डाइटिशियन, कम्युनिटी डाइटेटिक्स मैनेजमेंट, डाइटिशियन कंसलटेंट, डाइटिशियन फूड एनालिस्ट इत्यादि तमाम पद हैं, जो आपको शुरुआती स्तर पर भी 15000 के आसपास सैलरी दिला सकते हैं।

ना केवल देश में आप होटल, शिपिंग क्रूज इत्यादि कंपनियों में काम कर सकते हैं, बल्कि विदेशों में भी आपके सामने तमाम आप्शन उपलब्ध हैं। हालांकि ट्रेडिशनल कोर्सेज के मुकाबले इसमें आप्शन जरूर कम आते हैं, लेकिन अगर आपने मन से कोर्स किया है, और इस फील्ड की संभावनाओं से अपडेट हैं तो आप निश्चित ही बेरोजगार नहीं रहेंगे। अगर कुछ इंस्टिट्यूट की बात की जाए तो मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ न्यूट्रिशन हैदराबाद, दिल्ली है, तो इसके अलावा दिल्ली यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट आफ होम इकोनॉमिक्स सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, मैसूर, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पंजाब व इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी इत्यादि स्थानों से संबंधित कोर्स कराया जाता है।

# प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड करियर को लेकर किए खुलासे
## बताई 'द ब्लफ' से जुड़ी बातें

**ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड सिनेमा पर भी राज कर रही है। प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को रिलीज हो रही है। हाल ही में प्रियंका ने अपनी फिल्म 'द ब्लफ' के अलावा अपने हॉलीवुड करियर को लेकर कई खुलासे किए हैं। साथ ही प्रियंका ने यह भी बताया कि उनके लिए 'द ब्लफ' क्यों खास है?**

### प्रियंका का हॉलीवुड करियर

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने हॉलीवुड करियर में अपनी उन्नति के बारे में कहा, 'मुझे अभी भी ऐसा नहीं लगता कि मैं सफलता के सबसे ऊपर पहुंच गई हूं, लेकिन मुझे अपनी काबिलियत पर पूरा भरोसा है।'

### खुद पर भरोसा करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे कहा, 'जब मैं पहली बार हॉलीवुड आई थी, तब से मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं महसूस किया। भले ही लोग मुझे जानते नहीं थे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मुझे पता था कि मैं क्या कर सकती हूं और मेरी क्या कीमत है। मेरा आत्मविश्वास कभी कम नहीं हुआ। हो सकता है मुझे कम मौके मिले हो या कम कामयाबी मिली हो, लेकिन मुझे अपने टैलेंट और मेहनत करने की ताकत पर हमेशा भरोसा रहा।'

### किसकी तरह बनना चाहती है प्रियंका

प्रियंका ने कहा, 'मैं बहुत मेहनत करने वाली हूं। किसी भी रोल या किरदार को अच्छे से निभाने के लिए मैं बहुत समय और मेहनत लगाती हूं। लेकिन ये सोचना कि मैं सफलता की मंजिल पर पहुंच गई हूं? ऐसा कभी नहीं हुआ। मुझे आज भी लगता है कि मैं अभी वहां नहीं पहुंची। बहुत से शानदार लोग हैं, जिन्होंने कमाल का काम किया है और मैं भी उनके जैसा बनना चाहती हूं।'

### कैसी फिल्में करना पसंद करती है प्रियंका

प्रियंका ने आगे बताया कि उन्हें कैसी फिल्में करना पसंद है। प्रियंका ने कहा, 'मुझे अलग-अलग तरह की कहानियां और जॉनर आजमाना बहुत पसंद है, इसलिए फिल्म 'द ब्लफ' को करके मुझे बहुत खुशी हुई।' फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

### 'द ब्लफ' के बारे में

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी नई फिल्म 'द ब्लफ' के बारे में कहा, ''द ब्लफ' मेरी फिल्मों में एक नया बदलाव लाने वाली फिल्म है। मुझे लगता है कि यह मेरी फिल्मोग्राफी में, खासकर अंग्रेजी फिल्मों में, विविधता लाने की दिशा में एक अच्छा कदम है। यह फिल्म संस्कृति और इतिहास की गहराई को छूती है, लेकिन साथ ही यह एक मजेदार, भावुक और रोमांचक समुद्री डाकू फिल्म भी है। इसमें ढेर सारा ड्रामा, एक्शन और भावनाएं हैं।'

### कब रिलीज होगी 'द ब्लफ'

'द ब्लफ' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया है। इसकी पटकथा फ्लावर्स और जो बॉलारिनी ने मिलकर लिखी है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और टेमुएरा मॉरिसन ने अभिनय किया है। फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

# महिलाओं से ऑर्डर लेने में पुरुषों को होती है दिक्कत

अभिनेता बरुण सोबती हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आए हैं। सीरीज में उनके काम को काफी पसंद किया गया है। अब अभिनेता ने इंडस्ट्री में महिलाओं को लेकर बन रही फिल्मों और काम पर बात की। साथ ही उन्होंने महिलाओं के अधिकार को लेकर पुरुषों की इनसिक्योरिटी को लेकर बात करते हुए इसे एक आम समस्या बताया है। बरुण ने 'कोहरा 2' को लेकर कहा कि सीरीज में दिखाया गया शक्ति समीकरण प्रोफेशनल जीवन में लोगों की असल सोच को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस परिवार में पले-बढ़े हैं। लेकिन हां, यह एक आम धारणा है और हम इसे नकार नहीं सकते। स्पष्ट है कि पुरुषों को मजबूत महिलाओं से परेशानी होती है। उनसे आदेश लेना आज भी एक बड़ी बात है। यहां तक कि जब कोई महिला किसी बहस में अपनी बात मजबूती से रखती है, तो मैंने पुरुषों को असहज होते देखा है। मैं सभी पुरुषों की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा ही होता है। अपने करियर में ओटीटी की महत्वा पर बात करते हुए एक्टर ने कहा कि ओटीटी शो के सफल होने के बाद चीजें बदल गईं। इसकी शुरुआत 'असुर' से हुई। वह लोकप्रिय था, लेकिन 'कोहरा' के साथ बात बदल गई। कुछ शो आम लोग देखते हैं और कुछ शो सिर्फ इंडस्ट्री के लोग देखते हैं। 'कोहरा' को इंडस्ट्री के लोग देखते थे और तभी से मुझे ज्यादा काम मिलने लगा। स्ट्रीमिंग कंटेंट ने कई अभिनेताओं के लिए अवसर पैदा किए हैं। कोहरा ने मुझे एक नई पहचान दिलाई है। बरुण सोबती 'कोहरा' के पहले सीजन में भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनका किरदार दूसरे सीजन में भी उतना ही प्रमुख है। इस बार वो मोना सिंह के साथ प्रमुख भूमिका में है। सीरीज में दिखाया गया है कि मोना सिंह के किरदार से ऑर्डर लेने में उन्हें असहजता महसूस होती है, क्योंकि एक महिला उनकी बॉस है। 'कोहरा' के अलावा बरुण 'असुर' के दोनों सीजन में भी अहम भूमिका में नजर आए हैं।

# मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है

साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रेजिना कैसेंड्रा ने साल 2019 में फिल्म 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। मूल रूप से तेलुगू और तमिल फिल्मों में काम करने वाली रेजिना इसके बाद 'जाट', 'केसरी चैप्टर 2' जैसी फिल्मों, ओटीटी पर 'राकेट बॉयज' और 'फर्जी' जैसी हिंदी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। बीते साल अजित कुमार की फिल्म 'विदामुयार्ची' में नजर आ चुकी रेजिना कैसेंड्रा ने इंटरव्यू में कहा, 'मैं एक साउथ इंडियन एक्ट्रेस थी। ज्यादातर साउथ इंडियंस की तुलना में, मेरी हिंदी बहुत बेहतर है। मैं हिंदी पढ़, लिख और बोल सकती हूं, और मैंने अब तक इस भाषा में जो भी काम किया है, वह मेरी अपनी आवाज में है। यह मेरी अपनी हिंदी है, और मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि मैं उस रोल पर खरी उतरूं जो मुझे दिया गया है। लेकिन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मुझे घर जैसा महसूस होने में समय लगा।'

रेजिना कैसेंड्रा आगे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कहती हैं, 'बहुत से लोगों ने मेरे साथ बुरा बर्ताव किया। सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपने काम से भी। यह मेरे लिए एक तरह का बुरा नजरिया है। मेरा मतलब है, कोई भी बता सकता था कि मुझे एक खास तरह से नीचा दिखाया जा रहा था। मैंने यह महसूस किया। इसलिए नॉर्थ में मुझे कुछ हिचकिचाहट थी। लेकिन, हमेशा ऐसा नहीं होता, है ना?' जब रेजिना कैसेंड्रा से पूछा गया कि इस तरह के हालात में भी उन्होंने 'केसरी चैप्टर 2', 'रॉकेट बॉयज', 'फर्जी' और 'जाट' जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम किए हैं, तो वह बताती हैं, 'जब मैं लोगों के आस-पास होती हूं, तो मुझे लगता है कि वे मेरा वह पहलू देखते हैं, जिसमें मैं लगातार सीखती हूं। मैं जिस भी इंडस्ट्री में हूं, मैं किसी न किसी तरह उसे घर जैसा महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि इस इंडस्ट्री में एक महिला होने के नाते, हमारे लिए स्टीरियोटाइप होना बहुत आसान है। मेरा मतलब है, यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि आखिर में यह एक विजुअल मीडियम है, और एक बार जब आप कुछ देखते हैं, तो वह आपके दिमाग में बैठ जाता है। लेकिन मैं हमेशा वर्सेटाइल बनना चाहती थी। इसलिए, मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है, क्योंकि मैं हमेशा मेनस्ट्रीम कमर्शियल फिल्में नहीं करना चाहती।'

# विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी मालविका मोहनन

तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा ने अपनी आगामी फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' रखा है। हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' का पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंड में पोस्टर का रंग लाल है, जिसकी वजह से यह पोस्टर और ज्यादा इंटेंस लग रहा है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने इस फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में भी अहम जानकारी दी है। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी के अलावा किशोर भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। प्रोडक्शन कंपनी टायलर डर्डन एंड किनो फिस्ट ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी किया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि सोमवार से शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'त्यागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग शुरू।' 'पॉकेट नॉवेल' का संगीत इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नीरव शाह के कंधों पर है। इस फिल्म की कहानी और पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। वहीं इस फिल्म के गाने युग भारती ने लिखें हैं। विजय की इस फिल्म की घोषणा से फैंस और सिनेमा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

# 'जय हनुमान' में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे राणा दग्गुबाती

**प्रशांत वर्मा के डायरेक्शन में बन रही 'जय हनुमान' फिल्म को लेकर एक दिलचस्प खबर आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऋषभ शेट्टी स्टारर इस फिल्म में राणा दग्गुबाती को कास्ट किया गया है।**

ऋषभ शेट्टी ने बीते साल 'कांतारा चैप्टर 1' से बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई। मूल रूप से कन्नड़ में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 852.36 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। अब ऋषभ शेट्टी अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जय हनुमान' की तैयारी में जुटे हुए हैं। बीते दिनों इसका फर्स्ट पोस्टर रिलीज हुआ, तो ऋषभ शेट्टी को बजरंग बली के अवतार में देखकर फैंस की बाछें खिल गई थीं। अब ताजा जानकारी ये आ रही है कि इस फिल्म में राणा दग्गुबाती की एंट्री हुई है! जी हां, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'बाहुबली' के भल्लालदेव अब 'जय हनुमान' में एक अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। ऋषभ शेट्टी की 'जय हनुमान' साल 2024 की पौराणिक एक्शन ड्रामा ब्लॉकबस्टर 'हनु-मान' का सीक्वल है। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा दग्गुबाती को इस सीक्वल में एक अहम रोल के लिए अप्रोच किया गया है। बातचीत आखिरी दौर में है। यदि सब कुछ ठीक रहा, तो राणा इसी साल मार्च या अप्रैल 2026 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। 'जय हनुमान' को मैथरी मूवी मेकर्स, टी-सीरीज के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रही है। एक नई खबर यह भी है कि इस फिल्म को इसी महीने ऐतिहासिक शहर हम्पी में लॉन्च किया जाएगा। ऋषभ शेट्टी इस सीक्वल में भगवान हनुमान का रोल निभा रहे हैं। हालांकि,

## मार्च-अप्रैल में शुरू होगी शूटिंग

राणा दग्गुबाती का किरदार क्या होगा, इसको लेकर कोई जानकारी नहीं आई है।

### 2024 में तेजा सज्जा की 'हनु-मान' बनी थी ब्लॉकबस्टर

बीते साल 2025 में, मेकर्स ने 'जय हनुमान' का पोस्टर रिलीज किया था। यह डायरेक्टर प्रशांत वर्मा के 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' का अगला चैप्टर है। साल 2024 में तेजा सज्जा स्टारर उनकी फिल्म 'हनु-मान' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करते हुए वर्ल्डवाइड 295.29 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की थी।

### 'जय हनुमान' में ऋषभ शेट्टी की कास्टिंग ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

बीते साल अक्टूबर की शुरुआत में, 'जय हनुमान' के मेकर्स ने ऋषभ शेट्टी का फर्स्ट-लुक पोस्टर रिलीज किया था। इससे पहले फिल्म की कास्टिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसे में जब पोस्टर आया और उसमें ऋषभ शेट्टी टाइटल रोल में दिखे तो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच तहलका मच गया। फर्स्ट-लुक पोस्टर में वह एक खाली पड़े मंदिर में भगवान राम की मूर्ति के सामने घुटने टेकते हुए दिख रहे हैं।

### 'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर फिल्म बनाएंगे प्रशांत वर्मा

डायरेक्टर प्रशांत वर्मा अपने 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' में पौराणिक कथाओं को सुपरहीरो अंदाज में पेश कर रहे हैं। वह 'हनु-मान' और 'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर भी एक फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण के बेटे मोक्षज्ञ लीड रोल में होंगे।

# राहुल गांधी को सुनने उमड़ा सीहोर का जनसैलाब, जिलाध्यक्ष गुजराती के नेतृत्व में पहुंचे 3000 कांग्रेसी

## जिले की चारों विधानसभाओं से 14 बसें और 40 कारों का काफिला पहुंचा भोपाल, अमेरिका से ट्रेड डील के विरोध में किसान भी हुए शामिल

सत्ता सुधार ■ सीहोर

राजधानी भोपाल के जवाहर चौक पर आयोजित कांग्रेस की विशाल जनसभा में जिले का दमदार असर देखने को मिला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संबोधन को सुनने के लिए जिले से 3000 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान भोपाल पहुंचे। जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती के मार्गदर्शन में जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों सीहोर, आष्टा, इछावर और बुदनी से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सुबह से ही भोपाल के लिए रवाना होने लगे थे। श्री गुजराती ने बताया कि कार्यकताओं के उत्साह का आलम यह था कि जिले से 14 बड़ी बसें और 40 से अधिक निजी कारों का काफिला भोपाल पहुंचा। जवाहर चौक के सभा स्थल पर सीहोर के कार्यकताओं की मौजूदगी और उनके नारों ने सभा में जोश भर दिया।

**ट्रेड डील का विरोध, किसानों ने भी की भागीदारी :**कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने बताया कि इस बार की सभा में केवल राजनीतिक कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में जिले के किसान भी शामिल हुए। अमेरिका के साथ होने वाली ट्रेड डील को लेकर जिले के अन्नदाताओं में गहरा आक्रोश है। किसानों का मानना है कि इस डील से स्थानीय खेती और बाजार पर बुरा असर पड़ेगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा किसानों के हक की लड़ाई लड़ते हैं, यही कारण है कि आज सीहोर का किसान स्वेच्छा से उनके विचारों को सुनने और इस समझौते का विरोध दर्ज कराने भोपाल पहुंचा है।

जिले के सभी 18 ब्लॉक के कोने कोने से किसान एवं कांग्रेस जन पहुंचे, कार्यकर्ताओं में भरा जोश सभा के दौरान राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के संबोधन ने कार्यकताओं को नई ऊर्जा से भर दिया। जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा राहुल गांधीजी ने जिस तरह से जनता के मुद्दों और किसानों की समस्याओं को सदन से लेकर सड़क तक उठाया है, उससे कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं। बता दें राजीव गुजराती के नेतृत्व में पहुंचे इस जत्थे में जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, ब्लॉक अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस और एनएसर्यआई के पदाधिकारी भी शामिल रहे।

## ब्रीफ न्यूज

### सरपंच प्रतिनिधि विजय बैरागी ने किया क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

**अशोक नगर।** राधे रानी क्रिकेट क्लब द्वारा ग्राम हैदर में ग्रामीण स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को ग्राम पंचायत आवरी के सरपंच प्रतिनिधि विजय बैरागी द्वारा फीता काटकर क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। इसके पूर्व आयोजन समिति द्वारा माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया। इस

अवसर पर उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आगे जनों से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं में निखार आता है और वह ग्रामीण स्तर पर खेलने के पश्चात अच्छा प्रदर्शन करते हुए तहसील, जिला, संभाग, प्रदेश, राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक खेलते हैं और अपने ग्राम का नाम रोशन करते हैं। इस दौरान उन्होंने आयोजन समिति सहित सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनका परिचय प्राप्त किया। तथा खेल का शुभारंभ कराया।

### पूर्ण नल जल योजनाओं को ग्राम पंचायत के हैंड ओवर करें:कलेक्टर

**अशोक नगर।** कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा गुरुवार को जनपद पंचायत अशोकनगर के कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जो नलजल योजनाएं पूर्ण हो गई है, उन्हें संबंधित ग्राम पंचायतों को हेण्डओवर किये जाने की कार्यवाही की जाए। जिससे ग्रीष्मऋतु में पेयजल की उपलब्धता ग्रामीणों को आसानी से हो सके। उन्होंने पंचायतवार पेयजल की उपलब्धता हेतु हेण्डपम्प, सार्वजनिक कूप, निजी स्त्रोत तथा नलजल योजना की एक्सल शीट तैयार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि नल जल योजना के अंतर्गत एक्सल शीट तैयार की जाए। जिसमें दिनांक वार मोटर चालू करने का समय, घरों में पेयजल सप्लाई की स्थिति, संचालन कर्ता का नाम संधारित किया जाए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति के संबंध में सीईओ जनपद पंचायत से जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए।

### कलेक्टर ने किया लोक सेवा केंद्र का निरीक्षण

**अशोक नगर।** कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा गुरुवार को अशोक नगर तहसील परिसर में संचालित लोक सेवा केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लोक सेवा केन्द्र में आने वाले आवेदकों से प्राप्त आवेदनों को आवेदन पंजी में इन्द्राज किये जाने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि आवेदन पंजी का संधारण विधिवत हो। साथ ही प्रतिदिन आने वाले आवेदकों तथा सेवाएं प्रदान किये जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदक के हस्ताक्षर पंजी में हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मौके पर ही प्राप्त आवेदन का निराकरण प्रक्रिया को भी समझा तथा आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने उपस्थित आवेदकों से चर्चा कर समय सीमा में प्राप्त होने वाली शासकीय सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

## खनिज अधिकारी का संरक्षण, फिर किसका डर

# सरेआम चल रहा सिंध नदी पर रेत का अवैध उत्खनन

■ ना काटी जा रही रॉयल्टी की रसीद, ना मौके पर मौजूद ठेकेदार

■ धनलक्ष्मी का ठेका बता कर निकाली जा रही है नदी से रेत, सोवत में भी बताया जा रहा है कंपनी का ठेका

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

जिलेभर में खनिज अधिकारी के संरक्षण में बेखौफ अवैध खनन जारी है, चाहे मुरम हो, काली बाजरी हो या फिर बालू रेत, चाहे घाट या खदान का ठेका हो या ना हो, जब खनिज अधिकारी का संरक्षण फिर किसका डर। गुरुवार को ग्राम हिमोनिया-सोनेरा के बीच सिंध नदी पर सरेआम रेत का अवैध उत्खनन जारी था, खनिज माफिया ट्रैक्टर- ट्राली लगाकर, लगातार बालू रेत भरवा रहे थे, इसी दौरान मौके पर ग्राम रसूलपुर गरेठा निवासी मनोज केवट नामक व्यक्ति ने पूछने पर बताया कि वह यहां हेल्परी करता है, जब उससे पूछा कि यहां रॉयल्टी कौन काट रहा है, ठेकेदार कहां है तो वह कुछ नहीं बता पाया, बल्कि यह कहने लगा कि वह किसी से पूछ कर बताता है, और संभवतः जो लोग ट्रैक्टर ट्राली में बालू रेत भर कर ले जा रहे थे या अवैध उत्खनन कर रहे थे शायद उन्ही से पूछने की बात कह रहा होगा।

उसने बताया कि ग्राम सोवत में भी धनलक्ष्मी का ठेका है। इस तरह खनन माफियाओं द्वारा जिले के नदी घाटों से अवैध रूप से रेत की ढुलाई वाहनों के माध्यम से की जा रही है। ना तो कोई रोक-टोक करने वाला है ना कोई देखरेख कर रहा है। अधिकारी मौके पर जाते नहीं क्योंकि उन्हें घर पर बैठे ही खनन माफियाओं से सेवा मिल जाती है। ऐसे में जिले की खनिज संपदा को अवैध रूप से खनन माफिया निकाल रहे हैं और लाखों करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। इससे एक तरफ राजस्व की हानि तो हो ही रही है वहीं दूसरी तरफ नियम विरुद्ध खनन करने से पर्यावरण संतुलन भी बिगड़ रहा है। इस संबंध में खनिज अधिकारी वीरेंद्र वर्मा से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि इस संबंध में सरपंच की शिकायत भी आई थी। हमने विभाग के लोगों को पुलिस वालों के साथ भेजने के लिए थाने भेजा है, थाने से अभी पुलिस बल नहीं मिला है, पुलिस बल मिलते ही मौके पर जाएंगे। वहां किसी कंपनी को खनन की स्वीकृति नहीं है किसी का ठेका नहीं है।

**इनका कहना है**

अवैध उत्खनन के संबंध में सरपंच की शिकायत भी आई थी, हमने विभाग के लोगों को पुलिस वालों के साथ भेजने के लिए थाने भेजा है, थाने से अभी पुलिस बल नहीं मिला, पुलिस बल मिलते ही मौके पर जाएंगे।

**वीरेंद्र वर्मा, प्रभारी जिला खनिज अधिकारी अशोकनगर।**

## यूजीसी के समर्थन में विशाल आमसभा कल

■ एससी, एसटी, ओबीसी एकता मंच निकालेगा विशाल रैली, सौंपेगा ज्ञापन

■ संविधान बचाने एकजुट हुआ बहुजन समाज प्रेस वार्ता में फूंका आंदोलन का बिगुल, उठी 8 सूत्रीय मांगें

■ ओबीसी का 13 प्रतिशत होल्ड हटाने जातीय जनगणना की उठी मांग

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

शहर की सड़कों पर आगामी 28 फरवरी को सामाजिक न्याय की एक बड़ी लहर दिखाई देगी। दीना भाना साहब की जयंती के उपलक्ष्य में अनुसूचित जाति, अनुसूचित, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग समाज ने मिलकर एक साझा मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को आयोजित एक संयुक्त प्रेस वार्ता में 'ओबीसी, एससी, एसटी एकता मंच' ने प्रशासन और सरकार के खिलाफ संविधान बचाओ-आरक्षण बचाओ आंदोलन का शंखनाद किया है।

### इन मांगों को लेकर देंगे ज्ञापन

यूजीसी पूर्ण रूप से लागू करो, ओबीसी का 13 परसेंट होल्ड हटाओ, ओबीसी को विधानसभा, लोकसभा में आरक्षण लागू करो, जातीय जनगणना में ओबीसी का कॉलम जोड़ों, जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी, एससी, एसटी, ओबीसी के बैक लॉग पदों की भर्ती करो, ग्वालियर हाईकोर्ट में संविधान निर्माता बाबा साहेब की मूर्ति स्थापित की जाये। आईएएस संतोष वर्मा से संबंधित प्रकरण की पारदर्शी एवं निष्पक्ष समीक्षा की जाए।

### विमानों के चबूतरे पर जुटेगा जनसैलाब

एकता मंच के पदाधिकारियों, डॉ विजेंद्र सिंह यादव, रामस्वरूप शिवहरे आदि ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि शनिवार 28 फरवरी को सुबह 11 बजे पछाड़ी खेड़ा रोड स्थित विमानों के चबूतरे पर एक विशाल आमसभा का आयोजन किया जाएगा। इस सभा में जिले भर से हजारों की संख्या में लोग जुटेंगे, जिसके बाद एक विशाल रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासन को राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। एकता मंच के लोगों ने आग्रह किया है कि आप सभी एससी, एसटी, ओबीसी के साथियों, अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए कार्यक्रम को सफल बनावे।

# सुनाया गया रूकमणी विवाह, श्रीकृष्ण सुदामा प्रसंग

### शौभायात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का समापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

अयोग्य वर का विरोध कर परिजनों की इच्छा से माता रूकमणी ने श्रीकृष्ण से विवाह किया था स्वयं भगवान इस विवाह के साक्षी बने थे। बेटे बेटियों की हर संभव इच्छाओं को माता पिता पुरी करते है। इस लिए हर बच्चे को अपने माता पिता के मान सम्मान और इच्छा का ध्यान रखना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता हमें अच्छे मित्र बनाने के लिए प्रेरित करती है।

मित्र बनाने में बेटे बेटियों को सावधानी बरतनी चाहिए उक्त बात बुधवार को मोर गार्डन में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के दौरान रूकमणी विवाह और श्रीकृष्ण सुदामा प्रसंग सुनाते हुए पंडित राजेश शर्मा ने श्रद्धालुओं के मध्य कहीं। उन्होने कहा कि माता रूकमणी के भाई किसी अयोग्य युवराज से रूकमणी का विवाह कराने चाहते थे किंर्त रूकमणी ने आत्म से भगवान श्रीकृष्ण को पति मान लिया था माता रूकमणी और परिजनों की सहमति से रूकमणी हरण की लीला भगवान के द्वारा की गई। विवाह प्रसंग के द्वारा माता रूकमणी की श्रद्धालु महिलाओं के द्वारा पेर पूजन और कन्यादान भजन कीर्तन के साथ सम्पन्न कराया गया। पंडित राजेश शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जब भक्त को देते है तो छप्पड़ फाड़ कर देते है दरिद्र सुदामा को भगवान ने दोनों लोक दे दिए थे हमें भगवान की भक्ति विश्वास श्रद्धा के साथ करनी चाहिए। कथा के मुख्य यजमान अनिल सक्सेना ने परिजनों के साथ गीताजी की विधिवत पूजा अर्चना की और यज्ञ में कथा पूणार्हुति के लिए आहुतियां दी। समापन अवसर पर भव्य शौभायात्रा निकाली गई। प्रसादी के साथ श्रीमद भागवत कथा का विश्राम किया गया।

# भूमिपूजन हुआ, सड़क आज भी लापता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुजराती का सीधा हमला, बोले- चुनाव में बज गए ढोल, अब धूल फांक रही जनता

### टांडा से मेंडोरा मार्ग की बदहाली पर बोले गुजराती, क्या जनता की परेशानी सिर्फ चुनावी भाषणों तक ही सीमित है

सत्ता सुधार ■ सीहोर

जिले में विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच की दूरी एक बार फिर उजागर हुई है। सीहोर विधानसभा क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित टांडा से मेंडोरा मार्ग की दुर्दशा को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने प्रशासन और सत्ताधारी दल पर सीधा हमला बोला है। श्री गुजराती ने कहा कि तीन साल पहले जिस सड़क का भूमिपूजन बड़े-बड़े वादों और ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया था, वह सड़क आज भी लापता है।

मामले को प्रमुखता से उठाते हुए राजीव गुजराती ने बताया कि विधानसभा चुनाव के समय इस महत्वर्पर्ण मार्ग का भूमिपूजन किया गया था। उस समय फीते काटे गए, फोटो खिंचवाई गई और जनता को भरोसा

दिलाया गया था कि अब उनके दुख दूर होंगे। लेकिन आज हकीकत यह है कि वह पत्थर तो वहीं खड़ा है पर सड़क का कहीं नामोनिशान नहीं है। सवाल यह उठता है कि क्या वह भूमिपूजन सिर्फ चुनावी मंच की शोभा बढ़ाने और वोट बटोरने के लिए था।

**धूल और गड्ढों से परेशान ग्रामीण :**कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने बताया कि सड़क का निर्माण न होने से टांडा और मेंडोरा क्षेत्र के ग्रामीणों का जीवन नरक बन गया है। ग्रामीण रोज कीचड़ और धूल से जूझ रहे हैं। सड़क पर इतने गहरे गड्ढे हैं कि वे आए दिन हादसों को दावत दे रहे हैं। बरसात के मौसम में तो हालात इतने बदतर हो जाते हैं कि बीमारों को अस्पताल ले जाना तक दूभर हो जाता है। ठेकेदार और संबंधित विभाग की जुगलबंदी के कारण जनता को यह सजा भुगतनी पड़ रही है।

**कार्रवाई करो या सड़क बनाओ :** कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने जिला प्रशासन से दो टूक शब्दों में मांग की है। उन्होंने कहा ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। विकास सिर्फ पोस्टरों और बैनरों में नहीं, जमीन पर दिखना चाहिए। उन्होंने प्रशासन के सामने दो प्रमुख मांगें रखी हैं कि लापरवाह ठेकेदार पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई कर उसे ब्लैकलिस्ट किया जाए। बिना किसी और देरी के इस सड़क का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कराया जाए।

**हादसों का सबब बना अधूरा मार्ग :** क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि सड़क अधूरी होने के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है। धूल के गुबार की वजह से वाहन चलाते समय सड़क पर दिखाई नहीं पड़ता, जिससे मोटरसाइकिल सवार गिरकर घायल हो रहे हैं। राजीव गुजराती ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के हक के लिए उग्र आंदोलन करेगी।

# गर्मी के मौसम में जिले की पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ रहे: कलेक्टर

**अशोक नगर।** कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा गुरुवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यालय पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए जिले में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुदृढ़ रहे यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पेयजल संबंधी शिकायतों की तिथिवार पंजी संधारित किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही हैण्ड पम्पों को आउटसोर्स से सुधारे जाने के संबंध में दैनिक रजिस्टर बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने एकल नलजल योजना के अंतर्गत चार्ट अनुसार जानकारी संकलित किये जाने तथा साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि चालू हैण्ड पम्पों का डाटा अपडेट रखा जाए।

## कलेक्टर ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के त्वरित और निशुल्क इलाज के लिये पीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के दिये निर्देश

# दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात को सुगम बनाने के कलेक्टर-एसपी ने दिये निर्देश

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरु के. की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. तथा एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को त्वरित इलाज के लिये पीएम राहत योजना के तहत चिकित्सालयों में पीड़ितों के इलाज की कैशलैस योजना के प्रभावी रूप से क्रियान्वयन के लिये पुलिस, परिवहन, एनआईसी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकरियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में जानकारी दी गई कि पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल प्रत्येक पात्र व्यक्ति को दुर्घटना की तिथि से 07 दिनों तक प्रति व्यक्ति अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

जीवन को खतरा नहीं होने की स्थिति में अधिकतम 24 घंटे तथा गंभीर मामलों में अधिकतम 48 घंटे तक स्टेबलाइजेशन उपचार प्रदान किया जाता है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सड़क दुर्घटना में मृत एवं

घायलों को मिलने वाली राहत राशि के प्रकरणों पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दियें। उन्होंने कुबरेश्वर धाम के सामने हाईवे पर हाई मास्ट लाइट लगाने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाए तथा आवश्यक होने पर ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन का प्रस्ताव भी भेजा जाए। सड़क दुर्घटनाएं रोकने हेतु ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर उनके रेक्टिफिकेशन की कार्रवाई निरंतर की जाए और प्रत्येक माह दुर्घटनाओं का विश्लेषण कर रिपोर्ट बैठक में प्रस्तुत की जाए। ओवर स्पीडिंग पर नियंत्रण के लिए हाईवे के टोल नाकों के पास स्पीड रडार गन के माध्यम से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सड़क दुर्घटना में घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्तियों को जिला प्रशासन द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की बात भी कही गई। उन्होंने सीहोर शहर में यातायात बाधित करने वाले अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए, ताकि ट्रैफिक संचालन सुचारू रूप से हो सके। साथ ही निर्माण कार्यों के बीच में आ रहे बिजली के पोल को शिफ्ट करने की कार्रवाई करने के निर्देश भी संबंधित विभाग को दिए। बैठक में आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। सड़क दुर्घटना में घायलों को मुख्यमंत्री राहत योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला वन मंडल अधिकारी अर्चना पटेल, ईपीडब्ल्यूडी के बीएल अहिरवार, आरटीओ रीतेश तिवारी, एमपीआरडीसी के एसडीओ संजीव जैन, यातायात प्रभारी बृजमोहन धाकड़ सहित अन्य अधिकारी अधिकारी उपस्थित थे।

## ब्रीफ न्यूज

### कॉरपोरेट मंत्रालय ने शुरू की तीन माह की अनुपालन राहत योजना

**नई दिल्ली ।** भारत के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने तीन महीने की अनुपालन सुविधा योजना की घोषणा की है। यह योजना 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक लागू रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों को लंबित वार्षिक फाइलिंग नियमित करने में मदद देना और देरी के कारण लगे अतिरिक्त शुल्क से राहत प्रदान करना है। इस योजना के तहत कंपनियों को देरी से जमा फाइलिंग पर कुल अतिरिक्त शुल्क का केवल 10 फीसदी भरना होगा और शेष विलंब को माफ कर दिया जाएगा। यह सुविधा एमएसएमई और निजी कंपनियों सहित सभी योग्य कंपनियों के लिए उपलब्ध है। कई कंपनियां समय पर वार्षिक अनुपालन पूरा नहीं कर पाईं, जिससे उनके ऊपर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ गया। मंत्रालय ने कंपनियों द्वारा अतिरिक्त समय और शुल्क में राहत के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए यह योजना लागू की है।

### नीलामी में उपलब्ध 11,790 मेगाहर्ट्ज दूरसंचार स्पेक्ट्रम का मूल्य 2.1 लाख करोड़

**नई दिल्ली ।** भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 11,790 मेगाहर्ट्ज रेडियो तरंगों के स्पेक्ट्रम की नीलामी की सिफारिश की है। सूत्रों के अनुसार, यदि संपूर्ण स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाता है, तो इसका कुल आधार या आरक्षित मूल्य लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये होगा। यह मूल्य 2022 में अनुशंसित कीमतों की तुलना में 19 प्रतिशत कम है। ट्राई ने नीलामी की सिफारिश नई कंपनियों के प्रवेश को आसान बनाने और दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए की है। इससे बाजार में संतुलन बनेगा और छोटे या नए खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ेंगे। नियमों में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि हर कंपनी अधिकतम 35 प्रतिशत स्पेक्ट्रम रख सकती है। इस सीमा का उद्देश्य किसी एक कंपनी के पास अत्यधिक स्पेक्ट्रम होने से रोकना और प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाए रखना है।

### रुपया छह पैसे चढ़कर 90.85 डॉलर पर खुला

**मुंबई ।** रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.85 पर खुला। डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों के निवेश में वृद्धि से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की सकारात्मक शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा को और मजबूती प्रदान की जबकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने रुपये की तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.86 पर खुला। फिर 90.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को सीमित दायरे में कारोबार करते हुए चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.57 पर रहा।

**हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल**

# भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है। दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ एशिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक

प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओर्व्च्युनिटी काल इंडिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र 'ट्रिपल इंजन ग्रोथ' पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है।

## सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का 1,087 करोड़ का आईपीओ 4 मार्च को खुलेगा

**नई दिल्ली ।** पावरट्रेन कंट्रोल और मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का 1,087 करोड़ रुपए का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 4 मार्च को खुल रहा है और 6 मार्च 2026 को बंद होगा। आईपीओ के लिए तय किया गया मूल्य दायरा 1,287 से 1,352 रुपए प्रति शेयर है। इस आधार पर कंपनी का ऊपरी सीमा पर मूल्यांकन लगभग 6,000 करोड़ है। एंकर निवेशक 2 मार्च से बोली लगा पाएंगे। आईपीओ में कोई नया निर्गम नहीं है। यह पूरी तरह ओएफएस पर आधारित है। सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स दोपहिया और तिपहिया आंतरिक दहन इंजन वाहनों के लिए सेंसर-लेस कम्प्यूटेशन आधारित 'इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर ईसीयू' का विकास, डिजाइन और निर्माण करती है। इसके प्रमुख ग्राहक टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स, ब्रिग्स एंड स्ट्रैटन एलएलसी और डीईआईएफ इंडिया हैं। कंपनी का शेयर 11 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से मौजूदा शेयरधारकों से शेयर खरीद सकेंगे।

# पीयूष गोयल ने व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

**भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे**

एजेंसी ■ मुंबई

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं। इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबो?धित करते हुए बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के

केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं। एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है। गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी। कार्यक्रम में उन्होंने देशभर के प्रमुख उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों को पुरस्कार वितरित किए और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए सहयोग की अपील की।

### वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

**नई दिल्ली।** फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लॉन्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है। फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शॉट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। ऑटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफॉर्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है। इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस मॉडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है। उच्च वेरिएंट्स में लेवल-2 अडास, कनेक्टेड कार फीचर्स, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, पावर्ड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलने की उम्मीद है।

## अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वृद्धि, बेरोजगारी में कमी की उम्मीद: आईएमएफ रिपोर्ट

**बेरोजगारी दर 2025 में 4.5 से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रहने की संभावना**

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था का 2026 तक का आकलन पेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जो 2025 के 2.2 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि को मोटे तौर पर सकारात्मक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह सकती है। आईएमएफ ने कहा कि रोजगार बाजार में अत्यधिक गिरावट न आए तो फेडरल रिजर्व को ब्याज दर में और कटौती से बचना चाहिए। महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। फेडरल रिजर्व की मौजूदा रेपो दर 3.6 प्रतिशत है, जिसे घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत किया जा सकता है। 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की गई थी। आईएमएफ ने अमेरिकी संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में 2025 के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात शुल्क नहीं होते, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। संरक्षणवादी नीतियां अपेक्षा से अधिक नकारात्मक असर डाल सकती हैं। हालांकि, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है। आईएमएफ के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में बढ़ेगी, बेरोजगारी घटेगी और महंगाई नियंत्रित रहेगी, लेकिन बढ़ता सरकारी कर्ज और संरक्षणवादी नीतियां आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम बन सकती हैं।

# सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

**मजबूत ऑर्डर बुक और बढ़ते मार्जिन पर ब्रोकरेज का बड़ा दांव**

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है। एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकॉर्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए ऑर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना

बनाई है। इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कॉरिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए ऑर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार फैक्ट्रियों की क्षमता उपयोग दर 77.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो निजी निवेश के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। हालांकि गैर-बिजली औद्योगिक कंपनियों की बिक्री में सिर्फ 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उनका मुनाफा मार्जिन घटकर 11.7 प्रतिशत रह गया है। नए ऑर्डर में 26 प्रतिशत की बढ़त जरूर दर्ज की गई है, जो धातु, तेल-गैस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों से आई है। इसके बावजूद पारंपरिक औद्योगिक निवेश में व्यापक तेजी अभी बाकी है।

### सोने का भाव 600 से ज्यादा टूटा, चांदी में 4,000 की गिरावट

**नई दिल्ली ।** कीमती धातुओं के वायदा बाजार में गुरुवार को सुस्ती का माहौल देखने को मिला। घरेलू स्तर पर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ खुले और कारोबार के दौरान भी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 615 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,530 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,61,145 रुपये था। इस समय यह 468 रुपये की नरमी के साथ 1,60,677 रुपये पर कारोबार कर रहा था। सत्र के दौरान सोने ने 1,60,745 रुपये का उच्च और 1,60,516 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष सोना 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 4,016 रुपये टूटकर 2,64,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 2,68,316 रुपये था।

**डाकघर की मंथली इनकम स्कीम**

# सुरक्षित निवेश और नियमित आमदनी का भरोसेमंद जरिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय डाकघर द्वारा संचालित मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) एक ऐसा निवेश विकल्प है जिसमें आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। यह योजना केंद्र सरकार की गारंटी के साथ आती है, इसलिए निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि आपको बार-बार पैसे जमा करने की आवश्यकता नहीं। एक बार राशि जमा करने के बाद आप अगले 5 सालों तक मासिक आमदनी का लाभ ले सकते हैं। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस इस योजना पर 7.4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर ऑफर कर रहा है। एमआईएस खाते को आप सिंगल या जॉइंट अकाउंट के रूप में खोल सकते हैं। सिंगल अकाउंट में न्यूनतम 1000 रुपये, अधिकतम 9 लाख रुपये। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये, जिसमें 3 सदस्य शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप और आपकी पत्नी मिलकर 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मासिक ब्याज 9250 रुपये सीधे आपके बचत खाते में ट्रांसफर होगा।

#### लाभ और सुविधा

**मासिक आमदनी-** ब्याज सीधे बैंक खाते में जाता है।

**5 साल की अवधि-** मैच्योरिटी पर मूल निवेश राशि वापस मिलती है।

**सरल प्रक्रिया-** खाता खोलने और ब्याज प्राप्त करने के लिए पोस्ट ऑफिस में सेविंग्स अकाउंट होना अनिवार्य है।

**घोषणा** | **बदल जाएगा ऑनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका**

# भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अनरिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफॉर्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे

सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफॉर्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है। ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है।

भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह ऑफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

## एआई फिल्म निर्माण की दिशा और दशा दोनों बदल देगी: शेखर कपूर

**दर्शक और एआई मिलकर लिखेंगे फिल्मों की कहानी**

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रख्यात फिल्मकार शेखर कपूर का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले समय में फिल्म निर्माण की दिशा और दशा दोनों बदल देगी। नई दिल्ली के भारत मंडपम में हाल ही में आयोजित बीएस मंथन कार्यक्रम में एआई के दौर में सिनेमा विषय पर उन्होंने कहा कि भविष्य में फिल्में केवल निर्देशक की सोच तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि दर्शक और एआई मिलकर कहानी रचेंगे। मासूम, मिस्टर इंडिया और बैंडिट क्वीन जैसी चर्चित फिल्मों के निर्देशक कपूर ने कहा कि एआई फिल्मकारों को सशक्त बनाएगी। उनका कहना था कि जहां पारंपरिक तरीके से एक फिल्म बनाने में उन्हें लगभग तीन साल लगते हैं, वहीं एआई की मदद से सीमित संसाधनों में भी दो दिन के भीतर फिल्म बनाई जा सकती है। इससे उन रचनाकारों को अवसर मिलेगा, जिनके पास बड़े बजट या संसाधन नहीं हैं। कपूर ने बताया कि उनकी साइंस-फिक्शन वेब सीरीज वॉरलॉर्ड का निर्माण पारंपरिक तरीकों के बजाय एआई तकनीक की सहायता से किया गया है। सैकड़ों करोड़ रुपये के बजट के दौर में एआई फिल्म निर्माण को अधिक लोकतांत्रिक और सुलभ बना सकती है।

## ब्रीफ न्यूज

### 38 कनेक्शन काटे, 4 लाख 45 हजार किए वसूल

**जौरा।** विद्युत विभाग की मुख्य विनोद कटारे एवं अन्य अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में सहायक यंत्री पी एस यादव कनिष्ठ यंत्री मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में टीम द्वारा वसूली की गई। इस दौरान बृजमोहन धाकड़, ऋषिकेश कुशवाहा, मनोज कुमार जाटव, हरिओम कुशवाहा, अमरकांत शर्मा, भरत मीना, रजत शर्मा अन्य कर्मचारियों द्वारा 38 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए जो कई माह से समाधान योजना में भी बिलों की बकाया राशि को जमा नहीं कर रहे थे। कनेक्शन काटने के बाद जब विद्युत आपूर्ति प्राप्त हो गई तब शाम को वसूली टीम को 4,45,000 रूपए की वसूली भी प्राप्त हुई। विद्युत अधिकारियों का कहना है कि 28 फरवरी तक समाधान योजना जारी है।

### कलेक्टर के निर्देशन में बाल विवाह रुकवाया गया

**मुरैना।** चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर कुंआ तोर, सबलगढ़ में बाल विवाह किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित जानकारी सबलगढ़ परियोजना अधिकारी को दी गई। परियोजना अधिकारी श्रीमती भगवती शर्मा द्वारा पुलिस प्रशासन के सहयोग से टीम गठित कर मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की गई। टीम द्वारा नाबालिग बालिका को रेस्क्यू कर बाल विवाह को रुकवाया गया।

### हायर सेकेण्डरी परीक्षा में 2281 परीक्षार्थी हुए सम्मिलित

**मुरैना।** जिला शिक्षा अधिकारी बी.एस. इंदौलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त परीक्षा में कुल 2352 परीक्षार्थी पंजी.त थे, जिनमें से 2281 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 71 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं तथा परीक्षा का संचालन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

### साइबर फ्रॉड के जरिए की गई ठगी की रकम को पुलिस ने 24 घंटे में कराया वापस

**मुरैना।** जिले के बागचीनी थाना अंतर्गत गलेथा गांव के एक युवक से साइबर फ्रॉड के जरिए 3,57,000 से अधिक की ठगी कर ली गई। साइबर पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उक्त मामले में तत्परता पूर्वक कार्रवाई करते हुए ट्रांजैक्शन को रद्द करवाकर फरियादी की रकम को वापस कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 फरवरी की शाम 5 बजे फरियादी राकेश शर्मा पुत्र रामप्रकाश शर्मा निवासी ग्राम गलैथा थाना बागचीनी द्वारा सायबर सेल को बताया गया कि आज सुबह करीबन 10:00 बजे उसके दोस्त ऋषी शर्मा के नंबर से व्हाट्सअप पर मैसेज आया कि आपके नाम से ई-चालान कटा है या नहीं, इस लिस्ट में चैक करें। उसके बाद जैसे ही फरियादी ने ई चालान एपीके फाइल डाउनलोड किया तो वह फाईल डाउनलोड होने के बाद खुल नहीं रही थी, तो उसने ध्यान नहीं दिया। शाम को करीबन 4:30 बजे फरियादी के मोबाईल पर उसके क्रेडिट कार्ड से कुल 3,57,600 रूपए कटने के मैसेज आये, जिसके उपरांत फरियादी द्वारा अपने दोस्त से पूछा तो उसने बताया कि उसका मोबाइल हैक हो गया था, किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उक्त मैसेज भेजे थे।

### नगर का विकास अवरुद्ध, साफ-सफाई व निर्माण कार्य अटके, तालाबंदी का अल्टीमेटम

# अध्यक्ष के विरुद्ध 2 महीने पहले आया अविश्वास प्रस्ताव, नहीं हुई कार्यवाही

**सत्ता सुधार ■ सबलगढ़**

जिले की सबलगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष एवं सीएमओ के कार्यकाल में नगर विकास का कोई कार्य नहीं हो रहा, जिससे सत्ता पक्ष एवं विपक्षी दल के पार्षद काफी आक्रोशित हैं और उन्होंने गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष एवं सीएमओ के खिलाफ नगर पालिका के बाहर जमकर प्रदर्शन किया तथा तख्तियां लेकर रैली निकाली। दो माह पूर्व अध्यक्ष के विरुद्ध पार्षद अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए लेकिन राइट टू रिकॉल का विधि सम्मत कार्यवाही नहीं की गई है। नगर की साफ-सफाई व्यवस्था एवं निर्माण कार्य सब अटके पड़े हैं जिससे पार्षदों को जनता की खरी-खोटी सुननी पड़ रही है।

पार्षदों ने मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया है और 7 दिवस में कार्रवाई नहीं होने पर तालाबंदी की चेतावनी दी है। आक्रोशित पार्षदों ने गुरुवार को तख्तियां लेकर नगर पालिका भवन पर प्रदर्शन किया। पार्षदों ने बताया कि नगर में पिछले 3:30 वर्ष से कोई विकास कार्य नहीं हुआ है शहर के तमाम वार्ड गंदगी और जल भराव की समस्या से जूझ रहे हैं। निर्माण कार्यों के नाम पर पैसा लुटाया जा रहा है लेकिन काम कहीं दिखाई नहीं दे रहा, वहीं कर्मचारियों को 8-8 माह से वेतन नहीं मिल रहा। पार्षदों ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को गुरुवार की दोपहर ज्ञापन देते हुए कहा है कि सात दिवस के अंदर कार्रवाई नहीं की गई तो नगर पालिका भवन पर तालाबंदी की जाएगी। ज्ञापन में मांग की गई है कि मुख्य मार्गों एवं विभिन्न वार्डों में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था बाधित है, उसे सही कराया जाए। पेयजल टंकियों की नियमित सफाई एवं लीकेज सुधार कार्य कराया जाए। सफाई व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। पार्षदों को प्रशासनिक एवं वित्तीय जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं कराई जा रही है व कथित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच एवं शासकीय धन की रिकवरी कराई जाए, कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों के भुगतान तत्काल किए जाए।

### नपा अध्यक्ष के पति ने महिला सिंगर पर की अभद्र टिप्पणी

# कहा- मेरी मर्जी के बगैर कोई नगर पालिका अध्यक्ष नहीं बनेगा

### पूर्व में भी मारपीट के मामले में सुर्खियों में छाए थे नपा अध्यक्ष पति

**सत्ता सुधार ■ मुरैना**

जिले के अंबाह क्षेत्र से भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती अंजलि जैन के पति जिनेश जैन द्वारा जयेश्वर महादेव मेला के रंगमंच पर माइक लेकर महिला सिंगर के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी कर डाली और यहां तक कह डाला कि उनकी मर्जी के बगैर नगर पालिका का अध्यक्ष कोई नहीं बन सकता।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। नगर पालिका अध्यक्ष के पति द्वारा पिछले वर्ष भी मेले के दौरान मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था जिसमें पुलिस थाने में मामला भी दर्ज हुआ था। वायरल वीडियो में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष के पति जिनेश जैन माइक लेकर मेला रंगमंच पर कहने लगे कि कल जो महिला सिंगर की पेंट टुंडी से 3 इंच नीचे थी, तो मैने पब्लिक को कह दिया कि आपको मजा आ रहा है, तो इसमें क्या बुराई की बात है। एक ओर अनुशासित भाजपा पार्टी के प्रधानमंत्री व अन्य केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री महिला सम्मान की बात करते हैं, वहीं भाजपा जिला उपाध्यक्ष महिला सिंगर के विरुद्ध इस प्रकार की अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे भाजपा का चरित्र जनता के सामने आ रहा है। इसके साथ ही नपा अध्यक्ष पति ने नशे में चूर होकर मंच से यह तक कह दिया कि उनके बगैर नगर पालिका का अध्यक्ष कोई नहीं बन सकता। उक्त वीडियो वायरल होने के बाद जहां भाजपा जिला उपाध्यक्ष को लेकर जिले भर में चर्चा है, वहीं पार्टी की भी काफी किरकिरी हो रही है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी इसी मेला रंगमंच पर नपा अध्यक्ष पति द्वारा अपनी ही पार्टी एक कार्यकर्ता की मारपीट कर दी गई थी और पुलिस पर भी हाथ उठाया था, जिसमें उनके विरुद्ध मामला भी दर्ज हुआ था।

### कांग्रेस ने किया विरोध, महिला पार्षदों सहित प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

नगर में आयोजित जयेश्वर महादेव मेला के रंगमंच पर महिलाओं को लेकर कथित अश्लील एवं आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में गुरुवार को थाना प्रभारी को सौंपे गए ज्ञापन में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष उमाचरण कटारे सहित महिला पार्षद ललिता अतेंद्र सखवार, श्वेता सखवार एवं अन्य महिलाओं ने भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्तियों को अपने शब्दों और आचरण के प्रति अधिक संवेदनशील रहना चाहिए। ज्ञापन में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष जिनेश जैन पर सार्वजनिक मंच से महिलाओं के संबंध में अमर्यादित टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया। इस दौरान पार्षद जय राजोरिया, पार्षद सुनील सखवार, जगन्नाथ कुशवाहा, महुआ ब्लॉक अध्यक्ष शेरा तोमर, बृज किशोर सखवार, देवेंद्र सखवार, वीरेंद्र सखवार, भागीरथ प्रजापति, राम बहादुर प्रजापति, सोनू सखवार, भूरा तोमर, मनीष तोमर, सरदार तोमर सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। थाना प्रभारी ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

### फेरा करने के बाद वापस आ रही फॉर्च्यूनर गाड़ी बिजली घर में जा घुसी, दो लोग घायल

**सत्ता सुधार ■ मुरैना**

बीती रात एक बड़ा सड़क हादसा होते होते टल गया, जब फॉर्च्यूनर गाड़ी अनियंत्रित होकर बिजली घर में जा घुसी। गनीमत रही कि गाड़ी में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं, हालांकि दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। बताया जाता है कि पिनाहट की तरफ से फेरा करने के बाद फॉर्च्यूनर में सवार सभी लोग मुरैना की ओर लौट रहे थे, तभी दिमनी पुल के पास अचानक गाड़ी का चालक नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार में चल रही फॉर्च्यूनर अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और पास में स्थित बिजली घर में जा घुसी, जहां खंभे से टकरा गई। आसपास के लोगों के अनुसार मोड़ पर अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण वाहन पलटते हुए बिजली घर परिसर में जा पहुंचा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भिजवाया गया। बताया जा रहा है कि दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि गाड़ी बिजली घर में पलटी हुई खड़ी है और आसपास लोगों की भीड़ जमा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

### सांड को बचाने के चक्कर में लोडिंग वाहन दूसरे वाहन से टकराया

**मुरैना।** बुधवार की शाम दिमनी थाना अंतर्गत स्टेट हाईवे पर पोरसा से आ रहा एक लोडिंग वाहन सांड को बचाने के चक्कर में एक अन्य वाहन से टकरा गया, जिससे वह पलट गया और उसमें ग्वालियर निवासी एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक घायल बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरज राठौर पुत्र कल्यान राठौर 45 निवासी खेत की घड़ी तरैनी पोरसा हाल निवासी शताब्दी पुरम ग्वालियर में किराये से रहता है। बुधवार को सुरज ऑटो से अपने गांव गया था। बीती शाम को वह ऑटो से ग्वालियर की ओर लौट रहा था, तभी दिमनी थाना क्षेत्र के स्टेट हाइवे-552 पर अचानक साड़ के सामने आ जाने से उसे बचाने के चक्कर में ऑटो लोडिंग एक अन्य वाहन से टकराकर पलट गया, जिससे ऑटो चालक ओर एक अन्य युवक घायल हो गया। सूचना पाकर डायल 112 मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल पहुँचाया। इमरजेंसी ड्यूटी डॉक्टर ने चेकअप के बाद सूरज को मृत घोषित कर दिया, जबकि ऑटो में एक सवारी के रूप में बैठे युवक को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया।

## आगरा में भाभी को देखने गए जीगनी गांव के दंपति को डंपर ने कुचला, मौत

**सत्ता सुधार ■ मुरैना**

बुधवार की शाम आगरा के अस्पताल में भर्ती अपनी भाभी को देखकर बाइक से लौट रहे पति-पत्नी की डंपर से कुचलकर मल्हारपुरा थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर दर्दनाक मौत हो गई। इस दुर्घटना के बाद मृतक के दो बेटी व एक बेटा का रो-रोकर बुरा हाल है। पति-पत्नी के शब्द गुरुवार की सुबह जीगनी गांव लाए गए जहां शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुकेश यादव पुत्र जयवीर सिंह यादव 38 निवासी जीगनी बुधवार की सुबह अपनी पत्नी सीमा 34 के साथ आगरा के एक अस्पताल में भर्ती अपनी भाभी सुनीता यादव को देखने बुधवार को बाइक से आगरा गए हुए थे, जब उसी शाम को वह बाइक से लौट रहे थे, तभी ककुआ चैकी मल्हापुरा

थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे-44 ग्वालियर रोड पर स्थित बाद का पुल के पास पीछे से तेज गति से आ रहे डम्पर ने जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे कुचलकर दोनों की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। आगरा में पोस्टमार्टम के बाद दोनों पति पत्नी के शव जीगनी गांव लाए गए, जहाँ गांव के मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मृतक पति-पत्नी अपने पीछे 14 एवं 16 साल की दो बेटी एवं एक 10 वर्ष के बेटे को छोड़ गए हैं। माता पिता असमय मृत्यु से परिवार के साथ पूरा गांव शोकमग्न है।

### करंट लगने की दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवती व एक युवक की मौत

**मुरैना।** सिविल लाइन थाना अंतर्गत मैदा फैक्ट्री के पास घर में काम करते समय करंट लगने से एक युवती की मौत हो गई, वही नगरा थाना क्षेत्र के लालपुरा पंप चालू करते समय करंट लग जाने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर प्रकरणों की जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूनम पति सुरेन्द्र प्रजापति 26 निवासी मैदा फैक्ट्री के पास जौरा रोड मुरैना बुधवार शाम को घर में काम कर रही थी, तभी उसे बिजली का करंट लगा गया। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लाये,जहां डॉक्टर द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद युवती का शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

## चंबल विकास यात्रा का सरसैनी माता मंदिर पर हुआ स्वागत

**जौरा।** क्षेत्र के प्रसिद्ध सरसैनी माता मंदिर पर चंबल विकास यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। चंबल विकास यात्रा के राष्ट्रीय संयोजक ठाकुर जोगेंद्र सिंह भदोरिया के नेतृत्व में सैकड़ो ग्रामीणों की मौजूदगी में सरसानी माता मंदिर पर चंबल आरती का भव्य आयोजन किया गया। यहां पर भदोरिया द्वारा विशेष घटना पर प्रकाश भी डाला गया व विधि विधान से चंबल आरती की गई। श्री भदौरिया का कहना था कि यह आरती न केवल चंबल नदी संरक्षण का प्रतीक बनी बल्कि क्षेत्र की एकता सद्भावना धार्मिक सम्मान और विकास की प्रति जन भावना को भी दर्शाती है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य सभी धर्म का सम्मान करना मानव सेवा जीव जंतु संरक्षण और प्रकृति का ख्याल रखना ही हमारा भी धर्म है। 1500 किलोमीटर की यात्रा आगे बढ़ रही है, अंतिम चरण में पंचानंद संगम पर सामूहिक पूजा एवं आरती के साथ इसका समापन होगा। श्री भदोरिया ने यह भी कहा कि चंबल विकास बोर्ड की तत्काल स्थापना की जाए, चंबल क्षेत्र को विशेष पर्यटन क्षेत्र घोषित किया जाए व जल संरक्षण वन्य जीव सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जावे, जैसी अन्य बातें भी कही गई।

### निष्क्रियता के चलते एमएस रोड की दोनों तरफ नाले-नालियों के आगे अस्थाई एवं स्थाई अतिक्रमण परेशानी का सबब बना हुआ

# एमएस रोड के दोनों तरफ अतिक्रमण से लगता है जाम

**सत्ता सुधार ■ जौरा**

नगर में सबलगढ़ की तरफ से प्रवेश करते ही मनीष पेट्रोल पंप के सामने से सड़क के दोनों तरफ सिविल अस्पताल तक जाम की हालात बने रहते हैं। कारण यह है कि इस रोड पर नगर पालिका के जिम्मेदार कर्ताधर्ताओं की निष्क्रियता के चलते एमएस रोड की दोनों तरफ नाले-नालियों के आगे अस्थाई एवं स्थाई अतिक्रमण परेशानी का सबब बना हुआ है। तिकोनिया पार्क के आसपास सड़क के दोनों तरफ दुकानदारों द्वारा अपना-अपना सामान सड़कों पर रख दिया जाता है।

ऐसी ही स्थिति पगारा रोड रामासरे की माता के पास तो स्थिति और भी खतरनाक है, यहां पर डाक बंगला रोड के सामने सड़क के दोनों तरफ व्यापारियों का रखा सामान भी जाम लगवाता है। लगभग 40 से 50 फीट चौड़ी सड़क अस्थाई अतिक्रमण के चलते

15 से 20 फुट की रह जाती है। अक्सर इस जाम में सबलगढ़ कैलारस की तरफ से गंभीर मरीज प्रसूता को लेकर आने वाली एंबुलेंस फस जाती हैं जिससे मरीजों की जान पर भी बन आती है। इसके अलावा वाहन सुधारने वाले मिस्त्री भी वाहनों को सड़कों पर ही खड़ा कर देते हैं व फल चार्ट बेचने वाले दुकानदार भी अपने-अपने हाथ ठेला सड़कों पर ही खड़ा कर लेते हैं, जो जाम का बड़ा कारण भी है।

### इनका कहना है...

नगर पालिका सड़क पर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। हम नगर पालिका को पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं। पूर्व में भी नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाया गया था तब भी हमने एवं एसडीएम ने पूरा सहयोग किया था।

**नितिन बघेल, एसडीओपी जौरा**

### सीईओ ने चार परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

**मुरैना।** माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार गुरुवार, 26 फरवरी 2026 को आयोजित हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा (राजनीति शास्त्र) के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने जिले के चार परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के अंतर्गत मॉडल हाईस्कूल, ऋषि गालव स्कूल मुरैना, एसडीएम पब्लिक स्कूल तथा उत्कृष्ट विद्यालय मुरैना का अवलोकन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने परीक्षा कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा केंद्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का संचालन स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होता पाया गया। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, गोपनीयता एवं अनुशासन संबंधी व्यवस्थाएँ संतोषजनक पाई गईं।

**आम सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जग्गा रोड, माता कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 10 अम्बाह का मूल निवासी है एवं मेरी आयु लगभग 60 वर्ष की होकर वृद्धावस्था को प्राप्त कर चुका है और कोई काम धंधा नही करता हूँ। मेरे दो पुत्र सतीश व सत्यवीर है, जो मेरी भरण पोषण हेतु कोई सहायता नहीं करते हैं और अपने -अपने परिवार के साथ अलग-अलग निवास करते है। मेरे दोनो ही पुत्र मुझसे लडाई झगडा कर मुझे प्रताड़ित करते रहते है और शराब व गांजा पीने के आदी हैं। मेरे द्वारा नगद 4 लाख रूपये व सोने चांदी का जेबर कीमती 5 लाख रूपये सतीश को हिस्सा देकर अलग कर दिया है। इस कारण से मैनें अपने दोनों ही पुत्रों को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है एवं इस सूचना के बाद मेरे पुत्र किसी भी व्यक्ति से कोई लेन देन करें या कोई आपराधिक या वित्तीय कृत्य करते है तो उसकी जिम्मेदारी मेरी नहीं होगी।

**सूचनाकर्ता**
**अशोक पुत्र अतिराज सिंह राठौर**
**निवासी वार्ड क्रमांक 10**
**अम्बाह, जिला मुरैना म.प्र.**

## ब्रीफ न्यूज

### 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत अटूटखास व नर्मदानगर में आज शिविर

**खण्डवा।** नागरिकों को उनकी पात्रता के अनुरूप शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेशभर में 'संकल्प से समाधान' अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत हर पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत पुनासा विकासखण्ड के ग्राम अटूटखास एवं नर्मदानगर में 27 फरवरी को शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही परीक्षण कर त्वरित निराकरण किया जाएगा। इसी क्रम में पंधाना विकासखण्ड के ग्राम सिंगोट एवं बोरगांव बुजुर्ग में 28 फरवरी को शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां पात्र हितग्राहियों के आवेदन स्वीकार कर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ अवश्य लेवे।

### हैप्पी सीडर, सुपर सीडर और स्मार्ट सीडर के लिए 1 मार्च तक करें आवेदन

**खण्डवा।** किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर हैप्पी सीडर, सुपर सीडर एवं स्मार्ट सीडर के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन यंत्रों के लिए किसान 1 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सहायक कृषि यंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि हैप्पी सीडर, सुपर सीडर तथा स्मार्ट सीडर के लिए प्रत्येक यंत्र हेतु 4500-4500 रुपये की धरोहर राशि का डिमांड ड्राफ्ट जमा करना अनिवार्य है। यह डिमांड ड्राफ्ट जिले के सहायक कृषि यंत्री के नाम से बनवाकर आवेदन के साथ जमा करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि धरोहर राशि के बिना आवेदन मान्य नहीं किया जाएगा। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि 1 मार्च 2026 से पूर्व ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर योजना का लाभ ले।

### पटेरा में अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, ओवरलोड डम्पर जब्त

**दमोह।** कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशो के तहत् खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 25 फरवरी को प्रातः लगभग 8 बजे पटेरा तहसील अंतर्गत ग्राम पाला अर्जुनी में विशेष जांच अभियान चलाया गया। खनिज विभाग के अधिकारी ने बताया जांच के दौरान एक डम्पर में पत्थर के ब्लॉकों का ओवरलोड परिवहन किया जाना पाया गया। निर्धारित क्षमता से अधिक खनिज परिवहन किए जाने पर संबंधित डम्पर को तत्काल जब्त कर थाना पटेरा में खड़ा कराया गया। उक्त प्रकरण में गौण खनिज नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

# महिला-बाल विकास विभाग में रिश्वतखोरी का नंगा खेलः हर आंगनवाड़ी से महीने की अवैध वसूली

### लोकायुक्त ट्रैप में पर्यवेक्षक रंगे हाथ पकड़ी गई

सत्ता सुधार ■ खंडवा

महिला एवं बाल विकास विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार एक बार फिर बेनकाब हुआ है। विभाग के भीतर वर्षों से चल रही मासिक अवैध वसूली की परंपरा अब खुलकर सामने आ गई है, जहाँ हर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका से नियुक्ति, पदस्थापना और आगे बढ़ने के नाम पर खुलेआम रिश्वत वसूली जा रही है।

यह कोई अपवाद नहीं, बल्कि सिस्टम बन चुकी लूट है। महानिदेशक लोकायुक्त के सख्त निर्देशों के बाद लोकायुक्त संगठन की इंदौर इकाई ने 26 फरवरी 2026 को ट्रैप कार्रवाई करते हुए महिला बाल विकास विभाग की संविदा पर्यवेक्षक अजिला मोहे को 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

**नियुक्ति से लेकर पदस्थापना तक 'रेट लिस्ट':** आवेदिका सलिता पालवी, उम्र 27 वर्ष, आंगनवाड़ी सहायिका (आंगनवाड़ी केंद्र-1, मोजवारी) ने बताया कि अक्टूबर 2025 में सहायिका पद पर नियुक्ति के लिए उससे 5,000 रुपये पहले ही वसूले जा चुके थे। जब मोजवारी के आंगनवाड़ी केंद्र-3 में कार्यकर्ता पद रिक्त हुआ और उसने नियमानुसार आवेदन किया, तो पर्यवेक्षक अजिला मोहे ने कार्यकर्ता पद पर पदस्थापना के बदले 2,00,000 रुपये की सीधी मांग कर दी। यानी कुल 2,05,000 रुपये की रिश्वत–खुलेआम, बेखौफ।

#### सवाल जो सिस्टम से पूछे जाने चाहिए

क्या महिला–बाल विकास विभाग में हर आंगनवाड़ी से प्रतिमाह अवैध वसूली कोई छुपा रहस्य है क्या बिना 'नजराने' के नियुक्ति, स्थानांतरण या पदोन्नति संभव नहीं कब तक गरीब महिलाओं की नौकरी को निजी कमाई का जरिया बनाकर रखा जाएगा। अब सिर्फ एक गिरफ्तारी काफी नहीं यह मामला किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की सड़ांध का संकेत है। जरूरत है कि : पूरे प्रोजेक्ट/सेक्टर स्तर पर ऑडिट और जांच हो,पूर्व में की गई नियुक्तियों और पदस्थापनाओं की पुनः समीक्षा हो,और अवैध वसूली के नेटवर्क में शामिल हर कड़ी पर कठोर कार्रवाई की जाए। जब तक जड़ तक प्रहार नहीं होगा, तब तक महिला–बाल विकास जैसे संवेदनशील विभाग में गरीब और मेहनतकश महिलाओं का शोषण यूँ ही चलता रहेगा।

#### शिकायत सही, ट्रैप सफल

आवेदिका ने इस भ्रष्टाचार की शिकायत लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में की। सत्यापन में शिकायत सही पाई गई। इसके बाद गठित ट्रैप दल ने कार्रवाई करते हुए 5,000 रुपये लेते समय आरोपिया को दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 7 के तहत कार्रवाई जारी है।

# 'संकल्प से समाधान' अभियान के शिविरों में 72,280 आवेदन स्वीकृत

सत्ता सुधार ■ खंडवा

नागरिकों को उनकी पात्रता के अनुरूप शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में 'संकल्प से समाधान' अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं तथा कई मामलों में मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक आयोजित शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु कुल 89,545 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्र से 70,598 तथा शहरी क्षेत्र से 18,947 आवेदन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से कुल 72,280 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। स्वीकृत आवेदनों में ग्रामीण क्षेत्र के 57,436 तथा शहरी क्षेत्र के 14,844 आवेदन सम्मिलित हैं। सीईओ ने आगे बताया कि संबंधित आवेदकों की अपात्रता के कारण 6,258 आवेदन अस्वीकृत किए गए हैं, जिनमें ग्रामीण क्षेत्र के 5,847 एवं शहरी क्षेत्र के 411 आवेदन शामिल हैं। शेष आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही जारी है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अभियान के तहत आयोजित शिविरों में उपस्थित होकर अपनी पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

# शराब दुकानों की नीलामी 27 से ई टेंडर के जरिए होगा निष्पादन

### ढाई लाख की मदिरा के विरूद्ध 23 प्रकरण हुए दर्ज

सत्ता सुधार ■ हरदा

नवीन आबकारी नीति वर्ष 2026-27 के अनुसार हरदा जिले में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मदिरा दुकानों के निष्पादन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। कलेक्टर निदेशानुसार, जिले की 18 कम्पोजिट मदिरा दुकानों को 5 समूहों में बांटकर ई-टेंडर कम ऑक्शन के माध्यम से नीलाम किया जाएगा।

यह कार्यवाही 27 फरवरी से 07 मार्च तक तीन चरणों में संपन्न होगी। जिला आबकारी अधिकारी सुनील भोजने ने बताया कि सभी 5 समूहों का आरक्षित मूल्य 144 करोड़ 29 लाख 75 हजार 201 रुपये है जो कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक है। जिला आबकारी अधिकारी भोजने ने बताया कि ई-टेण्डर से निष्पादन के लिये जारी कार्यक्रम अनुसार ऑनलाइन टेण्डर प्रपत्र डाउनलोड व ऑफर सबमिट करने की तिथि 27 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक प्रथम चरण का प्रथम बेच रहेगा। इसी प्रकार 3 मार्च से 5 मार्च तक प्रथम चरण के दूसरे बेच की ई-टेण्डर की प्रक्रिया सम्पन्न होगी। इसी प्रकार प्रथम चरण के तीसरे बेच में ई-टेण्डर की प्रक्रिया 6 मार्च से 7 मार्च तक सम्पन्न होगी। उन्होने बताया कि ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन की कार्यवाही जिला निष्पादन समिति द्वारा सम्पन्न कराई जाएगी।

**ढाई लाख के लगभग की मदिरा के विरूद्ध 23 प्रकरण दर्ज:** जिला आबकारी अधिकारी श्री भोजने ने बताया कि इस दौरान आबकारी विभाग के दल ने वृत्त टिमरनी के कामलिया ढाबा, शीतल ढाबा, राजपूत ढाबा, बैरागढ़, टंकी मोहल्ला, खेड़ीपुरा, बड़ी नहर के पास छीपानेर रोड़ में दबिश दी। दबिश के दौरान कुल 18 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब, 21 पाव देशी शराब एवं 560 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 8 प्रकरण दर्ज किये। जप्त मुद्देमाल का अनुमानित बाजार मूल्य 61,175 रुपये है।

#### ग्रामिण क्षेत्र के अवैध विक्रय के विरूद्ध 15 प्रकरण दर्ज

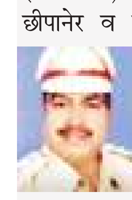

आबकारी विभाग के दल ने जिले के ग्राम इकडालिया, गोगिया,बगवाड़, करताना, छीपानेर व गोंदागांव चारखेड़ा, नांदरा, सोडलपुर, टिमरनी, महेंद्रगांव, सुलतानपुर व अजरूत रैय्यत में दबिश दी। दबिश के दौरान कुल 19 पाव देशी शराब, 45 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब एवं 1690 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 15 प्रकरण दर्ज किये। जप्त मुद्देमाल का अनुमानित बाजार मूल्य 1,79,425 रुपये है।

## नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को

### बिजली चोरी के राशि 10 लाख तक के प्रकरणों के होंगे समझौते

सत्ता सुधार ■ हरदा

म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में 14 मार्च 2026 शनिवार को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। कंपनी द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के तहत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकताओं से अपील की गई है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के तहत विद्युत चोरी के बनाए गए लंबित प्रकरण एवं अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी। प्रि-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

#### ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी

लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

# बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे या पोल के पास होली न जलाएं

**हरदा।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे होलिका दहन के पर्व पर विद्युत सुरक्षा एवं सावधानियां रखकर सुरक्षित होली मनाएं। कंपनी ने सभी लोगों से अपील की है कि वे बिजली लाइन के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे या पोल के आसपास होली न जलाएं, क्योंकि इससे तार अथवा विद्युत उपकरण पिघल सकते हैं और दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। देखते ही देखते छोटी सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। कंपनी ने नागरिकों ने अनुरोध किया कि वे होलिका दहन का कार्यक्रम बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें। कंपनी ने मिठाई, मूर्तियां, रंग-गुलाल, पूजन सामग्री आदि की दुकानें एवं होली पर्व से जुड़ी अन्य सामग्री के विक्रय हेतु लगाए जाने वाली अस्थाई दुकानों के प्रकाश व्यवस्था हेतु व्यापारी बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। कंपनी ने कहा है कि होली पर्व पर अस्थाई दुकानों की स्थापना, बिजली ट्रांसफार्मरों एवं बिजली की लाइनों से सुरक्षित दूरी बनाकर ही स्थापित करें ताकि विद्युत दुर्घटनाओं से बचा जा सके। कंपनी ने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से कहा है कि वैधानिक कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। कंपनी ने कहा है कि बिजली के अनधिकृत उपयोग के मामले पकड़ने तथा भार वृद्धि अथवा स्वीकृत प्रयोजन के स्थान पर अन्य किसी प्रयोजन के लिए विद्युत उपभोग करते पाए जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, 138 के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

### नहरों के संचालन की अवधि 15 मार्च तक बढ़ाएं

**हरदा।** जिला एक प्रमुख कृषि प्रधान जिला है, जहां वर्तमान सीजन में किसानों द्वारा बोनी सर्वाधिक है। मक्के की फसल की प्रकृति और उसकी बेहतर पैदावार के लिए कम से कम 8 बार सिंचाई की अनिवार्य आवश्यकता होती है। वर्तमान में फसलें पकने की अवस्था में हैं। यदि नहरों से पानी की आपूर्ति समय से पूर्व बंद कर दी जाती है, तो मक्के की फसलें सूख जाएंगी, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। जिले के अन्नदाता की मेहनत और लागत को बचाने के लिए यह आवश्यक है कि नहरों में 15 मार्च 2026 तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि नहरों के संचालन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 15 मार्च किया जाए। टेल तक के किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाए। किसानों की जायज मांग को स्वीकार करते हुए सिंचाई विभाग को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें। यदि समय रहते पानी की अवधि नहीं बढ़ाई गई, तो जिला कांग्रेस कमेटी किसानों के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

# सांईं धाम सिराली में सफल रक्त दान शिविर

सत्ता सुधार ■ हरदा/सिराली

जिला अस्पताल में रक्त की कमी को दूर करने के उद्देश्य से साई धाम सिराली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए लगभग 82 यूनिट रक्तदान किया। जिला चिकित्सालय हरदा में इन दिनों रक्त की अत्यधिक कमी महसूस की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए साई धाम समिति ने पहल करते हुए शिविर आयोजित किया। जिला चिकित्सालय से आई चिकित्सकीय टीम ने लगातार चार घंटे तक अपनी सेवाएं देते हुए रक्त संग्रह की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। समाजसेवी मनोहर दास अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए साई धाम की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की। साई धाम के दयाशंकर करोड़े ने रक्त दाताओं एवं जिला अस्पताल से आई टीम एवं कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। रक्तदान शिविर में समाजसेवी मनोहर दास अग्रवाल, नर्मदा प्रसाद जानी, माणक चंद सेठ, कुंजबिहारी सोमानी, दिनेश करोड़े, दयाशंकर करोड़े, वेदप्रकाश शर्मा, बंटी भायरे, राहुल शाह, शिवदास गुर्जर, मथुरादास बुचा, बीजू शास्त्री, लालू राजपूत, नारायण बाके, दिना करोड़े, अंकित मोकाती, भगवान सिंह राजपूत एवं मुकेश टाले सहित अनेक गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजकों ने भविष्य में भी जनहित में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। शिविर की सफलता से क्षेत्र में सेवा, सहयोग एवं मानवता की भावना को बल मिला है।

**कार्यक्रम** इसमें पुरुष वर्ग की 20 टीमें और महिला वर्ग की 4 टीमें शामिल है

# माईसेम सीमेंट द्वारा 'इंटर विलेज वॉलीबॉल टूर्नामेंट' का भव्य आयोजन

सत्ता सुधार ■ दमोह

क्षेत्र के युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से माईसेम सीमेंट कंपनी द्वारा 'माईसेम इंटर विलेज वॉलीबॉल टूर्नामेंट-2026' का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय खेल महाकुंभ दमोह जिले के पथरिया ब्लॉक अंतर्गत लखरोनी में आयोजित होगा।

**24 टीमें दिखाएंगी अपना दमखमः** इस प्रतियोगिता की खास बात यह है कि इसमें ग्रामीण अंचलों की कुल 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें पुरुष वर्ग की 20 टीमें और महिला वर्ग की 4 टीमें शामिल हैं, जो खेल जगत में अपनी पहचान बनाने के लिए मैदान में उतरेंगी। महिला खिलाड़ियों की भागीदारी इस आयोजन को और भी विशेष बना रही है। कार्यक्रम विवरणः शुभारंभः 27 फरवरी 2026 (प्रातः 11:00 बजे से) समापनः 1 मार्च 2026 (सायं 7:00 बजे) स्थानः बड़े तालाब के पास, श्री हनुमान जी मंदिर परिसर, लखरोनी, पथरिया (जिला-दमोह) विकास और अनुशासन का संगम माईसेम सीमेंट कंपनी के क्लस्टर हेड ने जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी 'दमोह जिले के विकास के लिये प्रतिबद्ध' है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, बल्कि यह आपसी स्नेह, भाईचारे और अनुशासन को भी बढ़ावा देता है। ग्रामीण खिलाड़ियों को उचित अवसर देना ही इस टूर्नामेंट का मुख्य लक्ष्य है। कंपनी प्रबंधन ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों, खेल प्रेमियों और प्रबुद्ध जनों को इस खेल उत्सव में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए सादर आमंत्रित किया है।

### शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह में इको क्लब के पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम मशरूम उत्पादन एवं वर्मी कंपोस्टिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया

**दमोह।** शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह में 25 फरवरी को प्राचार्य डॉ. जी.पी.चौधरी की अध्यक्षता में इको क्लब के पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम मशरूम उत्पादन एवं वर्मी कंपोस्टिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष चंद्रभान पटेल एवं डॉ. मनोज अहिरवार, डॉ. बी. एल. साहू, कृषि विज्ञान केंद्र दमोह एवं मास्टर ट्रेनर के रूप में श्रीराम जी कुरेरिया मेहता ऑर्गेनिक फार्म, हरिशंकर विश्वकर्मा जड़ी बूटी एवं मशरुम उत्पादन विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान देकर मशरूम यूनिट के संचालन के बारे में बताया साथ ही इको क्लब के छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रदर्शनी लगाया गया है, जिसमें चिड़ियों के लिए घोंसला, स्टोन पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग का प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व में हुई प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण किया गया।

# कलेक्टर ने छिदगांव में किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ हरदा

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने गुरूवार को टिमरनी विकासखण्ड के छिदगांव मेल में आंगनवाड़ी केन्द्र, आयुष औषधालय एवं शासकीय हाई स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने आंगनवाड़ी में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश दिये। साथ ही हाई स्कूल में परीक्षाओं के संचालन की जानकारी ली। एसडीएम भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

## ब्रीफ न्यूज

### ननि की महिला ब्रिगेड ने नागरिकों से संपर्क कर बकाया संपत्तिकर सहित अन्य सभी करों की राशि जमा कराई

**सागर।** नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री द्वारा बकाया करों की राशि की वसूली सुनिश्चित करने हेतु गठित महिला ब्रिगेड द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में सक्रिय रूप से अभियान चलाया जा रहा है। महिला ब्रिगेड की टीम बकायादारों से सीधे संपर्क कर उन्हें संपत्ति कर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क तथा दुकानों के किराये की लंबित राशि जमा करने के लिए प्रेरित कर रही है। महिला ब्रिगेड द्वारा शास्त्री वार्ड, संतकंवर राम वार्ड, मोतीनगर बाहुबली कालोनी, कटरा वार्ड में बकायादारों से संपर्क किया गया तथा मौके पर ही कई नागरिकों ने कर की राशि जमा कराई । इस दौरान टीम द्वारा नागरिकों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के संपत्तिकर को 31 मार्च के पूर्व जमा करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि शासन के निर्देशानुसार 31 मार्च के बाद बकाया संपत्तिकर पर अधिभार लगने के कारण देय राशि बढ़कर दोगुनी हो जाएगी जिससे नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा।

**निगमायुक्त ने की अपील:** नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने नगर निगम क्षेत्र के समस्त नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वे संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क, दुकानों का किराया सहित अन्य सभी देय करों को वित्तीय वर्ष समाप्त होने के पूर्व 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से जमा कर नगर निगम को सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि समय पर कर जमा करने से नागरिकों को अधिभार से बचने में भी सुविधा होगी तथा शहर के विकास कार्यो को गति मिल सकेग।नगर निगम द्वारा कर वसूली अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।महिला ब्रिगेड में सहायक प्रभारी श्रीमती जया श्रीवास्तव, श्रीमती नीता श्रीवास्तव, स्वदेश राजा बुंदेला, श्रीमती विजया श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थीं।

### बसाहरी में नवविवाहिता के साथ मारपीट, पुलिस ने मामला दर्ज किया

**खुरई/सागर।** खिमलासा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बसाहरी गांव में नवविवाहिता के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस ने महिला के पति के खिलाफ़ मामला दर्ज किया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार फरियादी साधना अहिरवार उम्र 21 साल ने शिकायत दर्ज कराई है कि मेरी शादी करीब 6 माह पूर्व राहुल अहिरवार निवासी बसाहरी के साथ हुई थी। वह शादी के दो माह बाद से ही अभद्रता करने लगा था। हाल ही में 16 फरवरी की रात करीब 10 बजे वह कहने लगे खाना क्या बनाया है। मेने कहा दाल रोटी, इतनी सुनते ही वह गाली गलौच करने लगा। मेने गाली देने से मना किया तो डंडे से मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू की।

---

आरोप...5 से 10 प्रतिशत तक कमीशन मांग रहे, रजिस्ट्री खर्च के नाम से जोड़ी जाती हैं राशि

# बंडा उप पंजीयक कार्यालय में दलालों का बढ़ता दखल

सत्ता सुधार ■ सागर

जिले की बंडा तहसील स्थित उप पंजीयक कार्यालय में पंजीयन कार्यों को लेकर अव्यवस्था और कथित अवैध वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं। जहां एक ओर मध्यप्रदेश शासन द्वारा दस्तावेज पंजीयन प्रक्रिया को ऑनलाइन, सरल और पारदर्शी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में जमीनी हकीकत कुछ अलग ही तस्वीर बयां कर रही है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि उप पंजीयक कार्यालय में संपत्ति पंजीयन, विक्रय पत्र, दान पत्र, वसीयत, बंधक, बंटवारा एवं अन्य दस्तावेजों के पंजीयन में निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त 5 से 10 प्रतिशत तक राशि कमीशन के नाम पर ली जा रही है। बताया जा रहा है कि यह राशि अधिकारी के नाम पर वसूली जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति सीधे कार्यालय पहुंचकर बिना किसी माध्यम के रजिस्ट्री कराने का प्रयास करता है तो उसे तकनीकी आपत्तियों और दस्तावेजी कमियों के नाम पर बार-बार चक्कर लगवाए जाते हैं। ऐसे में समय और परेशानी से बचने के लिए लोग दलालों के माध्यम से ही कार्य कराना उचित समझते हैं।

नियमानुसार अधिकृत लाइसेंसधारी एवं दस्तावेज लेखक को निर्धारित स्थान से ही ई-पंजीयन कार्य संपादित करना होता है। लाइसेंस आवेदन के समय उनके कार्यस्थल का उल्लेख किया जाता है। बावजूद इसके, कई लाइसेंसधारी उप पंजीयक कार्यालय परिसर अथवा उसके आसपास ही दिनभर सक्रिय नजर आते हैं।सूत्रों के अनुसार कुछ दस्तावेज लेखक कार्यालय के भीतर ही बैठे देखे जाते हैं, जिससे आमजन में संदेह की स्थिति बनती है। प्रश्न यह उठता है कि जब शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि लाइसेंसधारी कार्यालय परिसर में बैठकर कार्य नहीं करेंगे, तो फिर इनकी उपस्थिति क्यों बनी रहती है।

#### शुल्क सूची का अभाव, पारदर्शिता पर प्रश्न

कार्यालय परिसर में अधिकृत शुल्क एवं सेवा शुल्क की स्पष्ट सूची प्रदर्शित नहीं होने की शिकायत भी सामने आई है। यदि प्रत्येक कार्य के लिए निर्धारित शुल्क सार्वजनिक रूप से अंकित हो, तो अनावश्यक वसूली की संभावना कम हो सकती है।ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें यह जानकारी नहीं होती कि किस कार्य के लिए कितना अधिकृत शुल्क देय है, जिसका लाभ उठाकर अतिरिक्त राशि वसूली जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि उप पंजीयक कार्यालय की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराई जाए, लाइसेंसधारियों के कार्यस्थल का सत्यापन कराया जाए तथा कार्यालय परिसर में अनधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए।अब देखना यह है कि संबंधित विभाग और प्रशासन इन शिकायतों पर क्या कदम उठाते हैं और पंजीयन प्रक्रिया को वास्तव में पारदर्शी बनाने के लिए क्या कार्रवाई की जाती है।

---

# 7 वर्षों से ठेकेदार का भुगतान लंबित बण्डा नगर में विकास कार्य अटके

मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना योजना द्वितीय चरण के कार्य अधूरे, जांच समितियों के बावजूद नहीं हुआ निराकरण

सत्ता सुधार ■ बण्डा/सागर

नगर परिषद बण्डा में मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना योजना द्वितीय चरण के अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्य पिछले सात वर्षों से अधूरे पड़े हैं। ठेकेदार का आरोप है कि कार्य पूर्ण होने और सभी आवश्यक परीक्षणों में निर्माण मानक पाए जाने के बावजूद भुगतान रोक दिया गया है। बताया गया है कि कार्य के दौरान ही सभी गुणवत्ता परीक्षण किए गए थे, जिनमें काम मानक स्तर का पाया गया। इसके बाद भी निर्माण को घटिया बताते हुए और परीक्षण न होने का हवाला देकर भुगतान रोक दिया गया। इस पूरे मामले में अब तक आठ उच्च स्तरीय समितियां गठित की जा चुकी हैं, जिनमें से पांच ने प्रतिवेदन ही प्रस्तुत नहीं किया। जिन समितियों ने जांच की, उन्होंने भी कार्य को मानक के अनुरूप बताया।

सितंबर 2025 में सीएमओ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में भी यह उल्लेख किया गया कि सभी परीक्षणों में कार्य मानक पाया गया तथा निर्मित सड़कों की साढ़े छह वर्ष बाद भी सतह सामान्य स्थिति में है। इसके बावजूद सात वर्षों से भुगतान लंबित है।

#### विधानसभा में उठा था मामला

बण्डा विधायक वीरेन्द्र सिंह लोधी ने विधायक बनने के बाद फरवरी 2024 में पांच वर्षों से लंबित इस प्रकरण को विधानसभा में उठाया था। तारांकित प्रश्न क्रमांक 1174 एवं 1175 के माध्यम से मंत्री द्वारा तीन सदस्यीय दल गठित कर गुण-दोष के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। हालांकि अब तक इस दिशा में ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी है।

#### छह साल बाद दर्ज हुई सही नाप, फिर भी भुगतान नहीं

ठेकेदार के अनुसार, उसके समक्ष कार्यों की पुनः माप लेकर वर्ष 2025 में सही बिल तैयार किया गया, लेकिन उसका भी भुगतान अब तक नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि वार्ड 12 की सड़क सहित अन्य कार्यों की

#### शेष कार्यों की पुनः निविदा जारी

भुगतान करने के बजाय योजना के शेष कार्यों के लिए पुनः निविदा जारी कर दी गई है। कार्यपालन यंत्री मेघ तिवारी ने अंतिम देयक का अनुमोदन नहीं किया, लेकिन शेष कार्यों की निविदा हेतु तकनीकी स्वीकृति जारी कर दी। इसके बाद सीएमओ द्वारा पूर्व निविदा निरस्त करने की प्रक्रिया पूरी किए बिना, तुलनापत्रक तैयार किए बिना और ठेकेदार को सूचना दिए बिना नई निविदा जारी कर दी गई। ठेकेदार ने इस प्रक्रिया को अनियमित एवं प्रक्रियाविहीन बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई है। ठेकेदार का कहना है कि नियमानुसार पहले कारण सहित निविदा निरस्ती सूचना जारी कर अंतिम देयक एवं तुलनापत्रक तैयार किया जाता है, उसके बाद नई निविदा की प्रक्रिया अपनाई जाती है। उनका आरोप है कि बिना वैधानिक आधार के जल्दबाजी में नई निविदा जारी की गई है, ताकि मामला न्यायालय में पहुंच जाए और उसे 'विचाराधीन' बताकर जवाब दिया जा सके।

अंतिम माप के बिना फाइनल बिल तैयार नहीं हो सकता। आरोप है कि सीएमओ रनिंग बिल को फाइनल बिल बताकर हस्ताक्षर कराने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि कार्यपालन यंत्री द्वारा हस्ताक्षर नहीं किए जा रहे। परिणामस्वरूप बिल आठ माह से लंबित है।

---

## विधायक लारिया ने सिंचाई, स्वास्थ्य और शिक्षा के मुद्दों पर सरकार से मांगा जवाब

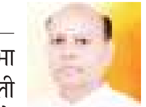

सत्ता सुधार ■ सागर

प्रदीप लारिया ने विधानसभा के बजट सत्र में नरयावली क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से स्पष्ट जवाब और समय-सीमा की मांग की। उन्होंने जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा और पर्यटन विभाग से जुड़े तारांकित प्रश्नों के माध्यम से क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं को सदन तक पहुंचाया।

#### सिंचाई योजनाओं में देरी पर जताई चिंता

विधायक लारिया ने करियापाठा वियर और पिपरिया-जसराज जलाशय परियोजनाओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जब इन योजनाओं को क्रमशः 324.70 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति तथा 194 हेक्टेयर सिंचाई रकबे की स्वीकृति मिल चुकी है, तो निर्माण कार्य प्रारंभ होने में विलंब क्यों हो रहा है। उन्होंने किसानों के हितों का हवाला देते हुए मांग की कि तकनीकी अथवा प्रशासनिक बाधाओं को शीघ्र दूर कर कार्य प्रारंभ कराया जाए, ताकि क्षेत्र के कृषकों को समय पर सिंचाई सुविधा मिल सके।

स्वास्थ्य विभाग से संबंधित प्रश्नों के माध्यम से विधायक ने मकरोनिया सिविल अस्पताल, पामाखेड़ी एवं परसोरिया उप-स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माणाधीन भवनों की स्थिति पर जानकारी मांगी।उन्होंने पूछा कि इन भवनों का आधिपत्य विभाग को कब सौंपा जाएगा और वहां चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति कब तक सुनिश्चित होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि केवल भवन निर्माण पर्याप्त नहीं है, बल्कि मकरोनिया को पूर्ण सुविधाओं सहित 'सिविल अस्पताल' के रूप में संचालित किया जाना चाहिए। स्कूल शिक्षा मंत्री से चर्चा के दौरान विधायक लारिया ने बताया कि राहतगढ़ और सागर विकासखंड की कई माध्यमिक शालाओं को वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 में हाईस्कूल का दर्जा तो प्रदान कर दिया गया, लेकिन आज भी कई विद्यालय भवन विहीन हैं। उन्होंने विशेष रूप से बरखेड़ा खुमान और लुहारी के विद्यार्थियों की समस्याओं को रेखांकित करते हुए कहा कि भवन के अभाव में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। साथ ही, जर्जर प्राथमिक विद्यालयों के ध्वस्तीकरण के बाद नए भवनों के निर्माण की कार्ययोजना पर भी स्पष्ट जवाब मांगा। सागर जिले की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक महत्ता का उल्लेख करते हुए विधायक ने नौरादेही अभयारण्य सहित अन्य पुरातात्विक एवं प्राचीन स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने पर्यटन राज्य मंत्री से प्रश्न किया कि संभागीय मुख्यालय और केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपस्थिति के बावजूद सागर में पर्यटन विकास निगम के होटल एवं रिसॉर्ट की स्थापना क्यों नहीं की गई उन्होंने कहा कि पर्यटन सुविधाओं का विस्तार क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति देगा।

---

## महापुरुषों एवं सांकेतिक स्थल बने राजनीतिक दलों के प्रचार स्थल, शासन प्रशासन रहता है मौन

मार्गदर्शन देने वाले जब खुद नियमों का उल्लंघन करें तो फिर इसे क्या कहेंगे

**बीना/सागर।** बीना में महापुरुषों और सांकेतिक स्थलों का राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों द्वारा प्रचार स्थलों के रूप में उपयोग किया जा रहा है, लेकिन शासन इस पर मौन है।जिन महापुरुषों की लोग शपथ लेकर आगे बढ़ते हैं उन्हें ही अपने प्रचार के माध्यम से महापुरुषों की मूर्तियों के आगे बोर्ड लगाकर उन्हें ढक देते हैं। उनकी जन्म जयंती एवं कार्यक्रमों के दौरान जरूर उनकी शपथ ली जाती है उनके मार्गदर्शन बताए जाते हैं किंतु उन पर खुद ना चल कर उन्हें केवल अपना प्रचार का माध्यम बना रहे हैं। अंबेडकर चौराहा से गांधी चौराहा एवं स्टेशन रोड के बीच में जो डिवाइडर बने है विद्युत पोलों का उपयोग होर्डिंग लगाने में किया जा रहा है जबकि नगर पालिका प्रशासन से इसकी अनुमति लेना चाहिए जिसकी विधिवत रसीद भी काटी जाती है।ज्ञात हुआ है किया की विज्ञापन के बोर्ड हेतु ठीक का एडवरटाइजिंग कंपनी को दिया गया है क्या डिवाइडर के बीच वृक्षों पर और महापुरुषों को ढंकना उचित है।

---

## तीन वर्षों से दुकान आवंटन लंबित, शिक्षित बेरोजगार दुकानदारों ने कलेक्टर जनसुनवाई में लगाई गुहार

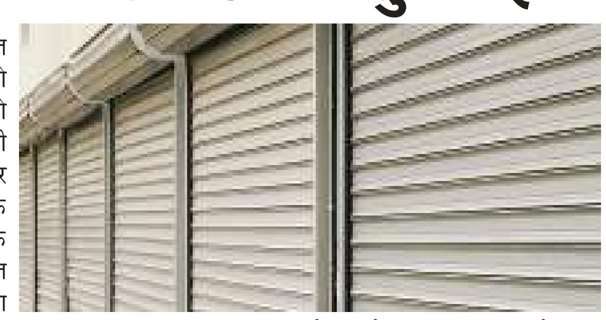

**देवरी/सागर।** देवरी में आयोजित कलेक्टर जनसुनवाई में मंगलवार को उस समय भावनात्मक दृश्य देखने को मिला जब वर्षों से दुकान आवंटन की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षित बेरोजगार दुकानदारों ने अपनी व्यथा प्रशासन के समक्ष रखी।आवेदकों ने बताया कि लगभग 30 वर्ष पूर्व उन्होंने विधिवत नीलामी प्रक्रिया के तहत नगर पालिका की दुकानों को प्राप्त किया था और नियमित रूप से किराया भी जमा करते रहे। दुकानदारों के अनुसार नगर पालिका द्वारा नवीन भवन निर्माण के लिए उनसे यह कहकर दुकानें खाली कराई गई थीं कि छह माह के भीतर पुनः निर्मित दुकानों का आवंटन कर दिया जाएगा। आवेदकों का कहना है कि नया भवन लगभग दो वर्ष पूर्व बनकर तैयार हो चुका है, किंतु आज दिनांक तक दुकानों का पुनः आवंटन नहीं किया गया है।इस कारण संबंधित दुकानदार पिछले तीन वर्षों से बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। उन्होंने आवेदन में उल्लेख किया है कि व्यापार बंद होने से उनके समक्ष आर्थिक संकट गहरा गया है, कई लोग कर्ज में डूब चुके हैं और परिवार के भरण-पोषण में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में यह आवेदन संदीप जी आर के नाम संबोधित करते हुए प्रस्तुत किया गया। आवेदन में संबंधित पक्ष के रूप में नगर पालिका परिषद् देवरी को उल्लेखित किया गया है। आवेदन में संजय वर्मा, वीरेंद्र कुमार गुप्ता, सौरभ बृजपुरिया, संजय तिवारी, राजेंद्र जैन, ओमप्रकाश ठाकुर एवं राजकुमार सोनी सहित अन्य दुकानदारों ने सामूहिक रूप से हस्ताक्षर कर प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की है। दुकानदारों ने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि नगर पालिका को आवश्यक निर्देश जारी कर लंबित दुकान आवंटन की प्रक्रिया तत्काल पूर्ण कराई जाए, ताकि वर्षों से प्रभावित परिवारों को राहत मिल सके।जनसुनवाई में उपस्थित अधिकारियों ने आवेदन प्राप्त कर प्रकरण की जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी शीघ्रता से निर्णय लेकर प्रभावित दुकानदारों को राहत प्रदान करता है।

---

एसडीएम और रेलवे अधिकारियों ने प्राइवेट एजेंसी की मदद से ब्रिज के ऊपर डामरीकरण का कार्य शुरू किया

# सर्वोदय चौराहा,इंदिरा गांधी वार्ड स्थित रोड पर भी हुआ डामरीकरण

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

झांसी गेट रेलवे ओवरब्रिज की जर्जर सड़क से जूझ रहे शहर वासियों की समस्या को देखते प्रशासनिक अधिकारियों ने सराहनीय काम किया है।

एसडीएम और रेलवे अधिकारियों ने प्राइवेट एजेंसी की मदद से ब्रिज के ऊपर डामरीकरण का कार्य शुरू हो गया है। करीब 300 मीटर हिस्से में काम पूरा होने से आवागमन सुगम हो गया है, जिससे आम लोगों को ब्रिज से आने जाने में राहत मिलेगी।सर्वोदय चौराहा पर भी हुआ डामरीकरण एवं कुरवाई ब्रज से उतरने पर सड़क पर जगह-जगह गड्ढे से परेशान लोगों को राहत देने नगर पालिका अध्यक्ष स्वयं खड़ी होकर डामरीकरण करवाती हुई। बीना में झांसी रेलवे गेट पर करीब 900 मीटर लंबे रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण लगभग तीन वर्ष पूर्व किया गया था। इस ब्रिज का निर्माण दो एजेंसियों द्वारा किया गया था। पीडब्ल्यूडी ब्रिज ग्वालियर ने सिविल हिस्से में और रेलवे ने अपने पोर्शन में कार्य किया था। ब्रिज के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गुणवत्ता संबंधी समस्याओं के कारण ऊपरी स्लैब उखड़ने लगा था, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।स्थानीय नागरिकों ने कई बार ब्रिज की मरम्मत की मांग उठाई।

गारंटी पीरियड में पीडब्ल्यूडी ने अपने हिस्से की मरम्मत करा दी थी, लेकिन रेलवे और नगर पालिका के बीच हैंडओवर को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने से रेलवे पोर्शन में कार्य अटका रहा।रेलवे का कहना था कि मरम्मत का काम नगर पालिका को करना है, जबकि उनका कहना था कि उन्हें ब्रिज हैंडओवर नहीं किया गया। इसके चलते एक साल से ब्रिज की मरम्मत नहीं कराई जा रही थी। जिससे जनता को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। काम को लेकर नानक वार्ड पार्षद भी कई बार विरोध प्रदर्शन कर चुके थे, लेकिन मरम्मत नहीं की जा रही थी।

---

## 42 हज़ार की अवैध शराब के साथ दो आरोपी पकड़े, एक फरार

**खुरई/सागर।** पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शहरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुखबिर की सूचना पर शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि सतनाई-हरदुआ रोड पर कुछ लोग अवैध शराब का परिवहन कर रहे हैं। पुलिस टीम मौके पर घेराबंदी कर मोटरसाइकिल सवार युवकों को रोककर तलाशी की। तलाशी के दौरान उनके पास कुल 394 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई। जिसकी कुल मात्रा करीब 70 लीटर बताई जा रही है।

## ब्रीफ न्यूज

### विश्वकप में खराब प्रदर्शन से निशाने पर आये बटलर, हैरी ने किया बचाव

**कोलंबो।** इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही सबसे पहले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है पर अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर के खराब फार्म से उसकी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। बटलर इस टूर्नामेंट में अभी तक लंबी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक केवल 62 रन ही बना पाए हैं। ऐसे में वह आलोचकों के निशाने पर हैं हालांकि कप्तान हैरी ब्रूक ने बटलर का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही समय पर लय हासिल करेंगे। हैरी ने पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-8 मैच में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।वहीं जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या उन्हें बटलर के फॉर्म को लेकर चिंता है, तो ब्रूक ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। मैंने पहले भी कहा है बटलर एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। उन्होंने हर स्तर पर अपने को साबित किया है। उन्होंने एकदिवसीय और टी20 में विश्व कप जीते हैं और यह सिर्फ समय की बात है , एक अच्छी पारी के साथ ही वह लय हासिल कर लेंगे।

### इंग्लैंड-न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

**कोलंबो।** न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है। ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है। पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे। इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा।

अफ्रीकी बईसीबी के अनुसार इस प्रकार की जो भी आशंकाएं लगायी गयी हैं वे सही नहीं हैं

# द हंड्रेड से पाकिस्तानी खिलाड़ियों को बाहर नहीं किया जाएगा : ईसीबी

एजेंसी ■ लंदन

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि द हंड्रेड क्रिकेट लीग से पाकिस्तानी खिलाड़ियों को बाहर नहीं किया जाएगा। ईसीबी के अनुसार इस प्रकार की जो भी आशंकाएं लगायी गयी हैं। वे सही नहीं हैं। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लीग में आईपीएल से जुड़ी फ्रैंचाइजियां पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नहीं खरीदेंगी। द हंड्रेड की 4 फ्रेंचाइजी ऐसी हैं जिनका मालिकाना अधिकार भारतीयों के पास है औये पाक खिलाड़ियों को नहीं लेंगी। वहीं अब ईसीबी और द हंड्रेड की 8 फ्रेंचाइजियों की तरफ से संयुक्त बयान जारी किया गया है कि द हंड्रेड में इस प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होगा और अगर कोई टीम ऐसा करती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

इस सप्ताह एक रिपोर्ट में कहा गया गया था कि आईपीएल टीमों के मालिकों से जुड़ीं 4 फ्रेंचाइजी मैनचेस्टर सुपर जॉइंट्स (आरपीएसजी ग्रुप), एमआई लंदन (रिलायंस), सदर्न ब्रेव (जीएमआर) और सनराइजर्स लीड्स (सन ग्रुप) द हंड्रेड की नीलामी के लिए पंजीकृत पाकिस्तानी खिलाड़ियों से दूरी बनाये रख सकती हैं।गौरतलब है कि साल 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद से ही विदेशी लीग में आईपीएल से जुड़ी फ्रेंचाइजियों में पाकिस्तानी क्रिकेटर बहुत ही कम नजर आये हैं। हालांकि भारतीयों के द हंड्रेड की फ्रेंचाइजियों को खरीदने से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी इस लीग में बहुत कम रुचि दिखा रहे थे। पिछले साल के टूर्नामेंट में सिर्फ 2 पाक खिलाड़ी खेलत दिखे थे। इतना ही नहीं, द हंड्रेड के अब तक हुए सभी 5 सीजन में कुल मिलाकर 9 पाकिस्तानी खिलाड़ी ही दिखे हैं। फ्रेंचाइजी के नए मालिक इस सीजन से कामकाज संभालेंगे। ईसीबी और द हंड्रेड की फ्रेंचाइजियों की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है, लीग को नए दर्शकों तक पहुंचने, क्रिकेट के खेल के विकास और हर किसी को हमारे खेल से जोड़ने के लिए बनाया गया है। इस लीग में खिलाड़ियों को राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए।बयान में आगे कहा गया है, 'टूर्नामेंट को चलाने के लिए जिम्मेदार आयोजक के तौर पर ईसीबी यह पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इसमें कहीं कोई भेदभाव न हो और ऐसे किसी व्यवहार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के नियम मौजूद हैं।' संयुक्त बयान में कहा गया है, सभी 8 टीमें प्रतिबद्ध हैं कि चयन सिर्फ क्रिकेट से जुड़े प्रदर्शन, उपलब्धता और हर टीम की जरूरत पर आधारित होगा। गौरतलब है कि द हंड्रेड के लिए इस बार पाकिस्तान के कुल 67 खिलाड़ियों ने नीलामी के खातिर रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें 63 पुरुष और 4 महिला खिलाड़ी हैं।

# भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ हारी तो ये होंगी संभावनाएं

## अब बचे हुए दोनों मैचों में बड़ी जीत दर्ज करना जरुरी है

एजेंसी ■ चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम आज यहां टी20 सुपर-8 के अहम मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल की उम्मीदें बनाये रखने के लिए ये मैच जीतना जरुरी है। इसमें हार के साथ ही उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले सुपर-आठ में मिली करारी हार के बाद से ही भारतीय टीम नेट रन रेट में काफी पीछे हो गयी थी जिससे उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैचों में बड़ी जीत दर्ज करना जरुरी है। इसके अलावा उसे अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। भारतीय टीम अगर इस मैच में जीतती भी है तो भी वह सेमीफाइनल की पक्की दावेदार नहीं बन जाएगी। इसके लिए उसे वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले मुकाबले के परिणामों पर परिणामों पर भी ध्यान देना होगा। जिम्बाब्वे की टीम अगर भारतीय टीम को हरा देता है और वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है तो भारत टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। वेस्टइंडीज की जीत उसे 4 अंकों पर ले जाएगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका 2 अंकों पर रहेगा और भारत को हराकर जिम्बाब्वे के भी 2 अंक हो जाएंगे। भारत 0 अंकों के साथ चौथे स्थान पर होगा। ऐसी स्थिति में भारत अपने आखिरी मैच में वेस्टइंडीज को हरा भी दे, तो भी उसके अधिकतम 2 अंक ही होंगे। चूंकि दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे का आखिरी मैच आपस में है, उनमें से कोई एक टीम 2 अंक से आगे निकल जाएगी, जिसे भारत बाहर हो जाएगा। वहीं यदि भारतीय टीम जिम्बाब्वे से हार जाता है पर दक्षिण अफ्रीका वेस्टइंडीज को हरा देता है, तो भारत के लिए सेमीफाइनल की संभावना बनी रहेगी इस इस प्रकार कि दक्षिण अफ्रीका की जीत उसे 4 अंकों पर पहुंचा देगी।

### वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम : पोंटिंग

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है। पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है। पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है।

इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा। उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही विफल रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये। इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था। उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं।

# टी20 विश्ककप : घरेलू मैदान में मिली हार निराशाजनक : शनाका

## हमने प्रशंसकों का दिल तोड़ा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुन शनाका अपनी टीम के टी20 विश्वकप से बाहर होने से बेहद निराश हैं। शनाका के अनुसार घरेलू धरती पर मिली हार सबसे अधिक दुखदायक है। टीम पिछले एक दशक से किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक में नहीं पहुंच पायी है। इस बार वह दूसरे सुपर-8 मुकाबले में न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार के बाद सुपर-8 से बाहर हो गयी। दासुन शनाका के अनुसार अपनी ही धरती पर जीत नहीं पाने से प्रशंसकों को भी निराशा होती है। न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद शनाका ने कहा, ये हमारे लिए शर्म की बात है। प्रशंसकों का हमे भरपूर समर्थन मिला है। हमने मैच में अच्छी शुरुआत भी की थी पर किवी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। हम उन्हें 130 के आसपास रोकना चाहते थे पर हमारे गेंदबाज सफल नहीं रहे। विरोधी टीम की ओर से मिच सेंटनर और कॉलिन कोल ने काफी अच्छा खेला। वहीं हमें अच्छी शुरुआत नहीं मिली। वहीं अब हमारा लक्ष्य अंतिम मैच में पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। हमें उम्मीद है कि हम उस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। जीत के लिए एक दो बल्लेबाजों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। पूरी टीम को ही अपने ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। साथ ही कहा कि जिम्मेदारी के साथ ही जोखिम लेने की भी जरुरत है जिससे बाद में किसी बात का पछतावा न रहे।

मैड्रिड में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए रियल मैड्रिड व बेनीफिका के खिलाड़ी।

# पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

एजेंसी ■ पेरिस

पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम-16 में पहुंच गयी है। पीएसजी ने प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ ही अंतिम-16 में जगह बनायी है। इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया। अंत में पीएसजी ने 5-4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है। अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है। इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7-5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी। गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की।

# अगले माह भारत में खेला जाएगा एफआईएच महिला हॉकी विश्वकप क्वालीफाइंग टूर्नामेंट

**हैदराबाद।** 15-30 अगस्त तक बेल्जियम के वावरे और नीदरलैंड्स के एम्सटलवीन में होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्वकप में प्रवेश हासिल करने को लेकर आठ टीमों के बीच टक्कर होगी। इन टीमों के बीच ये मुकाबला अगले माह 8-14 मार्च तक हैदराबाद, तेलंगाना, में होगा। ये सभी 8 टीमें विश्वकप में प्रवेश के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। विश्वकप में कुल 16 टीमें भाग लेंगी। कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और एफआईएच हॉकी प्रो लीग पहले ही नौ क्वालिफायर तय कर चुकी हैं, इसलिए यह इवेंट इन आठ टीमों के लिए विश्वकप में जगह बनाने का अंतिम मौका है। इस टूर्नामेंट का प्रारुप चार टीमों को चार टीमों के दो पूल में बांटता है, जिसमें हर पूल से शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। वहीं सेमीफाइनल और कांस्य पदक विजेता मैच के विश्वकप में प्रवेश हासिल करेंगी।

# भारत की उभरती महिला टेनिस खिलाड़ी है वैष्णवी

एजेंसी ■ बेंगलुरु

हाल में डब्ल्यू100 आईटीएफ टूर्नामेंट में उपविजेता रही भारत की उभरती महिला टेनिस स्टार वैष्णवी अडकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग में लंबी छलांग लगाकर 466 वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। इसी के साथ ही वैष्णवी 224 स्थान की छलांग लगाते हुए देश की नई नंबर-2 महिला एकल खिलाड़ी बन गयी हैं। वाइल्डकार्ड एंट्री से आईटीएफ टूर्नामेंट खेलने उतरी वैष्णवी ने तीन जीत हासिल करते हुए दो शीर्ष-150 खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया था। इस प्रकार आईटीएफ 100 स्तर या उससे ऊपर के टूर्नामेंट में कोई भारतीय महिला खिलाड़ी लंबे समय के बाद फाइनल तक पहुंची हैं। वैष्णवी ने 2022 में पेशेवर टेनिस खेलना शुरु किया था। साल 2024 में उन्होंने अहमदाबाद में आईटीएफ डब्ल्यू15 खिताब जीता और मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 में भी ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी के खिलाफ सेट जीता था।पिछले साल यूरोप में बड़े आईटीएफ टूर्नामेंटों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।इसके बाद वह रोहन बोपन्ना की अकादमी में अभ्यास के लिए गयी जहां कोच बालाचंद्रन मणिक्कथ की सलाह से इस खिलाड़ी ने तकनीकी और मानसिक दोनों स्तर पर अपने को निखारा।

# पैरा नेशनल टेबल टेनिस स्पर्धा आज से इंदौर में, प्रदेश के 13 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

सत्ता सुधार ■ इंदौर

टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन तथा पैरा टेबल टेनिस प्रमोशन एसोसिएशन द्वारा आयोजित पैरा राष्ट्रीय टेबल टेनिस स्पर्धा का आगाज आज, 26 फरवरी से स्थानीय अभय प्रशाल में होने जा रहा है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्पर्धा में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए 13 सदस्यीय दल का चयन किया गया है। प्रतियोगिता के मुकाबले प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होंगे।

राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग ले रहे प्रदेश के इन खिलाड़ियों को गौरवपूर्ण विदाई देते हुए मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी, जयेश आचार्य, प्रमोद गंगराड़े, प्रमोद सोनी, रिंकू आचार्य तथा गौरव पटेल ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित खेल प्रेमियों और पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

**ये खिलाड़ी करेंगे मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व :** राष्ट्रीय स्पर्धा में मध्य प्रदेश की ओर से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में मीना बालोदिया, पिंकी दुबे, हर्षिता शेहरी, अजय यादव, भविष्य जैन, आरिफ देहलवी, हर्ष त्रिवेदी, शहजाद अली, रीना बेगम, रचित बाथम, करुणा चिलहरे, राघव अग्रवाल तथा सपना चौहान शामिल हैं।

यह आयोजन न केवल दिव्यांग खिलाड़ियों को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, बल्कि खेल के प्रति उनके जुनून और अनुशासन को भी रेखांकित करेगा। शहर के खेल प्रेमियों में इस राष्ट्रीय स्पर्धा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

**गाजियाबाद।** गोविंदपुरम स्थित ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल के सीसीटीवी फुटेज में तेंदुए की मूवमेंट कैद होने के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर पहले स्कूल को खाली कराया और भारी मशक्कत के बाद आखिरकार तेंदुए को सुरक्षित पकड़ लिया गया।



### आयकर विभाग ने ऑफिस और अन्य ठिकानों पर मारा छापा

# बसपा विधायक के घर में मिला 10 करोड़ कैश

## विधायक के ठिकानों से महंगी घड़ियां-जेवर बरामद, 1000 करोड़ रुपए टैक्स चोरी

- लखनऊ-प्रयागराज में 30 स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए
- 50 अधिकारियों की टीम सुबह से देर रात तक जांच में जुटी रहीं

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के घर पर बुधवार से जारी आयकर टीम का छापा गुरुवार को समाप्त हो गया। उनके घर से 10 करोड़ की नकदी बरामद हुई है। इसके अलावा महंगी घड़ियां, सोना-चांदी और कीमती जेवर भी बरामद हुए हैं। दूसरे दिन उनके ऑफिस और अन्य स्थानों पर कार्रवाई जारी रही। विपुलखंड स्थित उनके आवास पर कार्रवाई पूरी हो गई है। बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट से एकमात्र बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर बुधवार को आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। लखनऊ, बलिया, सोनभद्र, कौशांबी, मिर्जापुर और प्रयागराज में 30 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। 50 से ज्यादा अधिकारियों की टीमें सुबह 11 बजे से देर रात तक जांच में जुटी रहीं। खबर लिखे जाने तक तीन करोड़ रुपए से अधिक की नकदी गिनी जा चुकी थी। आयकर विभाग की तीन टीमों ने लखनऊ के गोमतीनगर में विपुल खंड स्थित उमाशंकर सिंह के आवास, उनकी कंपनी छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कॉरपोरेट ऑफिस और वजीर हसन रोड पर करीबी ठेकेदार फैजी के ठिकानों को खंगाला। इसके अलावा सोनभद्र में साईं राम इंटरप्राइजेज कंपनी के नाम से खनन का कारोबार करने वाले उमाशंकर सिंह के करीबी सीबी गुप्ता समेत कई खनन कारोबारियों के ठिकानों को खंगाला गया। आयकर विभाग ने सुबह 11 बजे सभी ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था, जिसके बाद टैक्स चोरी और बेनामी संपत्तियों से जुड़े अहम सुराग मिले।

**सीतापुर नपा पहुंची आयकर की टीम:** इधर, यूपी के सीतापुर में गुरुवार को मिश्रिख नगर पालिका में आयकर विभाग की टीम पहुंची। टीम ऑफिस में दस्तावेज चेक किया। हाल ही में हुए उपचुनाव में मिश्रिख से भाजपा विधायक रामकृष्ण भार्गव की बहू सीमा भार्गव अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। विधायक के बेटे विजय भार्गव का कहना है कि यह छापा की कार्रवाई नहीं है। बल्कि, आयकर टीम दस्तावेज देखने आई है। प्रत्येक वर्ष ठेकदारों का टैक्स कटता है, तो वही दस्तावेज देखने टीम आई है।

**कर्मचारी संपत्ति का ब्योरा 10 मार्च तक दें:** उत्तर प्रदेश में राज्य कर्मियों को अपनी संपत्ति का ब्योरा देने के लिए 10 मार्च तक का समय दे दिया गया है। यदि 10 मार्च तक जानकारी दे देत हैं तो उनका वेतन जारी किया जा सकता है। हालांकि, इस बार उन्हें पदोन्नति और एसीपी का लाभ नहीं मिलेगा। इस बारे में मुख्य सचिव एसपी गोयल की तरफ से शासनादेश जारी कर दिया गया है।

### उमाशंकर का खनन घोटाले में आया था नाम

उमाशंकर सिंह छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी और साईं राम इंटरप्राइजेज के नाम से सड़क और खनन से जुड़े कार्य करते हैं। बीते वर्ष सीएजी (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि सोनभद्र में अवैध खनन कार्यों से करीब 60 करोड़ की राजस्व की हानि हुई थी। माना जा रहा है कि सीएजी की इस रिपोर्ट के बाद ही उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के ठिकानों को खंगाला गया है।

### बराती बनकर पहुंचे थे अधिकारी

बलिया में विधायक उमाशंकर के आवास पर छापा मारना आयकर विभाग के लिए आसान नहीं था। ऐसे में टीम सरकारी गाड़ियों के बजाय बरातियों के अंदाज में पहुंची। वाहनों पर महेंद्र कुमार संग संगीता कुमारी नाम के शादी वाले स्टीकर लगा दिए गए, ताकि किसी को शक न हो। इसी रणनीति की आड़ में अधिकारी बिना शोर-शराबे के सीधे आवास तक पहुंच गए और कार्रवाई शुरू कर दी।

### कई ब्यूरोक्रेट निशाने पर

आयकर छापे में सोनभद्र और मिर्जापुर में बीते कुछ वर्षों के दौरान हुए अवैध खनन से जुड़े अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं, जिसमें कई अधिकारियों के नाम और उनको दी जाने वाली रकम का जिक्र है। आयकर विभाग को शक है कि खनन कारोबार में कई ब्यूरोक्रेट्स की काली कमाई का निवेश किया गया है, जिसके सुराग जुटाए जा रहे हैं।

### एक मार्च को डोमरी में एक घंटे में होगा तीन लाख पौधों का रोपण

# काशी में पौधरोपण का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएंगे योगी

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

काशी अब पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी विश्व पटल पर अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराने जा रही है। आगामी एक मार्च को डोमरी क्षेत्र में एक अभूतपूर्व महाभियान आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत मात्र एक घंटे के भीतर तीन लाख पौधे रोपे जाएंगे। इस विशाल लक्ष्य के साथ नगर निगम का उद्देश्य न केवल शहर की हरियाली बढ़ाना है, बल्कि इस उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज कराना है। पौधरोपण की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों होगी। इस संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई। मेयर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शहर के आला अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान मेयर ने स्पष्ट किया कि वाराणसी को स्मार्ट सिटी के साथ-साथ ग्रीन सिटी बनाने का संकल्प अब धरातल पर उतरने वाला है।

**अभियान जन-आंदोलन का रूप लेगा:** उन्होंने कहा कि डोमरी में होने वाला यह पौधरोपण अभियान जन-आंदोलन का रूप लेगा। डीएम सत्येंद्र कुमार ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए बताया कि तीन लाख पौधों के रोपण के लिए जमीन के चिह्नांकन और गड्ढे खोदने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। वहीं, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने इस बड़े आयोजन के दौरान सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर जोर दिया, ताकि हजारों की संख्या में जुटने वाले स्वयंसेवकों को कोई असुविधा न हो। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि इस अभियान में नीम, पीपल, पाकड़ और बरगद जैसे छायादार और औषधीय पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह पहल केवल रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है।

# शंकराचार्य ने नाबालिगों से किया कुकर्म!

- पीड़ित बच्चों की मेडिकल रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न की पुष्टि
- पीड़ित बटुक ने कहा- अविमुक्तेश्वरानंद ने शोषण किया

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में बच्चों की मेडिकल रिपोर्ट आ गई है। दावा है कि बच्चों के साथ कुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने बुधवार को पीड़ित नाबालिगों का मेडिकल टेस्ट कराया था। दो डॉक्टरों के पैनल ने प्रयागराज के सरकारी अस्पताल में मेडिकल टेस्ट किया। रिपोर्ट बंद लिफाफे में गुरुवार को जांच अधिकारी को सौंप दी गई है। इसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, बटुकों से कुकर्म किसने किया? कब किया? कहां किया? ये जांच का विषय है। पूरी जांच के बाद स्पष्ट होगा कि अविमुक्तेश्वरानंद पर लगे आरोप कितने सही हैं। थाना प्रभारी झूंसी महेश मिश्र ने बताया कि कोर्ट का मामला है। ज्यादा जानकारी नहीं दे सकते। इधर, एक पीड़ित बटुक पहली बार मीडिया के सामने आया। उसने दावा किया- मैं अध्ययन के लिए गया था, तभी मेरा शोषण किया गया। हमारे साथ और भी बच्चे थे, उनका भी शोषण किया गया।

### मठ में शीश महल पर दी सफाई

**इधर,** श्रीविद्यामठ में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्रकारों से बात की। मठ में शीश महल और स्वीमिंग पुल होने की बात पर उन्होंने सफाई दी। कहा कि ये बातें मौका देख कर कही जा रही हैं, इस समय जिसके मन में जो खुन्नस है वो निकाला जा रहा है। सच्चाई ये है कि स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज के द्वारा अपने गुरुजी की इच्छा को पूरा करने के लिए श्रीविद्यामठ का निर्माण कराया गया था। इसका निर्माण वर्ष 1995 में हुआ है। उसके बाद से ये मठ लोक कल्याण के लिए निरंतर चलता आ रहा है। स्वीमिंग पुल की बात है कि हमारे गुरुजी का स्वास्थ्य खराब होने के चलते वो कहीं गिर न जाएं, इस वजह से गड्ढा बनाया गया था, जिसमें वे व्यायाम कर सकें। कहा कि जहां तक बात मठ में किसी को घुसने नहीं दिए जाने की है तो यहां छोटे- छोटे बच्चे हैं, जो पढ़ाई करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा की दृष्टि से कैमरे और मोबाइल के साथ किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बिना कैमरे के कोई कहीं भी जा सकता है।

# रेशम निदेशालय की बिल्डिंग में लगी आग

## अंदर रखे दस्तावेज जले, दो घंटे में आग पर पाया काबू

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

लखनऊ के रेशम निदेशालय की बिल्डिंग में आग लग गई। इससे ऑफिस में रखे जरूरी दस्तावेज जलकर राख हो गए। दमकल की 4 गाड़ियों ने 2 घंटे में आग पर काबू पाया। घटना गोमती नगर के नेहरू एन्क्लेव में बीती रात हुई। सीएफओ अंकुश मित्तल ने बताया- फायर ब्रिगेड को 9.15 बजे सूचना मिली कि रेशम निदेशालय की बिल्डिंग में आग लगी है। मौके पर गोमतीनगर से दो फायर टेंडर भेजे गए। जहां पहुंचकर देखा गया कि विश्वास मार्केट में पहली मंजिल पर रेशम निदेशालय और दूसरी मंजिल पर निबंधन आईजी स्टाम्प का ऑफिस है। बड़ी जुगौली निवासी आयुष यादव बिल्डिंग में ही बैठा था। तभी अंदर से तेज धुंआ देख ऑफिस के कर्मचारियों के साथ दरवाजा तोड़ने लगा। इस दौरान उसके हाथ में चोट आ गई। बड़ी जुगौली निवासी आयुष यादव बिल्डिंग में ही बैठा था। तभी अंदर से तेज धुंआ देख ऑफिस के कर्मचारियों के साथ दरवाजा तोड़ने लगा। इस दौरान उसके हाथ में चोट आ गई।

### ऑफिस के अंदर से निकलीं तेज लपटें

ऑफिस के अंदर से तेज लपटें निकल रही थीं। इस पर तुरंत राहत कार्य शुरू किया गया। करीब दो घंटे की कड़ी मश्क्कत के बाद आग को पूरी तरह से बुझा दिया गया। आग किन कारणों से लगी इसकी जानकारी की जा रही है।

### दस्तावेज जल कर राख

ऑफिस के अंदर कई दस्तावेज रखे थे। जो आग की वजह से जलकर राख हो गए। हालांकि किस सेक्शन में आग लगी इसकी जांच अभी नहीं हो सकी है। विभाग के लोगों की माने तो यहां पर महत्वपूर्ण दस्तावेज नहीं रहते हैं। स्टेशनरी व स्टोर का सामान रहता है।

# स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल और कोचिंग संस्थानों में लगें कैमरे

### पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल बोले- कोचिंग के बाहर खड़े बदमाश जाएंगे जेल

**वाराणसी।** पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने रोहनिया स्थित मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा या अन्य महिला उत्पीड़न के मामलों में तत्काल कार्रवाई के साथ प्रत्येक सप्ताह संबंधित महिला से संपर्क किया जाए और फीडबैक के आधार पर अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी स्कूल, कालेज, कोचिंग संस्थान और हॉस्टल में सीसीटीवी और शिकायत पेटिका लगाने का निर्देश दिया। मिशन शक्ति केंद्र पर नियुक्त कर्मचारी एंटीरोमियों स्क्वाड के रूप में कार्य करते हुए स्कूल और कोचिंग के बाहर खड़े असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करेंगे। पुलिस आयुक्त ने महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली का परीक्षण करते हुए कहा कि महिला संबंधी प्रकरणों में संवेदनशील, सहानुभूतिपूर्ण और त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। महिला अपराध से संबंधित छोटे प्रकरणों की विवेचना 15 दिनों के भीतर पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा। किसी भी महिला संबंधी प्रकरण में तुरंत गुमशुदगी/एफआईआर दर्ज करने और त्वरित कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। साथ ही, शिकायत दर्ज करने में देरी, टालमटोल या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई। महिला अपराध और बच्चों की गुमशुदगी के मामलों में 100 फीसदी एफआईआर दर्ज कर पीड़िता की गरिमा और मर्यादा बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

### यूपी की राज्यपाल मिर्जापुर पहुंची, प्रशासनिक भवन का निरीक्षण कर दिए निर्देश

**मिर्जापुर।** यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल गुरुवार को मड़िहान के देवरी गांव स्थित निर्माणाधीन मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय परिसर में बने हेलीपैड पर पहुंची। वहां से सीधे मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य को समय पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद गर्ल्स हास्टल देखने पहुंची। वहां का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखने के साथ ही छात्राओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश कार्यदायी संस्था व विश्वविद्यालय प्रशासन को दिया। इसके बाद कुलपति व विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मड़िहान के देवरी कला गांव में करीब 154.13 करोड़ की लागत से मां विंध्यवासिनी विवि का निर्माण हो रहा है।

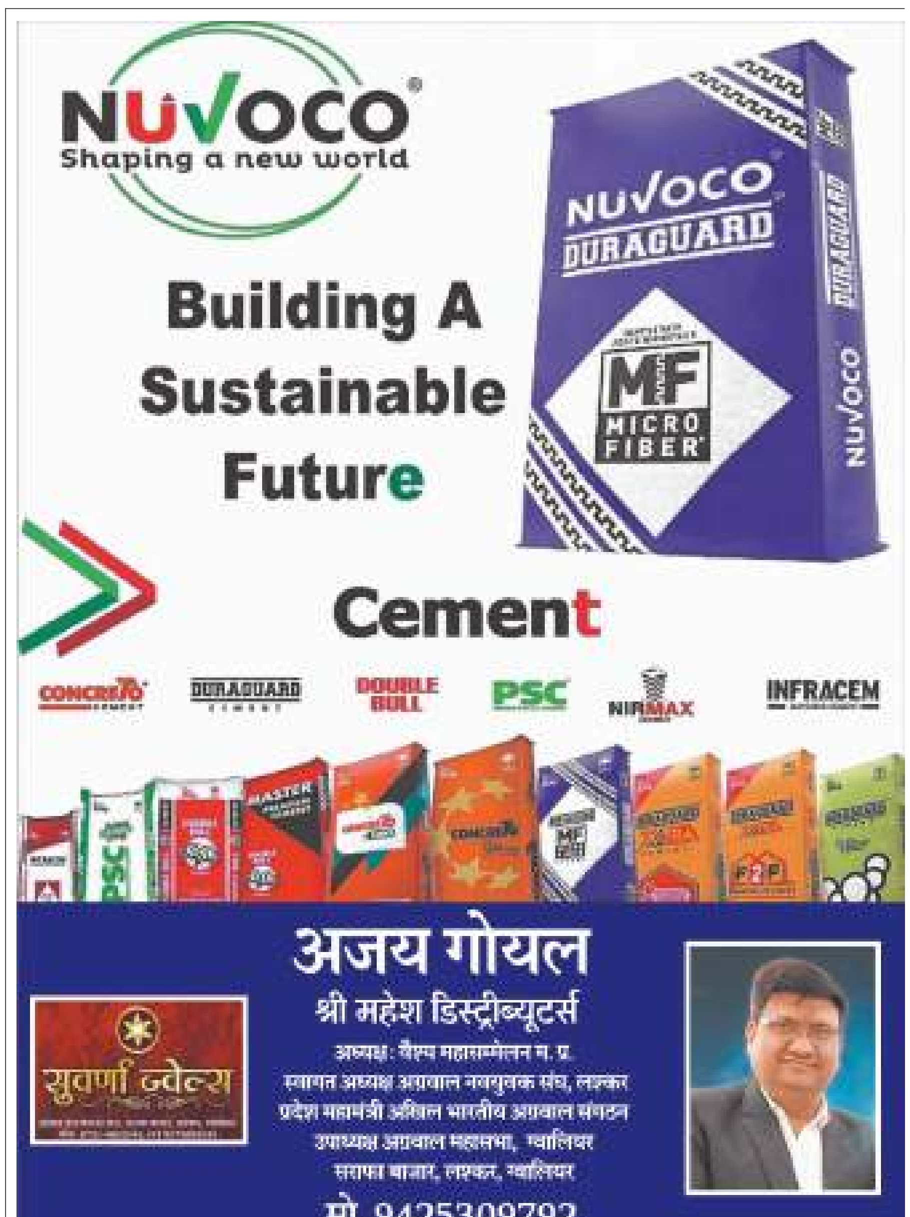


**षड्यंत्र** | अयोध्या में तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य बोले

# सीएम योगी के खिलाफ रची जा रही गहरी साजिश

### संभल प्रकरण से जुड़े डीके फाउंडेशन की शंकराचार्य के साथ जांच हो

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

अयोध्या में तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि देश विरोधी शक्तियां स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ आ गई है। वे यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बड़ी साजिश रच रही हैं। संभल प्रकरण से जुड़ा डीके फाउंडेशन शंकराचार्य से मिल गया है। इसकी जांच हो। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने मीडिया से बातचीत में कहा- संभल में हुए उपद्रव के दौरान मुस्लिम उपद्रवियों द्वारा प्रशासन पर हमला किया गया था। उस प्रकरण में इस्लामी संगठन डीके फाउंडेशन ने मुसलमानों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। वही संगठन अब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ मिलकर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ षड्यंत्र रचने का काम कर रहा है। वर्तमान समय में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उनके अनुसार, जो भी देश विरोधी ताकतें हैं, वे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ मिलकर देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं।

### तो उठाना पड़ेगा बड़ा नुकसान

उन्होंने प्रशासन और समाज से अपील करते हुए कहा कि ऐसे तत्वों पर कड़ी नजर रखी जानी चाहिए। जहां भी इस प्रकार की गतिविधियां सामने आएं। वहां सख्ती से कार्रवाई की जानी चाहिए। उनका कहना था कि यही एकमात्र रास्ता है। जिससे देश विरोधी ताकतों के मंसूबों को नाकाम किया जा सकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो प्रदेश और देश को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

**स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव** के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गुरुद्वारा चौराहा, शिवपुरी से प्रकाशित। संपादक गोपाल श्रीवास्तव। **मोबाईल न.** 9893126900, 7869966100, फोन- 403553 ।**स्थानीय संपादक दीपक अरोरा***।
आर.एन.आई. नं. एम पी एच आई एन/2000/2530 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट, **शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें**-6261052058, ई मेल- **sattasudhar@gmail.com*** **समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।**